जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, शनिवार 1 अप्रैल, 2023

1900 Sq Ft वाला
2 साइड ओपन 3 BHK फ्लैट
सिर्फ 50 लाख में !

KEDIA
सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

FIXED PRICE

एम.आई. रोड़ से एक LEFT पर !

NO MIDDLE-MEN
DIRECT TO CUSTOMER

2 साइड ओपन कोठी और फ्लैट्स 60 एमेनिटीज के साथ

OUTDOOR
1. Lotus Canopy
2. Chaupati
3. Temple
4. Rashi Garden
5. Open Air Theatre
6. Wetland Park
7. Plant Nursery
8. Meditation Zone
9. Kid's Play Area
10. Sandpit
11. Open Gym
12. Herb Garden
13. Interactive Fountain
14. Lap Pool
15. Kid's Pool
16. Roof Top Walk
17. Multipurpose Lawn
18. South End Park
19. Vocational Workshop Space
20. Sensory Walk
21. Viewing Decks
22. Nature Trail
23. Savanna Elevated Trail
24. Ecological Rich Zone
25. Adventure Play Area
26. Picnic Points
27. Interactive Seatings with Gazebo
28. Seating with Trellis

INDOOR
29. Tuition Rooms
30. Conference Room
31. Meeting Room
32. Women's Corner
33. Art Room
34. Kid's Workshop Area
35. Kid's play and fun area
36. Trampoline
37. Disney Theme Game Room
38. Featuristic Club entry with Bridges
39. Chit Chat Lobby
40. Health Care Facility
41. Gymnasium
42. Yoga Room
43. Card Room
44. Chess Room
45. Carrom Room
46. Table Tennis
47. Billiards
48. Cafeteria with Outdoor seating
49. Banquet Hall

SPORTS
50. Basket Ball Court
51. Badminton Court
52. Skating Rink
53. Lawn Tennis Court
54. Mini Golf
55. Cricket Practice Net
56. Box Cricket
57. Jogging Loop
58. Cycling Track

OTHER
59. Entrance Plaza
60. Sezasthan Bazaar

www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

KEDIA

1800 120 2323
info@kedia.com www.kedia.com

LOCATION QR CODE

विचार बिन्दु

विनम्रता की परीक्षा समृद्धि में और स्वाभिमान की परीक्षा अभाव में होती है।
–आदित्य चौधरी

डॉक्टर भगवान न सही, इन्सान तो हैं ही

हमारी सरकारों ने शिक्षा के स्तर को पूर्णतः नष्ट-भ्रष्ट कर दिया है और अब चिकित्सा व्यवस्था को भी पूर्णतः भ्रष्ट करने का प्रयास चल रहा है। सरकारी शिक्षा संस्थाओं की स्थिति सर्वविदित है। सरकारी स्कूलों की हालत और उनकी गुणात्मकता इतनी कम आँकी जाती है कि कारीगर, मजदूर, छोटे किसान और घरेलू काम करने वाले सेवक-सेविकाएँ भी यथा सामर्थ्य सरकारी स्कूलों में अपने बच्चे को नहीं पढ़ाना चाहते। यू.पी. की एक कोर्ट ने शिक्षा का स्तर बढ़ाने के लिये सुझाव दिया कि सबसे पहले जनप्रतिनिधि, सरकारी अधिकारियों, कर्मचारियों के बच्चों हेतु सरकारी स्कूलों में ही पढ़ना अनिवार्य किया जाय। इस सुझाव पर सरकारों ने कोई ध्यान नहीं दिया, क्योंकि उन्हें मालूम है कि सरकारी स्कूलों में अध्ययन-अध्यापन का स्तर अत्यंत निम्न स्तर का होता जा रहा है। उसके कारणों और निवारण हेतु सरकार का कोई ध्यान नहीं है और न कोई रूचि ही, इसका कारण भी स्पष्ट है। राजनेता अपनी मानव श्रेष्ठता सिद्ध करना चाहते हैं। वे इसे राजनीतिक स्वार्थ, दलीय व व्यक्तिगत स्वार्थ, वोट बैंक, सत्ता व समृद्धि प्राप्ति में बाधक मानते हैं। उनके प्रत्येक निर्णय पर राजनीतिक दखल और वर्चस्व की प्रवृत्ति ही प्रधान होती है, जन कल्याण की प्रवृत्ति नहीं।

चारों ओर निजी संस्थाओं की बाढ़, उनमें संख्या वृद्धि के साथ सरकारी स्कूलों में प्रवेशार्थियों की संख्या घटती जा रही है। शिक्षा के अधिकार के साथ सरकारी स्कूलों, संस्थाओं में सुधार के बजाय उन्होंने कुछ प्रतिशत प्रवेश निजी स्कूलों में भी करने का कानून बना दिया एवं उनका शुल्क सरकार द्वारा वहन करने का भी प्रावधान दिया। सरकार ने सरकारी स्कूलों में सुधार का कोई प्रयास नहीं किया। अस्तु।

हाल ही में राज्य सरकार ने 'स्वास्थ्य का अधिकार' का कानून भी बना दिया। सरकारी चिकित्सालयों की जो दुर्दशा है वह किसी से छिपी नहीं है। लेखक सरकारी अस्पताल में जाना पसंद करता है, हालांकि राजस्थान सरकार स्वास्थ्य योजना के अन्तर्गत और सरकारी पेन्शनर होने के नाते वह अन्य अधिकृत निजी हॉस्पिटल में भी जा सकता है। सरकारी हॉस्पिटल में रोगी मारे-मारे फिरते हैं। भीड़ की कतारें, एक खिड़की से दूसरी खिड़की पर भटकना, एक चिकित्सक से दूसरे चिकित्सक को खोजना, उपचार, जाँच व औषधि प्राप्ति हेतु सारा दिन बरबाद होता है और उसके उपरान्त भी अधूरा इलाज व अधूरी औषधि मिल पाना आम बात है। प्रामाणिक औषधियों की प्राप्ति चाहे वह हॉस्पिटल से हो या सरकारी भंडार से, संदेह से परे नहीं होती।

डॉक्टरों एवं नर्सिंग स्टाफ पर इतना बोझ रहता है कि वे चाह कर भी पर्याप्त समय, सुविधा व संतोष रोगी को नहीं दे पाते। इस स्थिति को सुधारने के लिये रोगियों को पहले प्राथमिक/सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर जाना व बड़े अस्पतालों को रेफरल हॉस्पिटल रखना एक उचित कदम होता। परंतु सस्ती लोकप्रियता हेतु राजनेता ऐसा नहीं करते, परिणाम स्वरूप इधर चिकित्सक व नर्सिंग स्टाफ का स्वभाव भी चिड़चिड़ा हो जाता है। दूसरी ओर राजनीतिक दखल के कारण कई नागरिकों द्वारा डॉक्टरों व नर्सिंग स्टाफ के साथ दुर्व्यवहार की घटनाएँ आम बात हो गई हैं। सुरक्षा हेतु हड़ताल, धरना, प्रदर्शन होते रहते हैं। नागरिकों द्वारा मारपीट भी की जाती है। जो डॉक्टर उपचार हेतु भगवान माना जाता है वह इंसान भी नहीं गिना जाता।

डॉक्टरों की पढ़ाई हेतु एक व्यक्ति को कठिनतम परिश्रम से गुजरना होता है। ज्यादातर सर्वश्रेष्ठ छात्र ही प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर पाते हैं। घर पर और कोचिंग सेन्टर पर खूब व्यय होता है। प्रवेश हो जाने पर उनकी अध्ययन व्यवस्था हेतु सरकार के पास पर्याप्त भवन, स्टाफ व अन्य आवश्यक सुविधाएँ नहीं होती, उनके होस्टल व मैस में घोर अस्वच्छता और अव्यवस्था है। राजस्थान में एम.बी.बी.एस. उत्तीर्ण करने के बाद प्रशिक्षु को देश में सबसे कम भत्ता रू. 7000/- मिलता था जो आंदोलन के बाद हाल ही बढ़ाया गया है।

सुपर स्पेशलिस्ट तक पहुँचने के लिये एम.बी.बी.एस. के बाद पी.जी. (पोस्ट ग्रेजुएट) परीक्षा हेतु अखण्ड तप व परिश्रम करना होता है। कम प्रतिशत ही पी.जी. कर पाते हैं। इसके बाद सुपर स्पेशलिटी हेतु फिर घोर परिश्रम करना होता है। पी.जी. और पोस्ट पी.जी. करते समय 24 घंटे काम करते हैं। सारा काम उनके भरोसे चलता है। इतना परिश्रम किसी भी अन्य करियर (भविष्य व्यवसाय) हेतु नहीं करना पड़ता। उसके उपरान्त गाँव-गाँव, नगर-नगर की नियुक्ति में खाक फाँकनी पड़ती है।

> **डॉक्टर को भगवान मानने वाले इस देश में डॉक्टर के परिश्रम, त्याग, बलिदान का कभी सही मूल्यांकन नहीं किया गया। क्या हमें ज्ञात नहीं कि कोरोना की अवधि में चिकित्सकों व नर्सिंग कर्मियों के परिश्रम पूर्वक सेवा व अपने प्राणों की परवाह न कर इन वीर योद्धाओं ने कोरोना को परास्त किया।**

सरकारी शिक्षा व चिकित्सा व्यवस्था की असफलताओं के कारण ही निजी शिक्षण व चिकित्सा संस्थाओं को प्रोत्साहन मिलता है। इनमें जो भ्रष्टाचार की संभावना रहती है उसका कारण भी भ्रष्ट राजनेता व अधिकारी हैं। वे इनसे चौथ वसूली की अपेक्षा रखते ही हैं। यह भी सच है कि निजी संस्थाओं को अपना स्तर बनाये रखने के लिये अपने साधन जुटाने होते हैं। निश्चय ही वहाँ का व्यय अधिक रहा है, रहता है और रहेगा। प्रश्न यह है कि यदि सरकारी संस्था सफल है तो रोगी निजी में जाये ही क्यों? निजी संस्थाओं में लोग जाते ही अपनी इच्छा से हैं, क्योंकि वहाँ उन्हें व्यय के उपरान्त भी सुविधा लगती है। आर.जी.एस.एस. के अन्तर्गत इन निजी चिकित्सा संस्थाओं में भी सरकार रोगियों की मुफ्त चिकित्सा चाहती है। आपात स्थिति में आने वाले हर रोगी का इलाज हो,,वह व्यय नहीं दे सकता तो मुफ्त हो और सरकार उसका पुनर्भरण करेगी। सरकार के पास पैसा है नहीं और इन चिकित्सा संस्थाओं व सहकारी समितियों की करोड़ों की राशि बकाया रहती है। यह फिर कई प्रकार के अन्य अनुचित साधनों को जन्म देता है। सुपर स्पेशलिस्ट के पास चाहे-अनचाहे, आवश्यक अनावश्यक लोगों की भीड़ पहुँचेगी तो वही दुर्दशा निजी अस्पतालों की भी होगी जैसी सरकारी अस्पतालों की है। एक बिन्दु और है सुप्रीम कोर्ट का वकील एक राय देने के दो लाख रुपये लेता है और पूरे मुकदमे के पचास लाख। एक सुपर स्पेशलिस्ट चिकित्सक यदि 500, 1500 या 5000 रू. फीस लेता है, जीवन खपाने के बाद, 70-80 वर्ष का हो जाने पर भी तो दर्द क्यों! क्या वह भगवान नहीं तो इन्सान भी नहीं है? कोचिंग सेन्टर में भी लाखों की फीस है उन पर रोक क्यों नहीं? यही हाल निजी प्रतिष्ठित स्कूलों, महाविद्यालय व विश्वविद्यालय का है।

मुद्दा जन कल्याण की इच्छा का नहीं है, मुद्दा है वोट बटोरने का, सस्ती लोकप्रियता का, सत्ता व स्वर्ण की पिपासा का। क्या एक राजनीतिक दल, एक व्यक्ति ने सत्ता में रहने का पट्टा लिया हुआ है कि वह येन केन प्रकारेण अपने स्वार्थ हेतु सारी संस्थाएँ भ्रष्ट कर दे?

क्या ग्रामीण अंचल के हॉस्पिटल, उसके चिकित्सक तथा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के अथवा क्षेत्र, देश, विदेश के प्रख्यात डॉक्टरों से व्यवहार व उपचार में कोई अंतर नहीं होगा।

केन्द्र व राज्य सरकारों ने धर्म के आधार पर और अल्पसंख्यक तुष्टीकरण के आधार पर सारा देश खण्ड-खण्ड करने का प्रयास किया है। आज जब केन्द्र सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' पर काम करना चाहती है तो राज्य सरकारें शिक्षा व शिक्षक की दुर्दशा कर चुकी हैं उसे 'बेचारा' बना चुकी है। राज्य सरकारें नहीं समझना चाहती कि "सचिव, वैद्य, गुरू' तीनी जो प्रिय बोलहें भय आस, राज, धर्म, तन, तीनि को होहि नास"। अधिकांश राजनेता व अधिकारी भ्रष्ट हो चुके, सचिव चापलूसी में लग गये, गुरू के ब्रह्मा, विष्णु, महेश होने के बजाय, चयन नियुक्ति स्थानान्तर के नाम पर वह निरीह हो गया। रहा 'चिकित्सक भगवान' उसके मान मर्दन की तैयारी है।

निजी चिकित्सकों, हॉस्पिटल आदि की हड़ताल चल रही है। सरकारी अस्पताल व उनके चिकित्सक भी समर्थन में हैं। शांति मार्च पर लाठियाँ बरसाई जा गई हैं। हठधर्मिता क्यों? क्या यह लोकतंत्र है? क्या एमरजेन्सी को परिभाषित नहीं किया जा सकता? क्या संवाद के माध्यम से समस्याओं को सुलझाया नहीं जा सकता? राइट टू हेल्थ लागू हो परंतु अव्यवस्था की नींव पर नहीं, व्यवस्था की कब्र पर नहीं। व्यवस्था, अनुशासन जन कल्याण आदि के दृष्टिमत ही राइट टू हेल्थ लागू हो। क्या सरकार समझेगी?

बड़े भाई की प्रबल इच्छा के कारण लेखक स्वयं डॉक्टर बनना चाहता था, परंतु अंक प्रतिशत कम होने से प्रवेश नहीं मिल पाया। लेखक की दूसरी व तीसरी पीढ़ी ने मिलाकर 8 व भाईयों के परिवार से 5 डॉक्टर याने कुल 13 डॉक्टर परिवार ने समाज को दिये हैं। आशय यह कि ज्यादा से ज्यादा बच्चे डॉक्टर बनना चाहते थे, परंतु सर्वेक्षण के अनुसार पूर्व केन्द्रीय सत्ताओं एवं राज्यों की चिकित्सा रीति-नीति में डॉक्टरों की निरंतर उपेक्षा के कारण रूचि का प्रतिशत बहुत कम हुआ है। इसका प्रधान कारण यही है कि डॉक्टर को भगवान मानने वाले इस देश में डॉक्टर के परिश्रम, त्याग, बलिदान का कभी सही मूल्यांकन नहीं किया गया। क्या हमें ज्ञात नहीं कि कोरोना की अवधि में चिकित्सकों व नर्सिंग कर्मियों के परिश्रम पूर्वक सेवा व अपने प्राणों की परवाह न कर इन वीर योद्धाओं ने कोरोना को परास्त किया। सैकड़ों ही नहीं हज़ारों चिकित्सकों व नर्सिंग कर्मियों ने घर व बाहर तिरिस्कार सह कर भी अपने प्राणों का बलिदान किया। डॉक्टर को भगवान नहीं तो इन्सान तो समझिये अन्यथा समाज डॉक्टरों सेवा से वंचित रहेगा।

–अतिथि सम्पादक,
कैलाश विहारी वाजपेयी,
(स्वतंत्र चिंतक व लेखक)

भाजपा क्या डॉ. सतीश पूनिया को मजबूत करेगी?

रामगोपाल जाट

भाजपा ने चार राज्यों के प्रदेशाध्यक्ष बदले हैं। इनमें राजस्थान का अध्यक्ष बदलना सबसे अहम है, क्योंकि 6 महीने बाद भाजपा यहां पर चुनाव में जा रही है। राज्य में नवंबर-दिसंबर में चुनाव होंगे और उससे पहले भाजपा ने अपना प्रदेशाध्यक्ष बदलकर एक बड़ा दांव खेला है। सामान्य तौर पर माना तो यह जा रहा है कि भाजपा ने वसुंधरा राजे से गुटबाजी रोकने के लिये डॉ. सतीश पूनियां की जगह सीपी जोशी को अध्यक्ष बनाया गया है। हालांकि, जो लोग इस बात से सहमत हैं, वो इस बात का शायद ही जवाब दें कि यही गुटबाजी बीते साढ़े तीन साल से जारी थी, तब अध्यक्ष क्यों नहीं बदला गया?

कुछ सियासी लोग यह भी दावा कर रहे हैं कि पिछले दिनों हुई ब्राह्मण महापंचायत के दबाव में आकर भाजपा ने ब्राह्मण चेहरे को अध्यक्ष बनाया है। ये ही लोग इस बात का जवाब नहीं देंगे कि पिछले दिनों ही जाट महाकुंभ में मांग करने से क्या जाट सीएम बनाया गया? ये वो लोग हैं, जो सोशल मीडिया पर राजनीति को केवल सुनते हैं, वहीं पढ़ते हैं और बिना दिमाग का इस्तेमाल किए लिख देते हैं या सार्वजनिक तौर पर बोल देते हैं। इस तरह के लोगों का राजनीति में गहरी समझ से कोई वास्ता नहीं है।

यह चर्चा आम रही है कि वसुंधरा राजे कभी भी सतीश पूनियां को फूटी आंख नहीं सुहाती हैं, लेकिन वसुंधरा की मर्जी के खिलाफ पार्टी आलाकमान ने सतीश पूनियां को अध्यक्ष बनाया तब क्या वसुंधरा ने विरोध नहीं किया होगा? क्या उसके बाद साढ़े तीन साल में भी विरोध नहीं किया? आखिर अब ही ऐसी क्या मजबूरी आई कि वसुंधरा राजे से गुटबाजी के कारण राजस्थान में अध्यक्ष बदल दिया गया? यह सवाल जरूर अनुत्तिरत है कि जब सतीश पूनियां को अध्यक्ष पद पर पार्टी ने एक्सटेंशन दे दिया था, तो इस तरह से बीच अचानक से सीपी जोशी को क्यों लाया गया है? इसका जवाब पार्टी की टॉप लीडरशिप के अलावा किसी को पता नहीं है। यहां तक कि भाजपा राजस्थान के विधायकों और अध्यक्ष रहे सतीश पूनियां को छोड़कर संगठन में बैठे लोगों के पास भी इसका जवाब नहीं होगा।

पिछले दिनों भाजपा ने राज्यसभा सांसदों के लिये दो कार्यकाल भी निर्धारित किए हैं। जो नेता बरसों से राज्यसभा में बिना मेहनत किए पार्टी के सहारे निर्वाचित होते रहे हैं और जनता से दूर रहते हैं, उनको भी अब लोकसभा चुनाव या फिर संबंधित राज्य में विधानसभा चुनाव लड़ना होगा। इसी तरह की तैयारी लोकसभा सदस्यों के लिए भी की जा रही है, किंतु अभी इसपर निर्णय नहीं लिया गया है। इसको लोकसभा सदस्य की क्षेत्र में लोकप्रियता से जोड़कर देखा जा रहा है। फिर भी इस बात की संभावना है कि लोकसभा वालों पर भी लगातार चुनाव लड़ने से रोकने के लिये किसी तरह का निर्णय लिया जा सकता है। भाजपा ने इसको नई पीढ़ी को आगे बढ़ाने के तौर पर प्रचारित किया है। इसका यह भी मतलब हो सकता है कि 58 वर्ष के सतीश पूनियां के बजाए 11 साल छोटे 47 वर्षीय के सीपी जोशी को अध्यक्ष बनाकर वसुंधरा राजे गुट को साफ संकेत भी दिये गये हैं कि पार्टी युवाओं को आगे लाने का प्रयास कर रही है।

संगठन में लंबे अनुभव के हिसाब से सतीश पूनियां को केंद्र में जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है या फिर उनके लिए पार्टी ने कुछ ऐसा सोचा हो कि आने वाले समय में कहीं पर उनके अनुभव को काम लिया जा सके। वर्तमान में राज्य में सतीश पूनियां के लिए दो ही जगह बची हैं, जहां उनका जिम्मेदारी दी जा सकती है। पहला पद है नेता प्रतिपक्ष का, जहां से हटाकर कुछ समय पहले ही गुलाबचंद कटारिया असम का राज्यपाल बनाया गया है। इस जगह पर सबसे पहला दावा तो उपनेता के नाते राजेंद्र राठौड़ का बनता है, लेकिन अब सतीश पूनियां का नाम भी तेजी से लिया जा रहा है। राजेंद्र राठौड़ ने पार्टी के अंदरखाने एलओपी पर अपना दावा ठोक दिया है।

दूसरा पद है चुनाव अभियान समिति का संयोजक। इस पद को लेकर अध्यक्ष के पद की भांति ही वसुंधरा राजे भी ताकत लगा रही होंगी। चुनाव नजदीक आने के साथ ही चुनाव समिति संयोजक का पद भी राज्य में तीन टॉप पदों में से एक हो जाएगा। पिछले लोकसभा चुनाव से ठीक पहले सतीश पूनियां को सदस्यता अभियान समिति का संयोजक बनाया गया था। उस सफलता को देखते हुए कुछ समय बाद ही उनको अध्यक्ष बनाया गया था। इस बात की सबसे अधिक संभावना है कि सतीश पूनियां को चुनाव समिति का संयोजक बनाकर आलाकमान वसुंधरा राजे को संकेत दे सकता है कि उनको पार्टी के अनुसार चलना होगा, अब पार्टी उनके अनुसार नहीं चलेगी। यदि इस पद पर सतीश पूनियां को बिठाया जाता है तो फिर राज्य में अध्यक्ष, प्रभारी, संगठन महासचिव और चुनाव समिति का संयोजक चुनाव के दौरान सबसे पॉवरफुल होंगे, जो राज्य के अधिकांश टिकटों का निर्धारण करेंगे।

यह बात सबको पता है कि सतीश पूनियां का कार्यकाल दिसंबर में पूरा हो चुका था। इस हिसाब से वह तो पहले ही एक्सटेंशन पर चल रहे थे। इसलिये उनको हटाया जाना शब्द लिखना तकनीति रुप से गलत है। यह कह सकते हैं कि भाजपा ने प्रदेश का अध्यक्ष बदला है। हटाया जाना शब्द तभी लिखा जा सकता है कि जब किसी को हटाया गया हो और उसके स्थान रिक्त हो या कार्यकाल के बीच में ही दूसरा अध्यक्ष बना दिया गया हो।

अब सतीश पूनियां की चुनाव अभियान समिति संयोजक की संभावना सर्वाधिक है, लेकिन इस पद पर उनको नहीं लगाया जाता है तो फिर केंद्र में जनरल सेक्रेटरी जैसी कोई जिम्मेदारी दी जा सकती है। संगठन में सतीश पूनियां को बहुत लंबा अनुभव हो चुका है, जिसके कारण पार्टी उनके अनुभव का फायदा लेना चाहेगी। दूसरी बात यह है कि राज्य की सबसे बड़ी आबादी की नाराजगी से बचने के लिये भी पार्टी सतीश पूनियां को किसी पद पर रखना चाहेगी। राज्य में अभी चुनाव भी करीब 6 से 8 महीने बाद हैं, लेकिन सब गुटों द्वारा अपने अपने नेता को सीएम का चेहरा बनाया जा रहा है। पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के समर्थक अब जरूर कमजोर पड़ते नजर आ रहे हैं, क्योंकि दो-दो बार उनकी पंसद के खिलाफ जाकर अध्यक्ष बनाये गये हैं। 2003 में उनको राजस्थान भेजा गया था, तब से लेकर 2018 के चुनाव तक वसुंधरा ही भाजपा और भाजपा ही वसुंधरा हुआ करती थीं, लेकिन माना जाता है कि सबसे पहले 2019 में सतीश पूनियां को अध्यक्ष बनाकर वसुंधरा राजे को कमजोर किया गया। इसके बाद वसुंधरा की तमाम नाराजगी को दरकिनार कर पूरे साढ़े तीन साल सतीश पूनियां ने संगठन को अपने हिसाब से रिडिजाइन किया, जिसमें वसुंधरा गुट के लोगों को जगह नहीं दी गई।

–रामगोपाल जाट,
वरिष्ठ पत्रकार

100 साल से अधिक पुरानी हेरिटेज नैरो गेज ट्रेन अब इतिहास बन जाएगी

धौलपुर (निस)। धौलपुर जिले के सैकड़ों गांव की लाइफ लाइन मानी जाने वाली नैरो गेज ट्रेन अब इतिहास बनने जा रही है। अंग्रेजों के टाइम की 100 साल से अधिक पुरानी ये हेरिटेज ट्रेन शुरुआत में धौलपुर के प्रसिद्ध लाल पत्थर की ढुलाई के लिए शुरू की गई थी, बाद में यह सवारी गाड़ी बन गई। और धीरे-धीरे यह सैकड़ों गांव के हजारों लोगों की लाइफ लाइन बनती चली गई। वर्तमान में लोग बाजार और अन्य गांव में आने जाने के लिए इस ट्रेन का उपयोग करते हैं। यहां तक कि लोग घर गृहस्ती का सामान और खेतों से पशुओं का चारा भी इसी ट्रेन से लेकर आते हैं। धौलपुर से बाड़ी व सरमथुरा होकर उत्तर प्रदेश के तांतपुर तक जाने वाली इस नैरो गेज ट्रेन को अब ब्रांड गेज में परिवर्तित किया जा रहा है। इसीलिए इसे 31 मार्च यानि आज से बंद किया जा रहा है। बंद करने के आदेश 2 दिन पूर्व जारी किए जा चुके हैं।

ऐसे में आज ट्रेन का अंतिम दिन था। जिसको लेकर जब रेल से सफर करने वाले स्थानीय लोगों को इसकी जानकारी हुई तो वे मायूस हो गए, क्योंकि लोगों का करीब सवा सौ वर्ष का इतिहास व रिश्ता इससे जुड़ा है। ट्रेन से यात्रा करने वाले ज्यादातर लोगों का कहना है कि उन्हें इस ट्रेन के बंद होने का काफी दुख है। लेकिन खुशी इस बात की है कि यह मार्ग अब ब्रॉडगेज में परिवर्तित होने जा रहा है। ऐसे में आगामी समय में क्षेत्र का विकास तो होगा ही, लोगों को भी दूर तक जाने का एक नया रास्ता मिलेगा। ट्रेन बंद होने पर लोगों की भावनाएं समझने के लिए की

> ■ **ट्रेन के आखिरी सफर का आम व खास ने जमकर लुत्फ उठाया**

धौलपुर से बाड़ी रेलवे स्टेशन तक अधिकारियों के साथ ट्रेन में सफर किया। जिसमें आखिरी सफर के कारण जगह जगह लोग ट्रेन की वीडियो बनाते और फोटो खींचते हुए दिखे। इसके अलावा लोगों ने ट्रेन के साथ सेल्फी भी ली। वही रास्ते में लोगों ने हाथ हिलाकर जगह-जगह ट्रेन का अभिवादन भी किया। वही ट्रेन के आखिरी सफर में धौलपुर जिला कलेक्टर अनिल कुमार अग्रवाल सहित अन्य अधिकारियों ने भी यात्रा की और इसका लुफ्त उठाया।

नैरो गेज ट्रेन का आखिरी दिन बाड़ी सहित विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर ट्रेन का स्वागत किया गया।

जानकारों की माने तो यह राजस्थान की एकमात्र नैरो गेज ट्रेन है जो अब भी चल रही थी। अब यह भी इतिहास बनने जा रही है। क्योंकि धौलपुर से करौली तक ब्रॉडगेज लाइन स्वीकृत हुई है। जिसका कार्य चल रहा है। ऐसे में अधिकारियों द्वारा अब इस ट्रेन को बंद किया जा रहा है। जिससे कार्य में गति लाई जा सके। ये ट्रेन 1917 में शुरू हुई थी। जिसे धौलपुर स्टेट टाइम में तत्कालीन धौलपुर महाराज ने शुरू किया था।

जो अंग्रेजों से इसे लेकर आए थे। जिसके पीछे बंसी पहाड़पुर के पत्थर का परिवहन मुख्य वजह था। क्योंकि बंसी पहाड़पुर में जो लाल पत्थर और सफेद पत्थर निकलता है वह बहुत ही उच्च क्वालिटी का होता है। जिसको दूरस्थ स्थानों पर ले जाने के लिए यह ट्रेन शुरू की गई थी। जिसे जनता गाड़ी नाम दिया गया। नैरो गेज ट्रेन के बंद होने पर आज आखिरी दिन बाड़ी सहित विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर ट्रेन का स्वागत किया गया। साथ में विदाई भी दी गई। इसके अलावा रेलवे के कई अधिकारी और कर्मचारियों ने भी इस ट्रेन में परिवार सहित यात्रा की और सफर का आनंद लिया। खास बात ये है कि अधिकांश अधिकारियों व कर्मचारियों की इस ट्रेन में यह यात्रा पहली व आखिरी यात्रा रही।

महावीर जी का आठ दिवसीय लक्खी मेला आज से

जयपुर/श्रीमहावीरजी। पूरे विश्व को जीओ और जीने दो का संदेश देने वाले जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर का 2622 वां जन्म कल्याणक महोत्सव (महावीर जयन्ती) पर दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में आठ दिवसीय वार्षिक लक्खी मेला शनिवार 01 अप्रैल से शुरू होगा।

दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल एवं मंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी ने बताया कि शनिवार 01 अप्रैल को मेले की स्थापना होगी , रविवार को पूजन,भजन, सामूहिक आरती व शास्त्र प्रवचन होंगे। सोमवार को महावीर जयंती समारोह धूमधाम से मनाया जाएगा जिसमें प्रातः कटला प्रांगण से प्रभातफेरी निकलेगी। कटला प्रांगण में झण्डारोहण के बाद जल यात्रा निकाली जायेगी। तत्पश्चात स्कूल में मोदक वितरण, अस्पताल में मरीजों को तथा हिण्डौन जेल में केदियों को फल वितरण किये जायेंगे। मंगलवार, 04 अप्रैल को वर्धमान विधान, सामूहिक पूजा, सामूहिक आरती, शास्त्र प्रवचन के बाद दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फारम एवर जयपुर द्वारा कटला पूर्वी पाण्डाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा।इसी दिन सांस्कृतिक मंच पर रंगशाला एकेडमी इन्दौर द्वारा साधना मादावत महानाट्यय प्रस्तुति दी जाएगी। बुधवार, 05 अप्रैल को पूजन, भजन, सामूहिक आरती व शास्त्र प्रवचन के बाद रात्रि में कटला पूर्वी पाण्डाल में महिला जागृति संघ जयपुर द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। सांस्कृतिक मंच पर वीणा कैसेट्स जयपुर द्वारा राजस्थानी लोक नृत्य व लोकगीत कार्यक्रम गोरबंद की भव्य प्रस्तुति दी जाएगी।

प्रचार प्रसार मुख्य संयोजक सुरेश सबलावत के अनुसार गुरुवार 06 अप्रैल को श्री वीर संगीत मण्डल जयपुर के सहयोग से सामूहिक पूजा की जाएगी। अपराह्न 4.00 बजे उप जिला कलेक्टर एवं प्रबंधकारिणी कमेटी के अध्यक्ष द्वारा मेला निरीक्षण किया जाएगा।

सायंकाल सामूहिक आरती के बाद श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति सांगानेर सम्भाग द्वारा कटला पूर्वी पाण्डाल में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। सांस्कृतिक मंच पर रात्रि 8.00 बजे से राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का विशाल आयोजन किया जाएगा। अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल एवं मंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी ने बताया कि वार्षिक मेले की तैयारियां जोर शोर से चल रही है। मेले में जैन अजैन सभी लाखों की संख्या में श्रद्धालुगण शामिल होगें। गम्भीर नदी में मेले के लिए पाचना बांध से पानी छोड़ा जाएगा।

पांडाल, डेरा, छोलदारी व्यवस्था के चन्द्र प्रकाश जैन पहाड़ियां, विद्युत व्यवस्था के लिए प्रदीप कुमार जैन व नवीन बिल्टीवाला प्रदर्शनी व्यवस्था के लिए सुधीर कासलीवाल ,आयुष कासलीवाल व संजय जैन, सांस्कृतिक कार्यक्रम व ठामीण खेलकूद के लिए मानद् मंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी, कवि सम्मेलन के लिए विवेक काला, प्रकाशन व्यवस्था के लिए महेन्द्र कुमार पाटनी, भोजन व्यवस्था के लिए उमराव मल संघी तथा पूनमचंद बैनाडा, प्रचार प्रसार के लिए सुरेश सबलावत तथा विनोद जैन कोटखावदाको, स्वास्थ्य चिकित्सा के लिए रुपिन काला,डॉ ज्ञान चन्द सोगानी, आवास के लिए प्रदीप कुमार जैन, सफाई व सौन्दर्यीकरण के लिए पदम कुमार जैन, दिव्यांग एवं असमर्थ सहायता शिविर के लिए अनिल पाटनी दीवान, जल व्यवस्था के लिए अनिल दीवान एवं देवेन्द्र मोहन कासलीवाल, यातायात व सुरक्षा व्यवस्था के लिए शांति कुमार जैन, अनिल जैन एवं राजेश चौधरी को तथा वर्धमान विधान चौबीसी के लिए चन्द्र प्रकाश पहाड़ियां को जिम्मेदारी सौंपी गई है। आईटी व्यवस्था अभिषेक छाबड़ा, अशोक पाटनी, स्वयं सेवक व्यवस्था महेश काला तथा भानू कुमार छाबड़ा देखेंगे।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 1 अप्रेल, 2023

चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, एकादशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2080, अश्लेषा नक्षत्र रात्रि 4:48 तक, धृति योग रात्रि 2:43 तक, वणिज करण दिन 3:11 तक, चन्द्रमा रात्रि 4:48 से सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मीन, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-मिथुन, बुध-मेष, गुरू-मीन, शुक्र-मेष, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज कामदा एकादशी है। भद्रा दिन 3:11 से रात्रि 4:20 तक रहेगी। रवियोग रात्रि 4:48 पर समाप्त होगा। लक्ष्मीकान्त दोलोत्सव है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ 7:54 से 9:27 तक, चर 12:33 से 2:04 तक, लाभ-अमृत 2:04 से 5:09 तक।

राहूकालः 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:22, सूर्यास्त 6:40

मेष

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में अतिथियों के आगमन से प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों में प्रगति होगी।

वृष

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

मिथुन

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक प्रतिष्ठा के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। मनःस्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

सिंह

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। व्यक्गित परेशानी अभी यथावत बनी रहेगी।

कन्या

आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

तुला

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

वृश्चिक

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

धनु

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मकर

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कुंभ

अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। किसी भी कारण से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। स्वास्थ्य से संबंधित चिन्ता दूर होगी।

मीन

अपने आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आज आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 238 प्रभात जयपुर, शनिवार 1 अप्रैल , 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

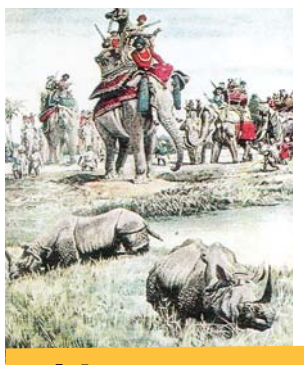

Rhinoceros For Macabre Fun

In Baroda state (now in Gujarat), rhinoceros fight were a well-known event. To this day the city boasts of a "Genda Chowk" (Rhinoceros Square).

April Fool's Day

Making Flying Less Terrible | The name of the game is customer satisfaction

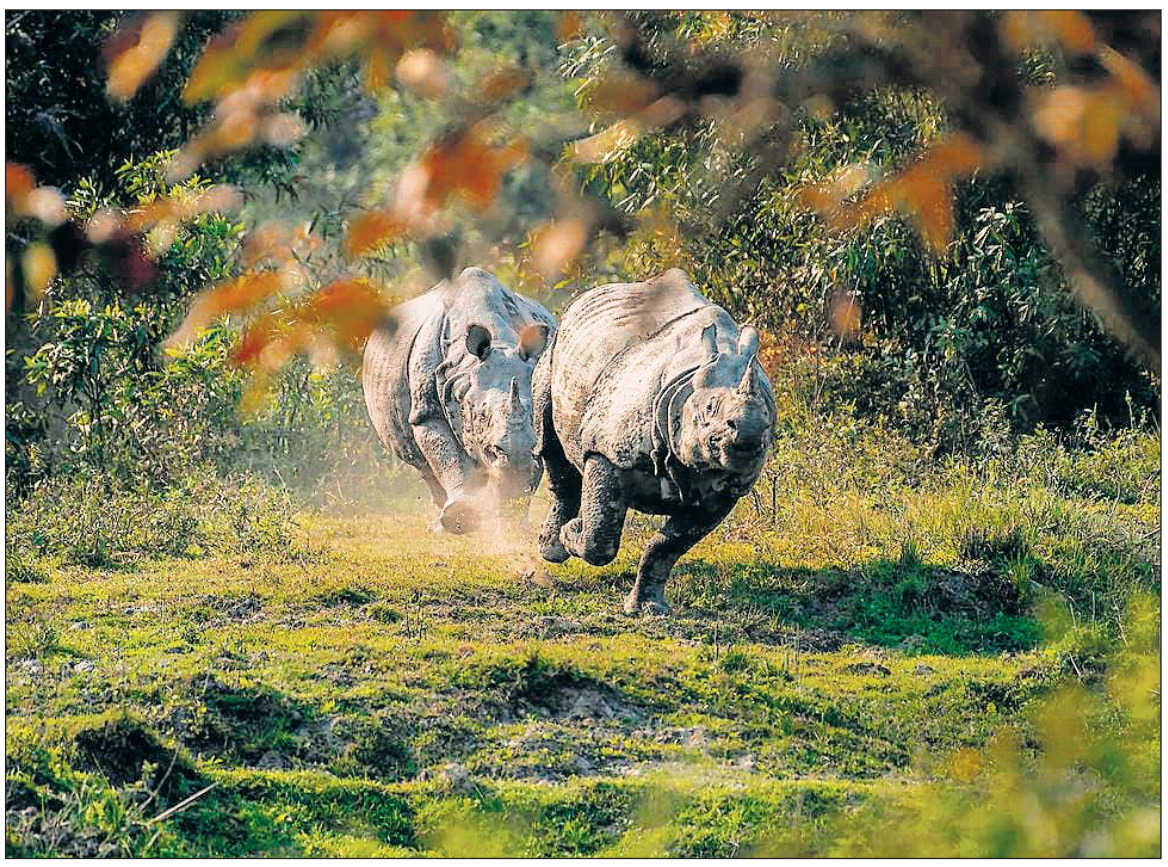

स्मिथसोनियन मैगज़ीन की 20 वीं वार्षिक फोटो प्रतिस्पर्धा के नतीजे घोषित हो गए हैं। प्रतिस्पर्धा में 190 देशों के 7000 फोटोग्राफर्स की 32,690 प्रविष्टियां शामिल की गईं। फाइनल लिस्ट में चुनी गई यहां प्रस्तुत तस्वीर काज़ीरंगा नैशनल पार्क की है। फोटोग्राफर प्रबीर कुमार दास ने कहा, "लग रहा था जैसे जुरासिक पार्क का कोई दृश्य है, जिसमें टायरानसॉरस की जगह राइनो दौड़ रहे हैं।" प्रबीर कुमार अपने ड्राइवर के साथ एक वाहन में काज़ीरंगा नैशनल पार्क में फोटोग्राफी करने के लिए गए थे। उन्होंने बताया, "बड़ी स्पीड में एक दूसरे का पीछा करते दो राइनो मेरे कैमरा के फ्रेम में नज़र आए। वो दोनों बहुत खतरनाक तरीके से हमारी कार की तरफ आ रहे थे। ड्राइवर ने आत्म रक्षा के लिए कार को तुरंत रिवर्स किया। लेकिन तब तक मैंने कई खूबसूरत शॉट ले लिए।" प्रबीर कुमार पेशे से कैमिस्ट्री टीचर हैं और फोटोग्राफी उनका प्रिय शौक है जो अब उनका जूनून बन गया है, खासतौर पर वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी और काज़ीरंगा नैशनल पार्क उन्हें बेहद प्रिय है।

हाई कोर्ट ने डॉक्टरों की हड़ताल को गैर कानूनी घोषित करने से इंकार किया

हाई कोर्ट ने यह भी कहा कि, याचिकाएं पढ़ कर यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि, डॉक्टर ''प्रोटैस्ट'' क्यों कर रहे हैं

-यादवेंद्र शर्मा-

जयपुर, 31 मार्च। राजस्थान हाईकोर्ट ने चिकित्सकों की हड़ताल के खिलाफ जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि वे डॉक्टरों के मुद्दे को सुनने से पहले उनकी हड़ताल को गैर कानूनी करार देने जैसा कोई आदेश पारित नहीं करेंगे। कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एम.एम.श्रीवास्तव और न्यायाधीश अनिल उपमन की खंडपीठ ने यह आदेश अधिवक्ता पी.सी.जैन और प्रमोद सिंह द्वारा दायर दो पृथक याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिया। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि महाधिवक्ता अगली तारीख तक डॉक्टरों के संगठन और राज्य सरकार तथा उसके मंत्रियों के बीच हुई बातचीत का पूर्ण लिखित ब्यौरा अदालत के समक्ष रखें। अदालत ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की राजस्थान इकाई को डॉक्टरों का पक्ष रखने के लिये इस मामले में नोटिस जारी किया। इसके साथ ही इस मामले की अगली तारीख 11 अप्रैल तय की है।

- **सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता ने अदालत को कहा कि, कुछ ही लोग इस ''प्रोटैस्ट'' को उकसा रहे हैं और उन्होंने कुछ सरकारी डॉक्टरों को भी भड़काया है। उन्होंने आगे कहा कि, सरकार ने डॉक्टरों से बातचीत करके ही ''राइट-टू-हैल्थ'' बिल को विधानसभा में पेश किया था।**
- **इस पर न्यायालय ने यहां महाधिवक्ता को कहा कि, वे अदालत के समक्ष डॉक्टरों और सरकार के बीच हुई बातचीत का विस्तृत ब्यौरा पेश करें।**
- **अदालत ने ''इंडियन मैडिकल एसोसिएशन'' को भी डॉक्टरों का पक्ष रखने के लिए नोटिस भेजा है।**

सुनवाई की शुरूआत में अदालत ने यह हैरानी जताई कि अधिवक्ताओं ने डॉक्टरों की हड़ताल के खिलाफ याचिका दायर की थी जबकि कुछ दिन पहले ही सभी वकील हड़ताल पर उतरे हुए थे। अदालत ने यह टिप्पणी की कि वकीलों की भी जिम्मेदारी थी कि वह न्याय प्रणाली के कार्य में बाधा उत्पन्न ना करें बल्कि अदालतों को उनका काम करने में मदद करें, ''इस नजरिये से वकीलों की हड़ताल वैध कैसे हो सकती है?'' अदालत ने एक अधिवक्ता को यह तक कहा कि वह अपना काला कोट उतारें क्योंकि वह निजी तौर पर जनहित याचिका कर रहे हैं, वकील के तौर पर नहीं।

मामले की सुनवाई के दौरान अधिवक्ता पी.सी.जैन ने कहा कि तमिलनाडु में भी सरकारी डॉक्टर जब हड़ताल पर उतरे थे तब न्यायालय ने आदेश दिये थे कि सरकार और डॉक्टर मिलकर समाधान खोजे और तब तक हड़ताल को लंबित रखें। अधिवक्ता पी.सी.जैन ने कहा कि पूरे प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्था चरमराई हुई है इसलिये अदालत को इस हड़ताल को रोकना होगा। यहां उल्लेखनीय है कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है!
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
फ्री सुनाई की जाँच
TRIAL OF HEARING AID
CALL FOR APPOINTMENT
+91 94602 07080
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
www.perfecthearingsolutions.com

इस बार फिर रामनवमी के जुलूस के दौरान हिंसक घटनाएँ व तोड़-फोड़ हुई कोलकाता में

इन घटनाओं के दौरान मु.मंत्री ममता बनर्जी रैड रोड पर केन्द्र के पक्षपात पूर्ण रवैये के खिलाफ धरने पर बैठी थीं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 मार्च। बंगाल में रामनवमी महोत्सव के दौरान ममता बनर्जी और बंगाल भाजपा के बीच भारी हिंसा हुई। कई जगहों पर रामनवमी शोभा यात्रा में हिंदु व मुसलमानों के बीच दंगा हुआ।

ममता का गुस्सा सीधे तौर पर सुभेन्दु अधिकारी पर था। तृणमूल से भाजपा में गए इस तेज तर्रार नेता ने ममता बनर्जी के खिलाफ मुहिम छेड़ दी है और पार्टी के कई नेताओं पर भारी धन हड़पने के आरोप लगाए हैं।

रामनवमी पर जब प्रदेश भर हिंसा का तांडव चल रहा था तब मुख्यमंत्री केन्द्र पर भेदभाव का आरोप लगाकर रैड रोड पर धरना दे रहीं थीं। बंगाल में इन दिनों अकर्मण्यता छाई हुई है। मुख्यमंत्री के इस गैर जिम्मेदाराना व्यवहार पर जनता में भारी नाराजगी है।

गत विधानसभा चुनाव मे नंदीग्राम से सीधे मुकाबले में सुभेन्दु अधिकारी ने ममता बनर्जी को हरा दिया था।

भाजपा और तृणमूल दोनों ने रामनवमी की शोभा यात्रा में हिंसक तांडव कर रहे अराजक तत्वों के वीडियो जारी किए हैं। तृणमूल ने हथियार लिए लोग दिखाए। शोभा यात्रा जब मुस्लिम बहुल इलाके में पहुंची तो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **बंगाल में, केन्द्रीय सरकार के बंगाल के साथ सौतेले बर्ताव के विरोध में धरने-प्रदर्शन करने की पुरानी परम्परा है।**
- **पहले साम्यवादी पार्टियाँ व वामपंथी मोर्चा ये आयोजन करते थे और अब तृणमूल कांग्रेस ने यह जिम्मेवारी संभाल ली है।**
- **तृणमूल पार्टी के इन धरने-प्रदर्शन का मुख्य टारगैट सुवेन्दु अधिकारी हैं। ममता बनर्जी का आरोप है, हिंसा से पूर्व अधिकारी की गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात हुई थी।**
- **अमित शाह ने राज्यपाल को फोन करके रामनवमी पर हुई हिंसक व तोड़-फोड़ की घटनाओं की जानकारी मांगी। चर्चा है, राज्यपाल दो-तीन दिन में दंगाग्रस्त क्षेत्र का मुआयना करने निकलेंगे।**

'बम ब्लास्ट मामले में हाई कोर्ट में सरकार ने प्रभावी पैरवी नहीं की'

जयपुर, 31 मार्च (का.सं.)। भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष सी.पी. जोशी ने मीडिया से संबोधित करते हुए कहा कि जयपुर बम ब्लास्ट के मामले में हाईकोर्ट में सरकार ने प्रभावी पैरवी नहीं की, जबकि कांग्रेस सरकार में संकट में आती हैं तो अपने को बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट के बड़े -बड़े वकील खड़े करती हैं। इस केस में तो सरकार द्वारा नियुक्त अतिरिक्त महाअधिवक्ता ने कई दिनों तक पैरवी नहीं की, सवाल उठता है ऐसा उन्होंने किसके कहने पर किया।

सी.पी. जोशी ने मुख्यमंत्री अशोक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी ने मीडिया को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि, इस केस में तो सरकार द्वारा नियुक्त अतिरिक्त महाअधिवक्ता ने कई दिनों तक पैरवी की, सवाल उठता है कि, उन्होंने किसके कहने पर ऐसा किया।**

भाजपा व कांग्रेस में स्पर्धा है कौन कुमारास्वामी के नजदीक पहुंचेगा

जद (एस) के नेता कुमारास्वामी ने प्रेस कॉन्फ्रैंस में कहा, दोनों पार्टियाँ अपने एजेन्ट भेज रहीं हैं उनके पास

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 मार्च। कर्नाटक में मई को राज्य विधानसभा के चुनावों के लिए मतदान होना है। चुनाव में दो प्रमुख दावेदार हैं, सत्तारूढ़ भाजपा और उसे चुनौती दे रही कांग्रेस और दोनों ही जनता दल (सैकुलर) और पूर्व मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी को रिझाने में लगे हैं। कर्नाटक की राजनीति पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौडा के पुत्र एच.डी. कुमारास्वामी का इतना ज्यादा महत्व है। अकेले दम पर तो यह पार्टी कर्नाटक विधानसभा की 224 में 40 सीटें भी नहीं जीत सकती है पर अभी भी उनमें इतना दम है कि 25 से 40 सीटें जीतकर किंग मेकर तो बन ही सकती हैं। यह है कुमारास्वामी की ताकत, जिसने 2018 के आम चुनावों में भाजपा, सरकार बनाने का अवसर छीन लिया था। उस समय कांग्रेस ने जल्दी कदम उठाया और कुमारास्वामी को गठबंधन सरकार बनाने के लिए समर्थन दे दिया हालांकि भाजपा के ऑपरेशन ''लोटस'' की वजह से यह सरकार 14 माह में ही गिर गई।

- **यहां यह उल्लेखनीय है कि, कुमारास्वामी दोनों पार्टियों के साथ अलग-अलग समय हाथ मिलाकर सरकार बना चुके हैं कर्नाटक में, 2006 में भाजपा के साथ तथा 2018 में कांग्रेस के साथ।**
- **इस बार भी उनको दोनों पार्टियाँ लुभाने में लगी हुई हैं। क्योंकि सर्वे के अनुसार दोनों पार्टियाँ चुनाव के बाद पर्याप्त विधायक जिता कर नहीं ला पायेंगी, अपने दम पर सरकार बनाने के लिये। अतः कुमारास्वामी अपने 25 से 40 विधायकों के जोर पर एक बार फिर ''किंगमेकर'' बनने की स्थिति में हैं।**

इस बार भी कुमारास्वामी आत्मविश्वास से भरे हुए नज़र आ रहे हैं कि वे किंग मेकर के रूप में उभरेंगे। लेकिन वे सिर्फ किंग मेकर नहीं बल्कि खुद किंग बनना चाहते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री कुमारास्वामी ने दावा किया है कि कांग्रेस और भाजपा दोनों ही जद (एस) के सम्पर्क में है, हालांकि भाजपा व कांग्रेस दोनों ने ही इस दावे का जोरदार खंडन किया है।

लेकिन एक बात छुपाई जा रही है कि कांग्रेस के आन्तरिक सर्वे से संकेत मिला है कि इसे बहुमत से कम सीटें मिलेगी और पार्टी को सरकार बनाने के लिए कुमारास्वामी की जरूरत पड़ेगी। भाजपा की भी सीटें कम रहेगी और कुमारास्वामी दोनों से हाथ मिलाने को तैयार हैं।

कुमारास्वामी ने मीडिया कॉन्फ्रैंस मे कहा कि, दोनों पार्टियां चिंतित हैं दोनों के मध्यस्थ आए थे। वे क्यों आए यह कोई भी समझ सकता है। क्योंकि जद (एस) की ताकत जनता के आशीर्वाद से दिनों दिन बढ़ रही है। दोनों दलों के बीच जद (एस) का भरोसा जीतने की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'प्र.मंत्री का अकैडमिक रिकॉर्ड आर.टी.आई. में नहीं बताया जा सकता'

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 मार्च। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की डिग्री का ब्यौरा देने के लिए गुजरात युनिवर्सिटी को दिए गए आदेश को गुजरात हाई कोर्ट ने रद्द कर दिया और अपने आदेश को न्यायोचित ठहराते हुए कहा कि इस सूचना की कोई आवश्यकता नहीं हैं, यही नहीं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर जुर्माना लगा दिया तथा कहा कि वे चार सप्ताह के भीतर गुजरात स्टेट लीगल सर्विस अथॉरिटी में यह राशि जमा करवाएं।

आदेश और जुर्माने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए केजरीवाल ने ट्वीट किया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने आर.टी.आई. के तहत प्र.मंत्री मोदी की डिग्री का ब्यौरा मांगा था, जिसे ना केवल गुजरात हाई कोर्ट ने ठुकरा दिया, उल्टे केजरीवाल पर 25,000 रू. का जुर्माना भी लगा दिया।**

अमेरिका में ट्रम्प व भारत में राहुल गांधी चुनाव नहीं लड़ पायेंगे?

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 मार्च। यह नि:संदेह शासन के लोकतांत्रिक प्रारूप का एक टैस्ट है। अब अमेरिका और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत पर सारी दुनिया की नज़र है। क्योंकि इन देशों में प्रमुख राजनीतिक विपक्षियों पर अभियोग चल रहे हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प पर उनके वर्ष 2016 के राष्ट्रपति चुनाव प्रचार के दौरान एक एडल्ट स्टार को अपना मुंह बंद रखने को लेकर धन देने का आरोपी बनाया गया है और राहुल गांधी के खिलाफ ''मोदी'' सरनेम के खिलाफ की गई कथित टिप्पणी को लेकर एक आपराधिक मानहानि केस में दोषी ठहराया गया। उन्हें अब लोकसभा की सदस्यता के अयोग्य ठहराया जा चुका है।

वर्ष 2016 के राष्ट्रपति चुनाव प्रचार के दौरान अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प पर न्यूयॉर्क की एक ग्रैण्ड जूरी ने एक एडल्ट स्टार को अपना मुंह बंद रखने के लिए धन देने को लेकर अभियोग चलाया था। ट्रम्प आपराधिक आरोपों का सामना करने वाले अमेरिका के पहले पूर्व राष्ट्रपति थे। ग्रैण्ड जूरी ट्रम्प द्वारा दो महिलाओं को दिए गए धन की जांच कर रही थी। इन दोनों महिलाओं ने दावा किया था कि ट्रम्प ने उनके साथ वर्ष 2016 में जब ट्रम्प राष्ट्रपति चुने गए थे, यौन संबंध बनाए थे। उसके बाद ही उनके द्वारा किए गए भुगतान के तथ्य सार्वजनिक हुए थे और जब ट्रम्प वाइट हाउस में सत्ता संभाले हुए थे, तब शपथ सहित दिए गए बयानों में और तथ्य सामने आए।

पूर्व राष्ट्रपति ने इन आरोपों के लिए कहा कि ''यह राजनीतिक उत्पीड़न है और इतिहास में सर्वोच्च स्तर का चुनावी हस्तक्षेप है।'' ट्रम्प ने धमकी दी है कि इस केस में उनके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया तो भयंकर मौत और तबाही होगी। यू.एस.ए. टुडे की एक रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने यह भी कहा है कि उन पर अभियोग चलाए जाए, तब भी वह वर्ष 2024 में राष्ट्रपति पद की अपनी उम्मीदवारी का त्याग नहीं करेंगे।

ट्रम्प की अटॉर्नी सूसन नैकेलस और जोसफ टैकोपीना ने पुष्टि की कि ''राष्ट्रपति ट्रम्प के खिलाफ अभियोग लगाया गया है, उन्होंने आगे कहा कि ''उन्होंने आगे कहा कि ''उन्होंने कोई अपराध नहीं किया।'' इन अटॉर्नीज़ ने एक संक्षिप्त लिखित बयान में कहा कि ''हम इस राजनीतिक उत्पीड़न के विरूद्ध अदालत में जोर शोर से लड़ेंगे।

''कथित राजनीतिक उत्पीड़न और इतिहास में सर्वोच्च स्तर के चुनावी हस्तक्षेप पर प्रहार करते हुए ट्रम्प ने एक भारी भरकम बयान जारी किया।''

ट्रम्प ने आक्षेप युक्त एक पोस्ट में यह दावा भी किया कि जून 2015, जब से उन्होंने स्वयं के राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने की घोषणा की थी, डैमोक्रेट्स व अन्य तभी से उन्हें फंसाने की कोशिश करते रहे हैं। उन्होंने वर्ष 2016 में रूस के चुनावी हस्तक्षेप और राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान दो महाभियोगों सहित पुरानी कई शृंखलाबद्ध जांचों का हवाला दिया।

ट्रम्प ने दावे से कहा कि ''अब उन्होंने एक बिल्कुल ही निर्दोष व्यक्ति पर चुनावी हस्तक्षेप के आरोप में अभियोग चलाकर एक अकल्पनीय कार्य किया है। हमारे देश के इतिहास में ऐसा पहले कभी नहीं किया गया।''

ट्रम्प ने मैनहटन के जिला अटॉर्नी एल्विन ब्रैग की भी यह कहते हुए भर्त्सना की कि वह बिना किसी साक्ष्य के राष्ट्रपति जो बाइडन का घिनौना काम कर रहे हैं।

ट्रम्प ने यह भी कहा कि इस अभियोजन का बाइडन और डैमोक्रेट्स पर ही उल्टा असर होगा और वह स्वयं किसी भी सूरत में वर्ष 2024 का राष्ट्रपति चुनाव जीतेंगे।

पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पैन्स ने कहा कि इस अभियोजन में एक राजनीतिक उत्पीड़न की बू आती है। पैन्स ने सी.एन.एन. चैनल पर वुल्फ़ ब्लिट्ज़र को बताया कि ''मैं समझता हूँ कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ इलैक्शन कैम्पेन मुद्दे पर अभूतपूर्व अभियोजन एक अपमान है और अमेरिका के लाखों लोगों को ऐसा लगता है कि यह एक राजनीतिक उत्पीड़न के अलावा कुछ नहीं है।''

सीनेट के मैजोरिटी लीडर चक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **अमेरिका में ट्रम्प पर दो ''सैक्स वकर्स'' को चुप रहने के लिए पैसा देने का आरोप है, यह आरोप सिद्ध हो जाता है तो ट्रम्प राष्ट्रपति का चुनाव लड़ने से वंचित किये जा सकते हैं।**
- **राहुल गांधी को मानहानि करने का दोषी होने पर चुनाव लड़ने से वंचित किया गया है।**
- **इन दोनों नेताओं को चुनाव लड़ने से रोकना या ना रोकना, प्रजातंत्र के लिए ''एसिड टैस्ट'' है।**

स्मॉल सेविंग स्कीम्स पर ब्याज दरें बढ़ीं

नई दिल्ली, 31 मार्च (वार्ता)। सरकार ने राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र, वरिष्ठ नागरिक बचत योजना, सुकन्या समृद्धि खाता योजना, किसान विकास पत्र और मासिक आय खाता स्कीम जैसी लघु बचत योजनाओं पर ब्याज पर दरों में 0.70 प्रतिशत तक की बढोतरी कर दी है जबकि जन भविष्य निधि स्कीम की ब्याज दर में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग द्वारा इस संबंध में जारी आधिकारिक परिपत्र के अनुसार एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **सुकन्या समृद्धि योजना पर ब्याज दर में 0.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। एक वर्ष की एफ.डी. पर ब्याज को 6.6 से बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया गया है।**

'राइट-टू-हैल्थ' विधेयक के विरोध में मशाल जुलूस निकालेंगे निजी चिकित्सक

300 डॉक्टर्स का दल सीकर पहुंचा, जो कि अगले 7 दिन तक लोगों से मुलाकात कर 'राइट-टू- हैल्थ' विधेयक का नुकसान बताएंगे

- सवाई मानसिंह अस्पताल और इससे संबद्ध अस्पतालों में शुक्रवार को 550 रेजीडेंट डॉक्टर्स ने सेवाएं दीं
- आंदोलनकारी डॉक्टर्स ने पीसीसी अध्यक्ष गोविंद डोटासरा से मुलाकात करके 'राइट-टू-हैल्थ' बिल को लेकर आपत्तियां रखी, जिस पर डोटासरा ने अधिकारियों से बातचीत के बाद ही कोई फैसला लेने की बात कही

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । 'राइट-टू-हैल्थ' बिल को लेकर राज्य सरकार और निजी चिकित्सकों के बीच विवाद गहराता जा रहा है। इस मुद्दे पर न तो सरकार झुकने को तैयार है और न ही चिकित्सक। इसका नतीजा यह है कि पिछले 13 दिनों से राज्य के अधिकांश निजी अस्पतालों में हजारों मरीज उपचार के लिए दर-दर भटक रहे हैं। हालांकि सरकारी अस्पतालों में कुछ रेजीडेंट डॉक्टर्स के काम पर वापस लौटने पर मरीजों को थोड़ी राहत मिली है, लेकिन यह व्यवस्था नाकाफी है।

एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. राजीव बगरहट्टा का दावा है कि जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल और उससे संबद्ध हॉस्पिटलों में शुक्रवार को करीब 550 रेजीडेंट्स ने चिकित्सा व्यवस्था संभाली। साथ ही छोटे-बड़े 1 हजार से ज्यादा ऑपरेशन भी हुए है। जबकि गुरूवार को इन रेजीडेंट डॉक्टर्स की संख्या 365 थी, ऐसे में एक ही दिन में करीब 200 चिकित्सकों के काम पर वापस लौटने से थोड़ी राहत मिली है। उधर कोटा की डॉ. नीलम खंडेलवाल लगातार तीसरे दिन भी 'राइट-टू-हैल्थ' बिल के विरोध में आमरण अनशन पर बैठी रही।

प्राइवेट हॉस्पिटल्स एंड नर्सिंग होम्स सोसाइटी के सचिव डॉ. विजय कपूर का कहना है कि शुक्रवार को 300 से ज्यादा चिकित्सक जयपुर से सीकर के लिए रवाना हुए है। यह डॉक्टर्स मशाल जुलूस और जागरूकता रैली निकालकर लोगों को 'राइट-टू-हैल्थ' बिल की खामियां बतायेगी। डॉ.कपूर ने बताया कि अगले 7 दिनों तक प्रदेश के विभिन्न जिलों में जनजागरण अभियान कर हम लोगों को इस बिल से होने वाले नुकसान की जानकारी देंगे। राज्य सरकार, टैक्स पेयर्स के पैसे से लाखों रुपये के विज्ञापन देकर जनता को गुमराह कर रही है। जनता को राहत देने के बजाय यह क़ानून उनकी परेशानियां बढ़एगा और प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को पूरी तरह बर्बाद कर देगा।

आंदोलनकारी चिकित्सकों ने शुक्रवार शाम को जयपुर में यूनाइटेड मेडिकोज रैली का आयोजन रखा, जिसे देखते हुए प्रशासन ने जे.एल.एन. रोड पर भारी पुलिस जाप्ता तैनात कर दिया। यह पुलिस टीमें सवाई मानसिंह अस्पताल के पीछे बने रेजीडेंट डॉक्टर्स के हॉस्टल के बाहर तैनात की गई है। जिससे एकबारगी तो हड़कंप मच गया।

शुक्रवार सुबह आंदोलनरत डॉक्टर्स ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा से भी मुलाकात की। इस दौरान डॉक्टर्स ने 'राइट-टू-हैल्थ' बिल को लेकर डोटासरा के सामने आपत्तियां रखी। जिस पर डोटासरा ने अधिकारियों से बातचीत के बाद ही कोई फैसला लेने की बात कही। ज्ञात रहे कि गुरुवार दोपहर में प्राइवेट हॉस्पिटल एंड नर्सिंग होम सोसायटी के पदाधिकारियों ने बैठक कर मुख्यमंत्री से इस पूरे मामले में हस्तक्षेप की मांग की थी। जिसके बाद डॉक्टर्स का प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास भी पहुंचा था। जहां डॉक्टर्स की ओर से वीरेंद्र सिंह ने मुख्यमंत्री तक डॉक्टर्स की मांग पहुंचाई। जिस पर सीएम ने पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को डॉक्टर्स की समस्या सुनने के लिए अधिकृत किया था।

प्राइवेट हॉस्पिटल एंड नर्सिंग होम्स सोसायटी के सेक्रेटरी डॉ. विजय कपूर ने बताया कि प्रदेशभर में प्राइवेट हॉस्पिटल ने सरकारी स्कीम्स को बंद करने की लिखित सहमति दे दी है। ऐसे में 1 अप्रैल से राजस्थान के सभी के प्राइवेट हॉस्पिटल में सरकारी स्कीम्स के मास डीएम्पेनेलमेंट की कार्रवाई को पूरा कर लिया जाएगा। कपूर ने कहा कि रेजिडेंट डॉक्टर्स की हड़ताल भी जारी है। सरकार के दबाव में कुछ रेजिडेंट भले ही काम पर लौट गए हों, लेकिन अधिकांश ने अपनी हड़ताल को जारी रखा है। जब तक सरकार हमारी मांग को पूरा नहीं कर देती हमारा आंदोलन जारी रहेगा।

जयपुर शहर एक ही रहना चाहिए : सचिन पायलट

ज़यपुर को एक जिला बनाए रखने के लिए शुक्रवार को कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सचिन पायलट को ज्ञापन सौंपा।

जयपुर । प्यारो जयपुर अभियान से जुडे जयपुर के प्रबुद्धजनों ने आज पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट एवं किशनपोल से विधायक अमीन कागजी से मुलाकात कर जयपुर शहर के दो हिस्से ना करने देने का ज्ञापन दिया। इस अभियान की अगुवाई कर रहे सुनील कोठारी व अभियान से जुडे कांग्रेस के नेता सुरेश मिश्रा, ज्योति खंडेलवाल व सुनील शर्मा ने सचिन पायलट को जयपुर के दो हिस्से कर दो नए जिले बनाए जाने की घोषणा से जयपुर पर पडने वाले प्रभाव की वस्तु स्थिति से अवगत करवाया। सचिन पायलट ने इस बात पर सैद्धांतिक सहमति प्रकट की जयपुर शहर एक ही रहना चाहिए और इस विषय पर वो सरकार को जनता की भावनाओं का ध्यान में रखकर कोई निर्णय करने के लिए कहेंगे और इस आशय का एक पत्र सरकार को लिखेंगे ।

विधायक अमीन कागजी ने कहा की शहर से मेरा और मेरे परिवार का भी भावनात्मक लगाव है व जयपुर शहर के दो हिस्से ना हो इस बात से मैं भी सहमत हूँ और इस विषय पर बहुत जल्दी वो मुख्यमंत्री से मिलकर इस विषय पर बात करेंगे।

प्रतिनिधि मंडल में सुनील कोठारी, ज्योति खंडेलवाल, सुरेश मिश्रा, सुनील शर्मा, शरद खण्डेलवाल, वरिष्ठ पत्रकार जितेन्द्र सिंह शेखावत, पार्षद विमल अग्रवाल, जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल, जयपुर व्यापार मण्डल के अध्यक्ष ललित सिंह सांचोरा, जयपुर व्यापार महासंघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेश सैनी, जयपुर व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष भंवरसिंह शेखावत, पार्षद स्वाति परनामी, विष्णु जायसवाल, महेंद्र यादव, महेश सैनी, महेंद्र लोहिया, अशोक भगत, धनंजय सिंह, देवेंद्र शर्मा, रघुवीर सिंह चौधरी, एड प्रकाश ठाकुरिया, रेशी शर्मा, शशिकांत जोशी, राजकुमार अजमेरा, गिरधारी लाल कुमावत, एड जुगल किशोर शर्मा, आनन्द सिंह राठौड, गोपाल अग्रवाल, भगवान दास वर्मा, महेंद्र सिंह पंवार, तरूण रावत, गोपाल कोठारी, एड तपेश अग्रवाल, भूषण शर्मा, सुनील चौधरी, राजेश वर्मा, नितेश शर्मा, दिलीप शर्मा, धनराज सोलंकी, राजीव शर्मा, मुकेश, हिमांशु रायसरिया, जितेन्द्र शर्मा, मनीष सोनी, योगेश वैष्णव, हर्षवीर सिंह भाटी, भुवनेश जैमिनी, पवन रावत, ओम प्रकाश कुमावत, राजेंद्र सिंह राजावत, हिमांशु रामसरिया, गुलाब सिंह, अशोक वर्मा, एड विष्णु खंडेलवाल, एड तुलिका सैनी, सतीश अग्रवाल, लाल चंद लखेरा, आनन्दी लाल, सौरभ शर्मा निम्न लोग शामिल थे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सी.पी.जोशी से भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने जयपुर स्थित निवास पर मुलाकात की। पूनियां ने सीपी जोशी का स्वागत-अभिनंदन किया और उन्हें श्रीमद्भगवद्गीता भेंट कर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि सीपी जोशी के नेतृत्व में भाजपा को प्रदेश में और अधिक मजबूती मिलेगी।

'ललित मोदी ने भी राहुल गांधी के खिलाफ यूके की कोर्ट में जाने का निर्णय किया'

- दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार बताए कि क्या ललित मोदी उनके एजेंट हैं

जयपुर, (का.प्र.)। राहुल गांधी ने जिन ललित मोदी को आधार बनाकर मोदी सरनेम पर टिप्पणी की थी। इतना ही नहीं, जिस मोदी सरनेम को लेकर की गई टिप्पणी पर राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि के दावे के तौर पर 2 साल की सजा और लोकसभा की सदस्यता खोने तक पहुंच गई। अब उन ललित मोदी ने भी राहुल गांधी के खिलाफ यूके की कोर्ट में जाने का निर्णय किया है। ललित मोदी के कोर्ट में जाने की बात तथा मुकदमें की धमकी पर दीपेंद्र हुड्डा ने केंद्र सरकार से स्पष्टीकरण मांगते हुए कहा कि केंद्र सरकार यह बताए कि क्या ललित मोदी उनके एजेंट हैं, जो इस तरह की बात कर रहे हैं।

दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि जब ललित मोदी देश से भाग रहे थे और देश की तमाम एजेंसिया उनके पीछे थीं, तो क्या ये एजेंसियां गलत थीं। यह तो चोर मचाए शोर वाली कहावत हुई। एक आरोपित व्यक्ति जिसके खिलाफ देश की तमाम एजेंसियों ने भ्रष्टाचार के मुकदमे किये हैं, क्या ऐसे व्यक्ति की बात भी अब देश में सुनी जाएगी। उन्होंने कहा कि ललित मोदी पर देश के करोड़ों रुपए ले जाने के गंभीर आरोप है।

हुड्डा ने कहा कि ललित मोदी को देश की जांच एजेंसियों ने भगोड़ा तक घोषित कर दिया है। उन्हें लेकर देश की सरकार जो यह कहती थी कि इनको वापस ले आएंगे, वो सरकार अब इस बात का जवाब दें कि कैसे ललित मोदी बाहर बैठकर इस तरह से स्टेटमेंट दे रहे हैं।

जयपुर बम ब्लास्ट मामले पर भाजपा ने बनाया चक्रव्यूह

जयपुर। प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव में इस बार गहलोत सरकार तुष्टिकरण की राजनीति एक बड़ा मुद्दा होगा। पहले धार्मिक जुलूस पर रोक और पुजारियों की हत्या के मामले पर तुष्टीकरण का आरोप झेल रही गहलोत सरकार अब जयपुर बम ब्लास्ट के मामले में भी विपक्ष के निशाने पर आ गई है। भाजपा ने इस पूरे मामले को मुद्दा बना कर अब गहलोत सरकार को आक्रामक रूप से घेरने की रणनीति बना ली है। यही वजह है कि बम ब्लास्ट के पीड़ित परिवारों के साथ राजधानी जयपुर में छोटी चौपड़ पर 1 अप्रैल को दोपहर 1 बजे धरना देगी।

इतना ही नहीं 2 अप्रैल को पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी सरकार की नीतियों के खिलाफ देश को संबोधित करेंगे। 4 अप्रैल को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन होगा।

(18) लिबर्टी पशुधन
सहायक प्रशिक्षण संस्थान
राजस्थान वेटेरनरी यूनिवर्सिटी, बीकानेर से मान्यता प्राप्त
2 वर्षीय
पशु चिकित्सा डिप्लोमा
12th कृषि अथवा जीव विज्ञान
एडमीशन मैनेजमेन्ट सीट
229(A), राजेन्द्र प्रसाद नगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email Id: dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in. Phone No. 0141-2782772
क्रमांक- DHC-II/3446 दिनांक-31.03.2023

जाहिर आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 4/186 मानसरोवर जयपुर क्षेत्रफल 324.00 वर्गमीटर/वर्गगज का आवंटन श्रीमती सुधा देवी पत्नी श्री बीरबल सिंह को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 1179 दिनांक 30.04.1993 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 14.09.1993 को प्राप्त कर लिया गया था। इसके पश्चात श्रीमती सुधा देवी की मृत्यु दिनांक 21.10.2013 को हो जाने के कारण इनके पुत्र श्री कुलदीप सिंह पुत्र स्व. श्री बीरबल सिंह ने मृत्यु पश्चात नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र एवं वसीयतनामा प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्री कुलदीप सिंह पुत्र स्व. श्री बीरबल सिंह के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवासन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

एक कैबिनेट मंत्री और दो विधायकों की सिफारिश से मिली भाजपा नेता को नियुक्ति

कैबिनेट मंत्री लालचंद कटारिया, विधायक गोपाल मीणा और लक्ष्मण मीणा ने भाजपा नेता के लिए लिखा मुख्यमंत्री को सिफारशी पत्र

- इसी आधार पर मुख्यमंत्री कार्यालय ने कर दी भाजपा नेता की राजनीतिक नियुक्ति

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान में कांग्रेस की सरकार में भाजपा नेताओं को राजनीतिक नियुक्तियां देने का मामला लगातार चल रहा है और यह विवाद थम नहीं रहा है। इसी विवाद में जब पिछले दिनों जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष पद पर भाजपा नेता की नियुक्ति को लेकर छानबीन की गई, तो पता चला कि इस भाजपा नेता की नियुक्ति के लिए कांग्रेस की राज्य सरकार के एक कैबिनेट मंत्री और 2 विधायकों ने अपने लेटर हेड पर बाकायदा सिफारिश की थी। जिसके आधार पर इस भाजपा नेता को कांग्रेस सरकार ने नियुक्ति दी है। कैबिनेट मंत्री 2 विधायकों के पत्र सामने आने के बाद इस विवाद को और हवा लग गई है।

उल्लेखनीय है कि जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर द्वितीय के अध्यक्ष पद पर भाजपा एसटीमोर्चा के प्रदेश पदाधिकारी ग्यारसी लाल मीणा की नियुक्ति की गई थी। यह नियुक्ति सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय से कोई बताते हैं। वही जब इस नियुक्ति के बारे में संबंधित विभाग खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति के मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास से बात की गई, तो उन्होंने भी इस नियुक्ति के बारे में उन्हें जानकारी होने से स्पष्ट इनकार किया था। इसे लेकर प्रदेश कांग्रेस से लेकर हाईकमान तक बवाल मचा था और कांग्रेस कार्यकर्ताओ नें पार्टी आलाकमान तक भाजपा कार्यकर्ता की नियुक्ति की शिकायत की थी। भाजपा नेता की नियुक्ति होने और विवाद होने के बावजूद सरकार व पार्टी स्तर पर ना तो नियुक्ति रद्द की गयी और ना ही जिम्मेदारो का पता लगाकर उन पर कार्रवाई की गयी। इस नियुक्ति के खिलाफ आवाज उठाने वाले कांग्रेसी कार्यकर्ता एडवोकेट बलराम जाखड़ ने इसकी शिकायत दिल्ली तक की। जाखड़ का कहना है कि इस प्रकार की नियुक्ति से कांग्रेस कार्यकर्ता हताश और निराश है और अपने आप को ठगा सा महसूस करता है। जाखड़ ने बताया कि प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा के सामने भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं की उपेक्षा और भाजपाईयों और अफसरों की नियुक्ति का मामला कार्यकर्ता ने उठाया है। बलराम जाखड़ का कहना है कि सबसे ज्यादा निराशा और उपेक्षा तब होती है जब कांग्रेस के विधायक और मंत्री तक भाजपा वालो की नियुक्ति की सिफारिश करते हैं। इसी क्रम में जिला उपभोक्ता आयोग जयपुर द्वितीय के अध्यक्ष पद पर नियुक्त हुये भाजपा पदाधिकारी की नियुक्ति की सिफारिश राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री लालचंद कटारिया, कांग्रेस के जमवारामगढ़ विधायक गोपाल मीणा और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत समर्थक निर्दलीय विधायक लक्ष्मण मीणा ने की।

प्रभारी रंधावा को कांग्रेस के कैबिनेट मंत्री और 2 विधायकों के सिफारिश पत्रो की प्रति उपलब्ध करवाते हुये बलराम जाखड का कहना है कि उक्त तीनो व्यक्तियो ने जानबूझकर सिफारिश की, जिससे सरकार की किरकिरी हुई है। गौरतलब है कि ग्यारसी लाल मीणा भाजपा एसटी मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारी हैं और राज्य सरकार के खिलाफ भाजपा की जनाक्रोश यात्रा में संयोजक के रूप में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया था। यह ऐसा पहला मामला नहीं है जब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार होते हुए भी भाजपा या अन्य पार्टियों के नेताओं की राजनीतिक नियुक्ति हुई हो। इससे पहले भी कई जिलों में मनोनीत पार्षद बनाए गए थे, उनमें कई जगह भाजपा नेताओं को पार्षद बनाया गया था। इसके बाद स्थानीय स्तर पर विरोध होने के बावजूद उन मनोनीत पार्षदों को हटाया नहीं गया था।

खोया पाया
जविप्रा की आवासीय योजना लालचंदपुरा, जयपुर के भूखण्ड संख्या ए-68, का रजिस्टर्ड मुख्यारनामा आम, जेडीए द्वारा जारी समस्त मूल पट्टा, दो रजिस्टर्ड विक्रय पत्र 1. दिनांक 28.05.2007, 2. दिनांक 29.03.2008 उक्त समस्त मूल दस्तावेज कही गुम हो गए है। मिलने पर सूचित करें- ऊषा सिंह- 7597631764

नाम परिवर्तन
मैंने अपना नाम महरीन रईस खान से बदलकर महरीन खान रख लिया है। भविष्य में मुझे महरीन खान के नाम से ही जाना जावें। म.नं. 54, फतेह नगर, हसनपुरा, जयपुर।

मैंने अपना नाम किश्वर आफरीदी से बदल कर किश्वर खान रख लिया है। भविष्य में मुझे किश्वर खान के नाम से ही जाना जावें। म.नं. 54, फतेह नगर, हसनपुरा, जयपुर।

मैंने अपना नाम नियति गुप्ता से परी गुप्ता पुत्री श्री सचिन गुप्ता रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाये निवासी 1/323 विद्याधर नगर, खण्डेलवाल टॉवर के पास, जयपुर

I Poonam Devi Spouse Of No. 7782354A, Rank-Hav, Name Upendra Kumar, Presently Resideing At Lalganj Chowk Khelgon (Ranchi) Have Changed My Name From Poonam Devi To Poonam Kumari Vide Affidavit Dated 31st March, 2023, District Court Jaipur Rajasthan.

I have change by name from Jai Kishan Bachhani to new name Jaikishan Vachhani, Address: 297, Sindhi Colony, Banipark, Jaipur-302016 (Rajasthan)

I Sumakumari A.G.spouse of Army No 2569126A Ex TS NK P.S.D. Panicker R/o B-89 Shyam Colony Tonk Road Sanganer Tonk Road Jaipur. That I have changed my name from SUMAKUMARI (DOB 15/6/1957) is wrong entered in service record To SUMA A.G. (12/6/1957) Vide affidavit dated 29/3/2023 before district notary Jaipur.

I Nashiman W/o Army No. 02670221N Ex NK Munsi khan R/o Plot No. 90 Krishna Nagar Jhotwara Jaipur. That I have changed my name from NASHIMAN is wrong entered in service record To NASHIMAN BIBI vide affidavit dated 27 March 2023 before district notary Jaipur.

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है मेरे अभिभाष्यगण सुरेश कुमार शर्मा पुत्र स्वर्गीय श्री टापूलाल शर्मा एवं श्रीमती इन्द्रा शर्मा पत्नि सुरेश कुमार शर्मा निवासीगण एबी-324, निर्माण नगर, अजमेर रोड, जयपुर के है, के पुत्र रोहित कुमार शर्मा एवं उसकी पुत्रवधू श्रीमती छाया शर्मा जो कि मेरे अभिभाष्यगण के कहे में नहीं है, जो आये दिन मेरे अभिभाष्यगण से लडाई झगडे पर आमादा रहते है। अतः मेरे अभिभाष्यगण उन्हें अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से व परिवार से बेदखल करते है तथा भविष्य में मेरे अभिभाष्यगण एवं उसने परिवार का उनके पुत्र एवं पुत्रवधू से किसी भी प्रकार का कोई संबंध एवं सरोकार नहीं रहेगा। कोई भी व्यक्ति यदि उससे काई लेन देन या संव्यवहार करता है तो वह उसकी स्वयं की जिम्मेदारी होगी। सूचित रहे।
जयपुर (नरेश कुमार शर्मा) एडवोकेट
दिनांक-31.3.23 मो.न. 9413334100,9829061868

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय **राजस्थान आवासन मण्डल**
अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email Id : dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in, Phone No. 0141-2782772
क्रमांक : DHC-II/3371 दिनांक : 22-03-2023
जाहिर आम सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या- 70/216 ए, मानसरोवर, जयपुर, क्षेत्रफल 46.00 वर्ग मीटर/वर्ग गज का आवंटन श्री आरनोल्ड प्रे. राय पुत्र श्री जेम्स एच. राय को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र कमांक 1592 दिनांक 26.05.2000 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 26.07.2000 को प्राप्त कर लिया गया था। इसके पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र कमांक 2397 दिनांक 14.08.2000 के द्वारा श्री आरनोल्ड प्रे. राय पुत्र श्री जेम्स एच. राय के नाम अदेय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 30.10.2000 को करवाया गया। इसके पश्चात श्री अरनोल्ड प्रे. राय की मृत्यु दिनांक 12.12.2021 को हो जाने के कारण इनकी पत्नी श्रीमती जोयस राय पत्नी स्व. श्री अरनोल्ड प्रे. राय ने मृत्यु पश्चात नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र एवं पंजीकृत हकत्याग प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक **श्रीमती जोयस राय पत्नी स्व. श्री अरनोल्ड प्रे. राय** के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवासन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।
सम्पदा प्रबंधक- वृत द्वितीय, जयपुर

कार्यालय आवासीय अभियन्ता, खण्ड-तेरह, जयपुर
राजस्थान आवासन मण्डल
RAJASTHAN HOUSING BOARD
(राज.आवा. मण्डल अधिनियम 1970 के तहत गठित राज्य सरकार का उपक्रम)
A Stat Government Enterprise Constituted under RHB Act 1970)
क्रमांक-आवा.अभि./खण्ड-13रा.आ.म./2022-23/1933
आम जाहिर सूचना दिनांक-29.03.2023
राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 3/243, बनास विहार आवासीय योजना टोंक क्षेत्रफल 42.187 वर्गमीटर का आवंटन मूलतः श्री जगदीश प्रसाद शर्मा पुत्र श्री रामकरण शर्मा को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 247 दिनांक 30.05.1997 जारी किया गया था। श्री जगदीश प्रसाद शर्मा पुत्र श्री रामकरण शर्मा का निधन दिनांक 05.12.2012 को हो गया है। श्रीमति सन्तोष देवी शर्मा पत्नि स्व. श्री जगदीश प्रसाद शर्मा द्वारा मण्डल अभिलेख में आवेदन पत्र मय वांछित दस्तावेज, प्रशासनिक शुल्क जमा चालान रसीद एवं वारिसान का अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास का स्थानान्तरण अपने पक्ष में करने हेतु निवेदन किया हैं। अतः उक्त हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 03 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर आवेदनकर्ता श्रीमति सन्तोष देवी शर्मा पत्नि स्व. श्री जगदीश प्रसाद शर्मा के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी।
आवासीय अभियन्ता, खण्ड-तेरह, जयपुर

तीये की बैठक

अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारी पूजनीया माताजी
श्रीमती शान्ति देवी
धर्मपत्नी स्व. श्री बल्लभ राम जी जाँगिड़ का स्वर्गवास 30.03.2023 को हो गया। तीये की बैठक शनिवार 01.04.2023 को दोपहर 2:00 से 4:00 बजे तक स्थान लकड़ा मण्डी वाटिका पर होगी।
शोकाकुल- रामपाल (देवर), रामअवतार, कन्हैयालाल, बाबूलाल, सूरज, विष्णु, कमलेश (पुत्र) एवं समस्त कासलीवाल परिवार (फतेहपुरा वाले)।
9660244060, 9462303841

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

आतंकवाद भारत और इज़राइल दोनों के लिए चिंता का विषय : ओम बिरला

जयपुर, (का.सं.)। उपराष्ट्रपति और राज्य सभा के सभापति तथा लोक सभा अध्यक्ष के संयुक्त निमंत्रण पर, इज़राइल के नेसेट (संसद) के स्पीकर आमिर ओहाना के नेतृत्व में एक इजरायली संसदीय शिष्टमंडल 31 मार्च से 4 अप्रैल तक भारत का दौरा कर रहा है।

इज़राइल के नेसेट (संसद) के स्पीकर आमिर ओहाना द्वारा पदभार ग्रहण किए जाने के बाद स्पीकर के रूप में उनकी यह पहली विदेश यात्रा है। आज शिष्टमंडल के सदस्यों ने संसद भवन में लोक सभा अध्यक्ष, ओम बिरला से मुलाकात की। बिरला ने भारत में शिष्टमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि इज़राइल और भारत के बीच पारंपरिक रूप से घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध रहे हैं। बिरला ने यह भी कहा कि भारत और इज़राइल, दोनों की मजबूत लोकतांत्रिक विरासत रही है और साथी लोकतंत्र के रूप में दोनों देशों में कई समानताएं हैं, जिसमें विविध संस्कृतियों का सम्मान करना, लोकतांत्रिक मूल्यों का पालन करना और लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं के अनुसार काम करना शामिल है। बिरला ने कहा कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत और इजराइल के बीच संबंध और अधिक महत्वपूर्ण हो गए हैं।

बिरला ने आतंकवाद के बढ़ते संकट के बारे में बात करते हुए कहा कि आतंकवाद भारत और इज़राइल, दोनों ही देशों के लिए चिंता का विषय है। बिरला ने इस बात पर जोर दिया कि भारत और इज़राइल जैसे लोकतांत्रिक देशों को आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सहयोग बढ़ाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भारत और इज़राइल की साझी रणनीति आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दुनिया को नई दिशा देगी।

इस अवसर पर आमिर ओहाना ने कहा कि भारत और

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से शुक्रवार को इज़राइल के नेसेट (संसद) के स्पीकर आमिर ओहाना के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने मुलाकात की।

इजराइल दोनों पुरानी सभ्यताएं हैं और समय के साथ दोनों देशों के बीच संबंध मजबूत हुए हैं। उन्होंने भारत में हो रही प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत सभी क्षेत्रों में असाधारण गति से आगे बढ़ रहा है। ओहाना ने आशा व्यक्त की कि भारत और इजराइल के बीच द्विपक्षीय संबंध और मजबूत होंगे और दोनों देश मिलकर वैश्विक चुनौतियों से निपटेंगे। इस अवसर पर दोनों देशों की संसदों के बीच सहयोग बढ़ाए जाने के एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किए गए। शिष्टमंडल के सदस्यों ने राजघाट में राष्ट्रिपता महात्मा गांधी की समाधि पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

सरकारी तंत्र की नाकामी से बम ब्लास्ट के आतंकी बरी हो जाते हैं : राठौड़

जयपुर। उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने वक्तव्य जारी कर कहा कि 13 मई 2008 को जयपुर में हुए सीरियल बम ब्लास्ट में 80 से ज्यादा निर्दोष लोगों ने जान गंवाई थी और 180 से ज्यादा परिवारों की खुशियां किसी न किसी रूप में गम में बदली थी। दुर्भाग्य है कि जयपुर को छलनी करने वाले अत्यंत संवेदनशील मामले में भी सरकार के स्तर पर व्यापक लापरवाही और अनियमितता इस कदर बरती गई कि अब आतंकी खुलेआम घूमेंगे। वहीं जिन परिवारों ने बम ब्लास्ट का दंश झेला है, उन्हें उनके जख्मों पर नमक छिड़कने का काम राज्य के सरकारी तंत्र ने किया है।

राठौड़ ने कहा कि जयपुर बम ब्लास्ट के दोषी सैफुर, मोहम्मद सरवर आजमी, मोहम्मद सैफ व मोहम्मद सलमान को लोअर कोर्ट से सजा मिलने के बाद भी राज्य के गृह व विधि विभाग, एटीएस और एएजी ने जो लापरवाही बरती वह चिंताजनक एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। सरकारी तंत्र की इसी घोर लापरवाही के कारण राजस्थान उच्च न्यायालय को फांसी की सजा रोकने और उन्हें बरी करना पड़ा।

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य सहीराम पुत्र बिहारी लाल यादव निवासी ढाणी जोधावाली तन-देवता तहसील कोटपूतली जिला जयपुर, राजस्थान मेरे अभिभाष्य के पुत्र अजय कुमार एवं उसकी पत्नी अनवत देवी व मेरे अभिभाष्य के स्वर्गीय पुत्र विजय कुमार की पत्नी सुनीता पोत्र सक्षम मेरे अभिभाष्य के कहे अनुसार नहीं चलते थे। हमेशा मेरे अभिभाष्य व मेरे अभिभाष्य की पत्नी के साथ गाली-गलोच व मारपीट करते हैं। इन लोगों ने मेरे अभिभाष्य व उसकी पत्नी का जीना दूभर कर रखा है। इसलिए मेरे अभिभाष्य ने अजय कुमार, पुत्रवधू अनवत देवी, पुत्र वधू सुनीता एवं पोत्र सक्षम को अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। मेरे अभिभाष्य के पुत्र अजय कुमार व पुत्रवधू अनवत देवी एवं पुत्रवधू सुनीता एवं पोत्र सक्षम से पिता पुत्र व पुत्रवधू एवं पोत्र से संबंध खत्म कर लिया है। आज से मेरे अभिभाष्य व इनका कोई ताल्लुक वास्ता नहीं रहेगा। अगर भविष्य में कोई इन से लेन-देन करता है तो उसकी स्वयं की जिम्मेदारी होगी। मेरे अभिभाष्य की किसी तरह की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
कृष्ण कुमार शर्मा, एडवोकेट

राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
क्रमांक:- DHC-II/3443 जाहिर आम सूचना दिनांक: 31/03/23
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 52/93, मानसरोवर, जयपुर क्षेत्रफल 216.00 वर्ग मीटर / वर्ग गज का आवंटन श्री किशन लाल जुनेजा पुत्र श्री गोधाराम को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 2596 दिनांक 29.06.1994 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 25.01.1995 को प्राप्त कर लिया गया था। इसके पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 3521 दिनांक 18.03.1998 के द्वारा श्री कैलाश चन्द अग्रवाल पुत्र श्री राधेश्याम अग्रवाल के नाम नियमितिकरण पत्र जारी कर दिया गया। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 07.04.1998 को करवाया गया। इसके पश्चात श्री कैलाश चन्द अग्रवाल की मृत्यु दिनांक 02.08.2022 को हो जाने के कारण इनकी पत्नी श्रीमती अन्जु अग्रवाल पत्नी स्व. श्री कैलाश चन्द अग्रवाल ने मृत्यु पश्चात् नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र एवं पंजीकृत हकत्याग प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति / आवेदक **श्रीमती अन्जु अग्रवाल पत्नी स्व. श्री कैलाश चन्द अग्रवाल** के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवसन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत द्वितीय, जयपुर

Form No. 3
[See Regulation-15(1)(a)]/16(3)
DEBTS RECOVERY TRIBUNAL JAIPUR
First Floor, Sudharma-II, Lal Kothis Shopping Center, Tonk Road, Jaipur-302015
Case No.: OA/909/2022
Summons under sub-section (4) of section 19 of the Act, read with sub-rule (2A) of rule 5 of the Debt Recovery Tribunal (Procedure) Rules, 1993.
Exh. No.: 7683
STATE BANK OF INDIA
VS
MR SANJAY KUMAR
To,
M/S SHIV SHAKTI REAL HOMES PVT LTD
501-503, DIAMOND TOWER, PURANI CHUNGI, AJMER ROAD, JAIPUR, RAJASTHAN-302012
SUMMONS
WHEREAS, OA/909/2022 was listed before Hon'ble Presiding Officer/Registrar on 20/01/2023.
WHEREAS this Hon'ble Tribunal is pleased to issue summons/notice on the said Application under section 19(4) of the Act, (OA) filed against you for recovery of debts of Rs. 4037890/- (application along with copies of documents etc. annexed).
In accordance with sub-section (4) of section 19 of the Act, you, the defendants are directed as under:-
(i) to show cause within thirty days of the service of summons as to why relief prayed for should not be granted;
(ii) to disclose particulars of properties or assets other than properties and assets specified by the applicant under serial number 3A of the original application;
(iii) you are restrained from dealing with or disposing of secured assets or such other assets and properties disclosed under serial number 3A of the original application, pending hearing and disposal of the application for attachment of properties;
(iv) you shall not transfer by way of sale, lease or otherwise, except in the ordinary course of his business any of the assets over which security interest is created and/or other assets and properties specified or disclosed under serial number 3A of the original application without the prior approval of the Tribunal;
(v) you shall be liable to account for the sale proceeds realised by sale of secured assets or other assets and properties in the ordinary course of business and deposit such sale proceeds in the account maintained with the bank or financial institutions holding security interest over such assets.
You are also directed to file the written statement with a copy thereof furnished to the applicant and to appear before Registrar on 15/05/2023 at 10:30 A.M. failing which the application shall be heard and decided in your absence.
Given under my hand and the seal of this Tribunal on this date: 21/02/2023.
Signature of the Officer Authorised to issue summons
Note: Strike out whichever is not applicable.

पाकिस्तान में गोपनीय सूचनाएं भेजने वाले बाड़मेर के दो आई.एस.आई. एजेंट गिरफ्तार

दोनों आरोपी पाकिस्तानी हैंडलरों को सोशल मीडिया पर बाड़मेर के प्रतिबंधित क्षेत्रों की सूचनाएं भेजते थे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। सीमावर्ती क्षेत्र बाड़मेर से पाकिस्तान में सामरिक महत्व की गोपनीय सूचना भिजवाने वाले आई.एस.आई. के दो स्थानीय एजेंट रतन खान और पारूराम को गिरफ्तार कर लिया गया है। राजस्थान इंटेलीजेंस ने आरोपियों के खिलाफ दो मुकदमे दर्ज किए है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (इंटेलीजेंस) एस.सेंगाथिर ने बताया कि राजस्थान सीआईडी इंटेलीजेंस की ओर से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी की ओर से राजस्थान में की जाने वाली जासूसी गतिविधियों पर निगरानी की जाती है। निगरानी के दौरान सामने आया कि सीमावर्ती क्षेत्र बाड़मेर में लंगो की ढाणी धारवी कलां निवासी रतन (52) और चिमणियों की ढाणी शोभाला जेतमाल निवासी पारूराम (34) सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी से निरन्तर सम्पर्क में है। इस पर सीआईडी इन्टेलीजेंस जयपुर द्वारा उनकी गतिविधियों पर नजर रखी गई। इस पर संदिग्धों को जासूसी गतिविधियों में लिप्त पाए जाने पर कार्रवाई कर पूछताछ शुरू की गई।

आरोपी रतन खान

आरोपी पारूराम

उन्होंने बताया कि आरोपी रतन खान वर्ष 2012 से नियमित रूप से पाकिस्तान में रह रहे अपने रिश्तदारों से मिलने के बहाने पाकिस्तान जाता रहता है। पाकिस्तान प्रवास के दौरान पाकिस्तानी आसूचना एजेंसियों के सम्पर्क में रहकर सीमावर्ती क्षेत्रों की गोपनीय सूचनाएं अपने मोबाईल फोन से तैयार कर सोशल मीडिया के माध्यम से भेजने की ट्रेनिंग प्राप्त की थी। पाकिस्तान में ट्रेनिंग लेने के बाद वह भारत आया और धनराशि के प्रलोभन में पाक हैंडलर को प्रतिबंधित सीमावर्ती क्षेत्रों की फोटोग्राफ्स, वीडियो व लोकेशन जैसी गोपनीय सूचनाएं अपने मोबाईल फोन से तैयार कर वाट्सएप से भिजवाता था। आरोपी रतन खान पाकिस्तान के हैण्डलर से लगातार सम्पर्क में था। इसी प्रकार बॉर्डर होमगार्ड में गार्ड मैन के पद पर पदस्थापित पारूराम भी नगाणा कवास (बाडमेर) स्थित मंगला प्रोसेसिंग टर्मिनल में सुरक्षा गार्ड की नौकरी करते हुए टर्मिनल व उसके आसपास स्थित अन्य प्रतिबंधित क्षेत्रों के फोटोग्राफ्स, वीडियो व लोकेशन जैसी कई महत्वपूर्ण व गोपनीय सूचनाएं पाकिस्तानी खुफिया एजेन्सी की महिला हैंडलर को भेजता था। वह हनीट्रैप व धनराशि के प्रलोभन में आकर अपने मोबाईल फोन से यह सूचनाएं तैयार कर सोशल मीडिया के माध्यम से उपलब्ध करवा रहा था। इसकी एवज में पारूराम को कई बार पाक हैण्डलर द्वारा पैसे का भुगतान भी किया गया। इंटेलीजेंस ने दोनों ही आरोपियों से की गई पूछताछ व तकनीकी अनुसंधान से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आई.एस.आई. के इशारे पर स्थानीय एजेंट के तौर पर कार्य करने वाले इन दोनों आरोपियों के खिलाफ शासकीय गुप्त बात अधिनियम 1923 के तहत अलग-अलग प्रकरण दर्ज किया है। इंटेलीजेंस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनसे गहनता से पूछताछ शुरू कर दी है।

- आरोपी रतन खान अपने रिश्तेदारों से मिलने के बहाने वर्ष 2012 से नियमित पाकिस्तान जाता रहा, इसी बीच वह पाकिस्तानी एजेंसी के संपर्क में आया और उनके लिए बाड़मेर की जासूसी करने लगा
- दूसरा आरोपी पारूराम भी हनीट्रैप और धन प्रलोभन के लालच में सीमावर्ती क्षेत्रों के फोटोग्राफ्स, वीडियो और पाकिस्तानी महिला हैंडलर को भेजता था

फर्नीचर खरीद घोटाले की शिकायत राष्ट्रीय एस.टी. आयोग तक पहुंची

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग (टी.ए.डी.) में तथाकथित फर्नीचर खरीद समेत अन्य मामलों में हुए भ्रष्टाचार की जांच अब राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग तक पहुंच गई है। आयोग ने शिकायतकर्ता युनुस चौपदार की शिकायत पर जांच के लिए रिसर्च ऑफिसर आर.एस. मिश्रा को जांच अधिकारी नियुक्त किया है।

मिश्रा ने भ्रष्टाचार की गंभीरता को देखते हुए प्रदेश की मुख्य सचिव उषा शर्मा से अब तक हुई जांच एवं मामले मे की गई कार्यवाही संबंधी सभी रिपोर्ट तलब की है। गत 29 मार्च को जारी पत्र में इस जांच रिपोर्ट को 13 अप्रैल तक व्यक्तिश: या डाक से पहुंचाने को कहा है। उन्होंने चेतावनी भी दी कि नियत अवधि में जवाब पेश नहीं होता है तो आयोग को संविधान के तहत प्रदत सिविल न्यायालय की शक्तियों का प्रयोग कर आयोग के समक्ष उपस्थित होने के लिए समन भी जारी किया जा सकता है। मामले में जारी नोटिस की प्रति शिकायतकर्ता युनुस चौपदार को भी भिजवाई गई है। ज्ञात रहे कि जनजाति विभाग मे संचालित छात्रावासों के लिए वर्ष 2021 में फर्नीचर खरीद घोटाले व अन्य मामलों को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता युनूस चौपदार ने 30 दिसंबर 2022 को आयोग के चेयरमैन को शिकायत की थी। आरोप था कि टीएडी ने 3 मार्च 2021 को निविदा आमंत्रित की थी। इसमें टाडा और माडा मद से 600 छात्रावासों के लिए फर्नीचर की आपूर्ति को लेकर एजेंसी तय की गई थी। टीएडी और स्वच्छ परियोजना के जिम्मेदारों ने मिलीभगत कर भ्रष्टाचार किया। जिसमें अफसरों ने निविदा में नियमविरुद्ध कार्य कर फर्म को फायदा पहुंचाया। साथ ही फर्म ने घटिया माल सप्लाई किया। जिसकी जांच में भी इस बात का खुलासा हो गया। इस मामले में राज्यपाल व मुख्यमंत्री कार्यालय को शिकायत के बाद लगभग 9 महीने बाद विभाग ने फर्म पर कार्रवाई के आदेश जरूर दे दिए, लेकिन राज्यपाल द्वारा दोषी अधिकारियों पर दंडात्मक कार्यवाही के निर्देशों के बावजूद अधिकारियों पर किसी तरह की कार्रवाई नहीं होने से सवाल खड़े हो रहे हैं।

- आयोग ने नोटिस जारी कर मुख्य सचिव से 13 अप्रैल तक रिपोर्ट मांगी

शिकायत में सामाजिक कार्यकर्ता चौपदार ने स्वच्छ परियोजना पर सवाल खडे करते हुए आरोप लगाये हैं कि टीएडी मे अधिक योग्य व जिम्मेदार अधिकारी होने के बावजूद टीएडी विभाग द्वारा विगत वर्षों में सैकडों करोड रुपये के निविदा कार्य स्वच्छ परियोजना से करवाये जिसके लिए स्वच्छ परियोजना को 200 करोड से अधिक का भुगतान कार्यकारी एजेंसी के चार्ज के तौर पर किया गया। एजेंसी चार्ज के जरिए अर्जित राशि के दुरुपयोग व अनियमित भुगतान के मामले मे एसीबी द्वारा पूर्व मे छापेमारी कर मुकदमा दर्ज किया गया था।चौपदार ने आरोप लगाया कि विभाग के अधिकारियों द्वारा अपने आमोद प्रमोद व एशोआराम के खर्चों के लिए स्वच्छ परियोजना से अनियमित भुगतान कर धन का दुरुपयोग किया जा रहा है। ऐसे में स्वच्छ परियोजना की जांच कर परियोजना को भंग किया जाये।

सचिन पायलट से मिलीं महिलाएं

राजस्थान पंचायत परिषद् के अध्यक्ष रामू शर्मा के नेतृत्व में महिलाओं ने पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट से उनके आवास पर मुलाकात की।

जयपुर (कासं)। राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता समाप्त करने को लेकर कांग्रेस की ओर से चल रहे विरोध प्रदर्शन कार्यक्रमों में शुक्रवार को महिलाओं ने सक्रिय भूमिका दिखाई।

राजस्थान पंचायत परिषद् के अध्यक्ष रामू शर्मा के नेतृत्व में महिलाओं ने पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट से उनके आवास पर मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने पायलट के निर्देश पर घर घर जाकर केंद्र सरकार के खिलाफ अभियान शुरू करने का संकल्प लिया। रामू शर्मा ने बताया कि इससे पहले महिलाओं की ओर से मोदी सरकार की तानाशाही नीतियों के विरुद्ध प्रदर्शन किया गया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ईडी, सीबीआई सहित अन्य संवैधानिक संस्थाओं को नियंत्रण में लेकर अडानी के खिलाफ आवाज उठाने वाले कांग्रेस नेताओं पर जिस तरह कार्रवाई कर रही है, उससे आक्रोशित होकर महिलाएं भी अब सडकों पर उतरने लगी है। इस अवसर पर यूथ कांग्रेस के पूर्व महासचिव प्रवेश यादव, करण सिंह चौहान, बनवारी लाल, कमलेश पंडित, गुड्डु पंडित, रूपचंद सैनी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

अस्पताल की लैबोरेट्री से तीन लैपटॉप चोरी

जयपुर (कासं)। एस.एम.एस. अस्पताल में चोरों ने सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज की सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए यहां एक लैब से तीन लैपटॉप चुरा लिए। बताया जा रहा है कि चुराए गए लैपटॉप में महत्वपूर्ण डाटा था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल में जुटी है। पुलिस की प्रारम्भिक जांच में सामने आया कि लैब में और आसपास सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हुए है और यहाँ तक की गार्ड भी नहीं है। थानाधिकारी नवरतन धोलिया ने बताया कि सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग की लैबोरेट्री प्रभारी एसके सिंह ने मामला दर्ज करवाया है कि चोर लैबोरेट्री से चोर तीन लैपटॉप चोरी करके ले गए हैं। उन्होंने बताया छुट्टी होने के कारण तीन-चार दिन लैब बंद थी और 29 मार्च को कॉलेज खुलने पर जब स्टाफ वापस आया तो माइक्रोबायोलॉजी विभाग की लैब से तीन लैपटॉप गायब थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच कर रही है. फिलहाल स्टाफ के लोगों से पूछताछ कर जानकारी जुटाई जा रही है।

19 देशों के प्रतिनिधियों ने सिटी पार्क का भ्रमण किया

जयपुर (कासं)। जयपुर के सिटी पार्क की खूबसूरती को देखने शनिवार को 19 देशों के 25 प्रतिनिधि मानसरोवर पहुंचे। पार्क में घूमने के बाद उन्होंने आउटस्टैंडिंग, ब्यूटीफुल, नेवर सीन बिफोर सच ब्यूटी, माइंड ब्लोइंग प्लेस, नेचुरल ब्यूटी जैसे सारे विशेषण देकर इसकी खूबसूरती को सराहा।

सिटी पार्क के भ्रमण के दौरान प्रतिनिधि मण्डल ने मध्यम मार्ग प्लाजा, रॉक फाउण्टेन, लेक, 213 फीट ऊँचा फ्लैग मास्ट जिस पर भारतीय तिरंगा शान से लहरा रहा है एवं विभिन्न स्क्ल्पचर्स को देखा एवं मुक्तकंठ से प्रशंसा की। सिटी पार्क में हुडको के तत्वाधान में आए मेहमानों का राजस्थानी अंदाज में माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया गया। मेहमानों ने गोल्फ कार में बैठकर सिटी पार्क का भ्रमण किया और आने वाले स्थानीय पर्यटकों से भी बातचीत की। इससे पहले प्रतिनिधि मण्डल ने राजस्थान विधायक आवास परियोजना, मुख्यमंत्री जन आवास योजना सहित कई अन्य परियोजनाओं का दौरा किया।

दल के सभी प्रतिनिधियों ने हाऊसिंग बोर्ड द्वारा किए गए निर्माण को देखकर आयुक्त पवन अरोड़ा की जमकर तारीफ की।

सहायक प्रोफेसर ने फांसी लगाकर जान दी

जयपुर। रामनगरिया इलाके में गुरुवार देर रात एक यूनिवर्सिटी के सहायक प्रोफेसर ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। शुक्रवार सुबह सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और फोरेंसिक साइंस लैबोरेट्री टीम की मदद से सबूत जुटाए। इसके बाद शव को फंदे से नीचे उतारा गया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव जेएनयू अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया गया है और परिजनों को सूचना दे दी गई है। उनके आने के बाद ही पोस्टमार्टम किया जाएगा। बताया जा रहा है कि मृतक के कमरे में सुसाइड नोट मिला, जिसमें लिखा है कि मेरी जिंदगी लोन में फंस चुकी है। लोगों ने काम के लिए मेरा इस्तेमाल किया। न पहले कॉलेज ने मेरे पैसे दिए न ही यूनिवर्सिटी ने दिए। इसलिए मैं अपनी जिंदगी खत्म कर रहा हूं। पुलिस ने बताया कि मृतक सौम्यब्रत नाथ (38) असम के सिलचर हाल एनआरआई कॉलोनी रोड जगतपुरा स्थित यूनिवर्सिटी के कैंपस में बॉयज हॉस्टल की छठीं मंजिल पर बने रूम में रहते थे।

इजरायली प्रतिनिधि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मिले

जयपुर (कासं)। इजराइल के संसदीय प्रतिनिधि मंडल ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड से संसद भवन में मुलाकात की। इजराइली प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व वहां की संसद के स्पीकर आमिर ओहाना कर रहे थे। बातचीत के दौरान दोनों पक्षों में कृषि, जल संरक्षण और तकनीक समेत कई मुद्दों पर चर्चा हुई। गौरतलब है कि दोनों देशों ने हाल ही में अपनी आजादी की 75 वर्ष पूरे किये हैं। चर्चा के दौरान उपराष्ट्रपति धनखड ने कहा कि भारत न केवल विश्व का सबसे बडा लोकतंत्र है बल्कि लोकतंत्र की जननी भी है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के मजबूत रिश्तों का आधार नागरिकों का आपस में जुडाव और हमारे साझे मूल्य और हित हैं। इजरायली प्रतिनिधि ने भारत के राजस्थान का उदाहरण देते हुए कहा कि इजराइल का भी ज्यादातर हिस्सा मरुस्थल है। उन्होंने ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों ही पक्षों को सूखाग्रस्त क्षेत्रों में कृषि और सिंचाई तकनीक पर एक-दूसरे से सीखने की जरूरत है। अपनी बातचीत में उन्होंने भारतीय सैनिकों की हैफा में कुर्बानी का भी जिक्र किया। उन्होंने उप-राष्ट्रपति धनखड को इजराइल आने का निमंत्रण भी दिया।

रक्तदान शिविर 9 अप्रैल को

जयपुर। शशि खण्डेलवाल मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा शशि खण्डेलवाल की23वीं पुण्य स्मृति में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन 9 अप्रैल को प्रात: 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक श्री महावीर दिगम्बर जैन सी हायर सैकण्डरी स्कूल, महावीर मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर में किया जायेगा। पूर्व उप-मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने रक्तदान की जागरूकता के लिए ट्रस्ट के स्टीकर का विमोचन किया। पायलट ने कहा कि ट्रस्ट ने बीते 23 वर्षों से रक्तदान शिविर लगाकर न सिर्फ लोगों को जीवन दान दिया, बल्कि जागरूक भी किया है।

सार-समाचार

भीमराज शर्मा को एक्सीलेंस अवार्ड

जयपुर। मुंबई की होटल मैरियट में ऑल इंडिया मास्टर प्रिंटर्स व ऑफसेट प्रिंटर एसोसिएशन की ओर से 'ग्लोबल प्रिंट एक्सीलेंस अवार्ड-2023' समारोह आयोजित हुआ। जहां 15वां नेशनल अवार्ड फॉर एक्सीलेंस इन प्रिंटिंग श्रेणी में जयपुर के भीमराज शर्मा को मिला। गौकृति फाउंडर भीमराज शर्मा ने एक्सीलेंस इन काऊ डंग पेपर प्रिंटिंग (गौमाता के गोबर से कागज बनाने और उस पर सुंदर छपाई करने पर) श्रेणी का नेशनल अवार्ड जीता। उन्हें यह पुरस्कार रविन्द्र जोशी व प्रोफेसर कमल चौपड़ा ने भेंट किया।

गणगौर ग्रुप ने मनाया राजस्थान दिवस

जयपुर। गणगौर महिला ग्रुप की ओर से राजस्थान दिवस धूम-धाम से मनाया गया। इस अवसर पर ग्रुप की सभी महिलाओं ने राजस्थानी वेशभूषा में लोकगीत और लोकनृत्य प्रस्तुत कर राजस्थान की लोक संस्कृति को साकार किया। ग्रुप की संचालिका सुशीला भारती ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत ''धरती धोरां री'' पर समूह नृत्य से हुई जिसमें सभी महिलाओं ने पूरे जोश के साथ नृत्य किया। कार्यक्रम में ग्रुप के वीडियो एल्बम गोरबन्द पर भी महिलाओं ने जमकर नृत्य किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण चरी नृत्य प्रतियोगिता थी जिसमें सभी महिलाओं ने सिर पर चरी रखकर लोकनृत्य किया। प्रतियोगिता की निर्णायक अर्चना माथुर ने रेणु सिंह को प्रथम, सुमन जोधपुरी को द्वितीय और दिव्या भारती को तृतीय पुरस्कार देने की घोषणा की। तीनों विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। बाकी सभी महिलाओं को माला पहना कर और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। सुशीला भारती के अनुसार गणगौर महिला ग्रुप का उद्देश्य राजस्थान की कला एवं संस्कृति को बढ़ावा देना है।साथ ही संगीत और नृत्य में शौक रखने वाली महिलाओं की छुपी हुई प्रतिभा को उजागर किया जाता है। ग्रुप की ओर से समय-समय पर राजस्थान के तीज त्यौहारों पर ऐसे रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण ठप

जयपुर। जयपुर ग्रेटर नगर निगम द्वारा शहर की सफाई व्यवस्था में सुधार के दावों के विपरीत डोर टू डोर कचरा संग्रहण की व्यवस्था बेपटरी होने साथ चरमरा गई है। गलियों और घरों में जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हुए हैं। बारिश होने के साथ ही संक्रमण फैलने की शिकायतें मिल रही है। जयपुर ग्रेटर नगर निगम के वार्ड न. 109 के मॉडल टाउन डी ब्लॉक के निवासी और वरिष्ठ पत्रकार बाल मुकुंद ओझा ने महापौर, आयुक्त सहित सभी जिम्मेदार अधिकारियों को मेल भेजकर हूपर नहीं आने की शिकायत की है। ओझा ने लिखा है पिछले लम्बे अरसे से हमारी कॉलोनी में एक दिन छोडकर कचरा गाडी आ रही थी लेकिन कुछ महीनों से एक सप्ताह में एक बार कचरा गाडी हमारे क्षेत्र में आ रही है जिसकी शिकायत नगर निगम के शिकायत केंद्र सहित सेक्टर इंस्पेक्टर सतीश, वार्ड सुपरवाइज़र शिशुपाल मीणा और वार्ड पार्षद को करने के बाद भी कचरा गाडी नहीं पहुंचती। एक सप्ताह से कचरा गाडी नहीं आने से घरों और गलियों में कूडे और गंदगी के ढेर लग गए है। बारिश होने से मौसमी बीमारियों का खतरा भी बढ़ता जा रहा है, अगर सब कुछ ऐसे ही चलता रहा, तो लोगों में संक्रमण बढ़ने का खतरा और भी बढ़ जाएगा।

सरसों-चने की खरीद आज से शुरू होगी

जयपुर (कासं)। सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने शुक्रवार को बताया कि 1 अप्रेल से सरसों एवं चने की समर्थन मूल्य पर खरीद प्रारंभ की जाएगी। इसके लिए 20 मार्च से ऑनलाइन पंजीयन शुरू कर दिया गया है। अभी तक 94 हजार से अधिक किसानों ने ई-मित्र या संबंधित खरीद केन्द्र (ग्राम सेवा सहकारी समिति-क्रय विक्रय सहकारी समिति) के माध्यम से उपज बेचान के लिए पंजीयन किया है। आंजना ने बताया कि समर्थन मूल्य पर रबी सीजन 2023-24 में भारत सरकार द्वारा राज्य में चना खरीद का 6.65 लाख मीट्रिक टन एवं सरसों खरीद का 15.19 लाख मीट्रिक टन लक्ष्य दिया गया है। सरसों के लिए 634 तथा चना के लिए 634 खरीद केन्द्र स्थापित किए गए है। सरसों बेचान के लिए 34 हजार 47 किसानों तथा चना के लिए 60 हजार 47 किसानों ने ऑनलाइन पंजीयन कराया है।

ए.डी.एम.बीरबल सिंह सेवानिवृत्त

जयपुर। जिला कलक्ट्रेट सभागार में शुक्रवार को सेवानिवृत्ति समारोह आयोजित किया गया। समारोह में कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने अतिरिक्त जिला कलक्टर (दक्षिण) बीरबल सिंह एवं तहसीलदार राम सिंह रेवाड को माल्यार्पण एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया। समारोह को संबोधित करते हुए कलक्टर ने कहा कि बीरबल सिंह ने अपने संपूर्ण कार्यकाल के दौरान में ज्ञान, दक्षता, व्यवहार कुशलता, संवेदनशीलता एवं प्रतिभा का परिचय दिया एवं प्रशासनिक क्षेत्र में नए प्रतिमान स्थापित किये हैं। युवा प्रशासनिक अधिकारियों को सिंह के व्यक्तित्व एवं चरित्र से प्रेरणा लेनी चाहिए, साथ ही उनके कार्य के प्रति समर्पण, व्यवहार कुशलता, सकारात्मकता एवं निर्णय लेने जैसे गुणों को आत्मसात करने की कोशिश करनी चाहिए।

सेंट्रल पार्क में रातों-रात सैकड़ों पेड़ काटकर जमीन समतल की गई, फिर भी जिम्मेदारों पर कार्रवाई नहीं

ताज्जुब यह है कि मंत्री धारीवाल ने जेडीए के अफसरों को इस जमीन पर पुन: पेड़ लगाने के आदेश तो दिए; लेकिन जिन लोगों ने चोरी छिपे पेड़ों को काटा, उन पर कार्रवाई के लिए कुछ नहीं बोले

जयपुर (कासं)। जयपुर का हृदयस्थल सेंट्रल पार्क में सैकड़ों पेड़ काटकर समतल की गई जमीन का नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल ने शुक्रवार को निरीक्षण किया। उन्होंने जेडीए के अधिकारियों को इस जमीन पर फेसिंग कर वापस पेड़ लगाने के आदेश तो दिए, लेकिन जिस किसी ने भी इन पेड़ों को काटा, उस पर कार्रवाई के लिए कुछ नहीं बोले।

जबकि मौके पर मॉर्निंग वॉकर्स ने मंत्री धारीवाल को साफ बताया कि सेंट्रल पार्क की जमीन पर लगे हुए हरे-भरे पेड़ काट कर जमीन को समतल करने की यह कारस्तानी गोल्फ क्लब की है। गोल्फ क्लब की इस खाली पड़ी 11 बीघा जमीन पर नजर है। उन्होंने यह सारी कार्रवाई की है। इसके बावजूद भी यूडीएच मंत्री ने इस बारे में कोई बात नहीं की।

ज्ञात रहे कि सेंट्रल पार्क से जुड़ी इस जमीन पर दो दिन से पेडों की अवैध कटाई कर जेसीबी से जमीन को समतल किया गया। इस जमीन पर लगे सैकड़ों पेड़ काट दिए गए थे। मामला खुला तो शुक्रवार सवेरे नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल भी मौका निरीक्षण करने पहुंच गए। उनके साथ जेडीए आयुक्त रवि जैन, उद्यानिकी शाखा के सहायक वन संरक्षक कन्हैयालाल, प्रर्वतन शाखा के अधिकारी और जोन उपायुक्त अंजू वर्मा शामिल थी। धारीवाल ने जेडीए के अफसरों को मौके पर पर फटकार लगाई। वहां मौजूद सेंट्रल पार्क बचाओ समिति के संयोजक योगेश यादव ने बताया कि यह सारी कारस्तानी गोल्फ क्लब की है। गोल्फ क्लब इस 11 बीघा जमीन को गोल्फ क्लब में मिलाना चाहता है। जेसीबी भी इस तरफ से आई थी।

सेंट्रल पार्क की जमीन पर हरे-भरे पेड़ काटने के बाद समतल की गई जमीन।

इस पर धारीवाल ने गोल्फ क्लब प्रबंधन को कहा कि इस जमीन का उपयोग अभी निर्धारित नहीं हुआ है। ऐसे में गोल्फ क्लब यहां किसी भी तरह की गैरकानूनी गतिविधियां नहीं करें। उन्होंने जेडीए के अधिकारियों को इस 11 बीघा जमीन की फेसिंग कर सुरक्षा करने को कहा। इस बीच सेंट्रल पार्क बचाओ संघर्ष समिति के संयोजक योगेश यादव ने बताया कि गोल्फ क्लब ने यहां लगे पेड़ काटे है और जेडीए ने रोका नहीं। इसके खिलाफ वे संबंधित अधिकारियों और गोल्फ क्लब प्रबंधन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराएंगे।

ज्ञात रहे कि सेंट्रल पार्क की यह 11 बीघा जमीन लिलि पूल का हिस्सा थी जो जैन नसियां के पीछे हैं। इस जमीन पर किसी जमाने में घोडो का फार्म हाउस था। जेडीए ने इस जमीन को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद खाली कराया था। इसके बाद से यह जमीन सेंट्रल पार्क का हिस्सा थी। लक्ष्मीविलास के पीछे होने के कारण यहां लोगों का आवागमन कम रहता है। इस जमीन के चारों तरफ चारदीवारी बनी हुई थी। पहले इसे तोड़ा गया और इसके बाद यहां लगे सघन पेड़ काटे गए। यहां पर नीम, पीपल, बड़ समेत विभिन्न प्रकार के पेड़ लगे हुए थे। जिन पर सैकड़ों पक्षियों जैसे चिडियां, बया, तोते चील, कोव्वों ने अपना बसेरा बना रखा था, जिनमें इनके अंडे भी थे। कटाई में पक्षियों का बसेरा तक खत्म हो गया। साथ में अंडे नष्ट हो गए।

- जबकि मॉर्निंग वाकर्स ने खुलेआम आरोप लगाया था कि पार्क में पेड़ काटने की यह कारस्तानी गोल्फ क्लब के लोगों की है।
- इस पर धारीवाल ने गोल्फ क्लब प्रबंधन को सिर्फ इतना कहा कि इस जमीन का उपयोग अभी निर्धारित नहीं हुआ है। ऐसे में गोल्फ क्लब यहां किसी तरह की गैरकानूनी गतिविधियां नहीं करें

ARBiT
it happens here...

Tangible Karma Day

It's referenced in a million different ways, across as many cultures and religions. "Do unto others as you'd have them do to you", "You reap what you sow", "What goes around comes around", all of these statements speak of one suspected truth of the universe. That the energy you put out into the world is what will come back to you. Tangible Karma is your opportunity to help yourself while helping others, by putting out those items around your home that you no longer need and passing the on freely to those who need them.

#SERVICES

Making Flying Less Terrible

"The ultimate goal is to help inform these airlines about what the customer is actually thinking," Srinivas says.

Researchers used artificial intelligence to identify where airlines fall short in terms of customer satisfaction and what they can do to improve flying.

The name of the game is customer satisfaction, especially in the airline industry where companies are constantly jockeying for business by promising better service than their competitors.

Sharan Srinivas, an assistant professor with a joint appointment in the industrial and systems engineering department and marketing department at the University of Missouri used AI to analyse nearly 400,000 unique, publicly available customer reviews of six airline companies throughout the United States.

After sorting through the customer reviews information, he developed algorithms that identified the most common themes discussed in the reviews and then determined the customer's sentiment (positive or negative) toward each of the identified themes, allowing airlines to potentially gain a better understanding of their customers' perspective and experience.

The results, published in the Annals of Operation Research, showed most of the negative feedback involved lost luggage, uncomfortable seating, and flight cancellations; while customers felt most positively about in-flight entertainment, ground and cabin staff service, and service in first- and business-class seating.

Based on this feedback, Srinivas posited 11 recommendations to improve the customer experience:

1. Implement more flexible seating arrangements to improve comfort.
2. Automate the disinfecting process for bathrooms in the plane.
3. Redesign overhead baggage bins.
4. Implement a more personalized cabin environment through seat height and temperature adjustment capabilities.
5. Use analytical models to optimize flight schedules and time buffer between flights.
6. Use an artificial intelligence-based approach to monitor equipment health.
7. Introduce a more flexible booking policy (i.e., no cancellation charge, no change fee, upfront information about costs).
8. Provide ticketing agents with better task clarifications, performance-based feedback, and social praise to better improve morale and interactions with customers.
9. Install more accurate luggage tracking systems by using RFID tags in lieu of regular barcode tags.
10. Provide more frequent and automated baggage-related updates to passengers' phones.
11. Use biometrics and blockchain technology to remove the need to present several identification documents at multiple checkpoints. This would eliminate the need for passengers to show a boarding pass, passport, and ID.

Airlines can use this information to determine their next steps as a company, Srinivas says.

"The ultimate goal is to help inform these airlines about what the customer is actually thinking," Srinivas says. "It's impossible to hear every customer and potential customer's voice, especially for bigger airlines, but our software and recommendations will significantly assist the airlines in thinking about things from a consumer perspective."

A 2017 incident involving United Airlines inspired Srinivas to pursue this research.

A United Airlines security representative dragged a passenger off a plane when he refused to leave because the flight was overbooked. United Airlines officials said they chose the passenger at random, yet the amount of outrage that poured in via customer review and on social media was staggering.

Consequently, it was challenging for United Airlines to sift through all the customer feedback. Srinivas says the new study's AI software would allow companies like United Airlines to sort through customer feedback and more quickly respond to issues when they arise.

"Using our proposed approach could allow companies to digest textual information in a much more automated and streamlined manner," Srinivas says. "Without an automated process, it would be much more challenging and time consuming to look at each individual review and come away with something that airlines can use to improve their business."

While stakeholders and employees may have a better understanding of how the business works, Srinivas says that when it comes to the product-air travel in this case-knowing your customers is key.

"The users of a product are the ones that can give you the best insight on what needs to be improved," Srinivas says. "They are the target audience. They are the ones using the product with limited bias and there's a lot of untapped insight in what they are saying."

By far the most famous of staged fight were in the kingdom of Avadh with its centres of Faizabad and, later Lucknow (in today's Uttar Pradesh). Avadh was a suba (province) of the Mughal Empire. The 18th and 19th centuries saw the central imperial authority disintegrating and the subas became independent, though the expanding reach of the East India Company was to soon curb their power as well. Avadh was ruled by Nawab Ghazi ud-Din Haider from 1814 till 1827, and it appears that fight between wild animals and beasts of prey were introduced during his reign, though such spectacles were long known at the imperial Mughal court. A special park called Hazuri Bagh was created along the river Gomti where such fights were saged, though smaller animals and birds were made to perform in the nawab's palace, Shah Manzil, itself. Wild animals used in these contests included tigers, cheetahs, leopards, elephants and of course rhinoceroses. These were apart from fighting cocks, partridges, quail and other small animals and birds.

Rhinoceros For Macabre Fun

#STORY OF THE INDIAN RHINOS

Divyabhanusinh
Ex India head for WWF, A renowned wildlife expert

There was yet another demand on the wild rhinoceros population. For centuries, they were captured and sent to menageries and zoos the world over. Kees Rookmaaker records that between 1409 and 194, 2,439 rhinos of all species were in menageries; of these, 260 were greater one-horned rhinoceroses, and 137 were born in captivity.

The Indian Princess and the Rhino

Kees Rookmaaker records that in 18th-century India rhinos were caught and semi-domesticated, sometimes even harnessed as draught animals to plough fields instead of buffaloes or bullocks. However, the maharajas and Nawabs had yet another use for the animal. Besides being kept in their menageries, the precursors of modern-day zoos, fight were staged between captive rhinos, as indeed with other animals as well. In Baroda state (now in Gujarat), rhinoceros fight were a well-known event. To this day the city boasts of a "Genda Chowk" (Rhinoceros Square) thought most people of the city have lost connect with the animal and the history of this gory spectacle.

By far the most famous of staged fight were in the kingdom of Avadh with its centres of Faizabad and, later Lucknow (in today's Uttar Pradesh). Avadh was a suba (province) of the Mughal Empire. The 18th and 19th centuries saw the central imperial authority disintegrating and the subas became independent, though the expanding reach of the East India Company was to soon curb their power as well. Avadh was ruled by Nawab Ghazi ud-Din Haider from 1814 till 1827, and it appears that fight between wild animals and beasts of prey were introduced during his reign, though such spectacles were long known at the imperial Mughal court. A special park called Hazuri Bagh was created along the river Gomti where such fights were saged, though smaller animals and birds were made to perform in the nawab's palace, Shah Manzil, itself. Wild animals used in these contests included tigers, cheetahs, leopards, elephants and of course rhinoceroses. These were apart from fighting cocks, partridges, quail and other small animals and birds.

Abdul Halim Sharar, who chronicled the last decades of the kingdom before it was annexed by the East India Company, notes that in Lucknow, rhinoceroses were pitted against their own kind apart from having to tackle tigers, leopards and elephants. During Nasir ud-Din Haider's reign (1827-37) there were 15 to 20 fighting rhinoceroses in the menagerie. The keepers had to prod the animals to fight. When sufficiently angered one would go for the underbelly of the other and try to rip it open with its horn. They would bellow and lock horns, pushing against each other until the weaker one made a run for it. The victor would follow the beaten adversary and butt it with its horn. In larger arenas the vanquished could make good its escape, whereas if the arena was restricted the victor would kill its defeated opponent unless controlled by the keepers. Sharer goes on to record that the rhinoceroses had to keep their heads low to protect their bellies. If one made the mistake of raising its head, its opponent would take full advantage of this. It so happened on one occasion that a vanquished rhinoceros had started to run away, when the victor lifted its head; the other immediately turned about, lowered its head and ripped open its adversary's belly. In Lucknow some of these animals were also tamed enough to be harnessed to carts like elephants and they were even ridden.

A royal perch: the howdah of the maharajas of Banaras is unique in its display of a rhinoceros as part of its decoration. It has at various times carried several rulers, including queen Elizabeth II, Reza Shah Pahlavi II of Iran and President of Yugoslavia Marshal Tito.

Courtesy Maharaja Anant Narain Singh of Banaras.

> Abdul Halim Sharar, who chronicled the last decades of the kingdom before it was annexed by the East India Company, notes that in Lucknow, rhinoceroses were pitted against their own kind apart from having to tackle tigers, leopards and elephants. During Nasir ud-Din Haider's reign (1827-37) there were 15 to 20 fighting rhinoceroses in the menagerie.

Rhinos were part of Avadh's culture, as seen in this 19th-century image of an art form of this region. The Urdu letters a reference to the contemporaneous Mughal ruler.

Courtesy MK Ranjitsinh

An artist's depiction of the royal shoot in Nepal in 1911. The illustration is from Le Petit Journal, Paris, Dec 31, 1911.

Courtesy Kees Rookmaaker.

The Avadh tradition of rhinoceros menageries appears to have continued till 1847 when King Wajid Ali Shah was exiled to Calcutta after his kingdom was annexed by the Governer-General, Lord Dalhousie, into the possessions of the East India Company. It appears that a Javan rhinoceros went into exile with the king, and this animal landed up in the Zoological Garden at Alipore.

Genda Chowk (Rhino Square) in Vadodara is a reminder of rhinos in the royal menagerie and rhino fights of the 19th century.

Photograph: Manish Chauhan

The figure of a rhinoceros in a landscape forms a unique decoration on the side of a howdah used by the Banaras maharajas on state occasions. Indian princess tool top hunting the rhinoceros for sport. The most famous of these princes was Maharaja Sir Nripendra Narain Bhup Bhadur of Cooch-Behar, an avid shikari who spent his leisure hours with friends and relatives in pursuit of game. His principality in northern Bengal was an ideal habitat of the rhinoceros. On one shoot his party bagged five rhinoceroses before lunch. The maharaja published his memoirs of shikar expeditions between 1871 and 1907, during which period he shot 207 rhinoceroses, 365 tigers, 311 leopards, 48 gaur and 438 wild buffaloes. While this was an extreme case, it does illustrate the enthusiastic pursuit of game. His principality in northern Bangal was an ideal habitat of the rhinoceros.

Acknowledgement

1. **The Book:** 'The story of India's Unicorns'
2. **Authors:** Divyabhanusinh, Asok Kumar Das & Shibani Bose.
3. **Publisher:** The Marg Foundation.
4. **For Purchase:** The book is available for purchase on www.marg-art.org

#TECH-HOOK

Binge-watching on YouTube?

Follow these five YouTube tips and tricks to enhance your viewing experience.

Arguably, YouTube is the biggest video-sharing platform in the world today. Over the years, the Google-owned platform has witnessed a rapid rise in the number of content creators. While users enjoy a variety of video content, content creators get the opportunity to monetise their efforts. In case you are a YouTube binge-watcher, here is how you can improve your video-watching experience.

YouTube Premium Subscription

If you spend hours on YouTube every day, getting a YouTube Premium subscription will elevate your viewing experience. YouTube Premium offers not only ad-free

video streaming, but also features like picture-in-picture mode, allowing users to watch videos while multitasking.

Similarly, you can also play just the audio in the background with the YouTube Premium subscription. Right now, the monthly YouTube subscription plan costs Rs 139 while the annual plan costs Rs 1,290. If you are trying Premium for the first time, YouTube will offer at least one month of free subscription for most users.

Enable Data Saver Mode

If you watch YouTube on mobile data, enabling data saver mode could help you watch a lot of videos with limited data usage. Go to settings > data saving and enable data-saving mode to reduce data usage by YouTube. Note that enabling this option will reduce the video streaming quality to 360p, and you won't be able to manually change the video resolution.

Enable Higher Picture Quality

If you want to get the best streaming experience on YouTube, you should enable a higher picture quality option. Make sure to enable the same for both mobile and Wi-Fi data to enjoy high-quality video streaming on YouTube. Again, if you have a slower internet speed, videos could take a few seconds to buffer and load.

Disable Autoplay

If the YouTube app automatically starts playing videos as soon as you open the app, the autoplay on YouTube is enabled. Disabling this feature will stop this from happening and will also help you save some data in the long run.

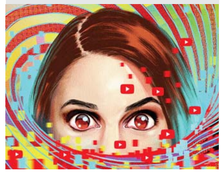

#ENIGMA

April Fool's Day

The origins of everyone's least favourite "holiday" are shrouded in mystery.

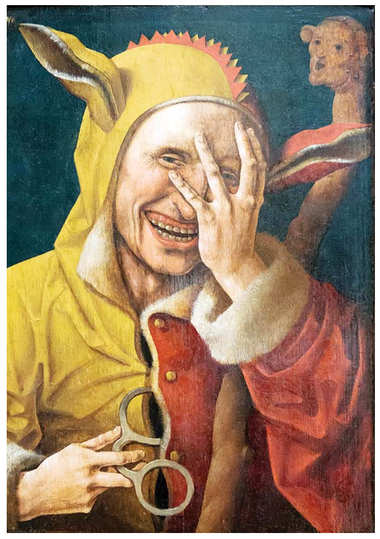

This Saturday is April 1, April Fools' Day, the annual holiday that celebrates pranking, hoaxes, and all manner of jack-a-napes and tomfoolery. But why? Where did this faux-holiday come from? Why do we do this to each other, and when will we finally just stop?

These are surprisingly tricky questions. As far back as 1708, the British newspaper Apollo asked, "Whence proceeds the custom of making April Fools?" and provided unconvincing answers. Although the tradition definitely goes back centuries, the exact origins of the holiday remains a mystery, which is honestly par for the course. The appropriate lack of certainty has led to a number of birth stories, all of which reek faintly of bullshit.

April Fools' Day origin story #1:

The great French calendar switch of 1582

The most popular still probably bullshit origin story blames France for the genesis of April Fools' Day. It goes like this: Along with declaring that Christ is entirely present in both the consecrated bread and wine in the Eucharist, the Council of Trent in 1563 decreed that Catholic nations should use the Gregorian calendar instead of the Julian calendar.

France's King Charles IX ordered his nation to get on board with the switch by 1582, but when the actual day rolled around, some citizens were non-compliant. (French people can be stubborn.) April 1 is beginning of a new year according to the Julian calendar, and some people either didn't know about the new calendar or didn't like it, because they went on celebrating new years on April 1.

To get everyone back in line, people started mocking calendar-truthers and playing tricks on them. Because the first day of April used to coincide with the end of Lent, and fish was popular Lenten gift, thus giving a fool a fake fish was thought to be a hilarious joke, or so the story goes. This evolved into the (very real) French April 1 prank of affixing a paper fish to someone's back, which is still practiced to this day, mainly by school kids; it's why French people call April 1 poisson d'avril, or April fish.

So case closed, right? "April Fools' Day began in France when the calendar changed." Probably not (April Fools!), because the first written reference to the day dates back some two decades earlier, to 1561. Flemish writer Eduard De Dene's Refereyn vp verzendekens dach / Twelck den eersten April te zyne plach is a comical poem about a nobleman sending his gullible servant on a series of ridiculous fake errands on April 1. Along with a message that remains timely today ("You're a fool to believe what someone says on April 1"), the poem makes it clear that the seasonal pranks were already a widespread, well-known phenomenon decades before the calendar changed in France. Unlike many holidays with changing customs and rites, April Fools' seems to be celebrated in much the same way now as it was in the 1500s.

April Fools' Day origin #2:

The ancient Romans did it

Some historians have dug all the way back to Ancient Rome to uncover evidence of the first April fool. Back then, they called days of rejoicing "hilaria." People had private hilaria, like their wedding days, or public ones, like the Hilaria Matris Deûm, celebrated on March 25 as part of a 10-day festival to honour Cybele, the mother of the gods. After several festival days devoted to fasting, contrition, mourning, and scourging, the hilaria gave everyone the chance to enjoy some much needed fun, playing games and having orgies (I assume).

The biggest highlight of Hilaria Matris Deûm was masquerading. You could get away with imitating anyone you wanted on this day, including government officials. So maybe this was the original April Fools' Day? The evidence seems a little shaky, to be honest. The time of year is roughly correct, but the connection to pranks and hoaxes seems tenuous-dressing up as someone to mock them is not the same as tricking them into eating a donut filled with mayo.

From Personal to Public

Whether it's sticking a paper fish on someone's back or sending tourists to see the lion washings, the first few hundred years of April Fools' Day pranks were personal. It wasn't an official holiday, it was just a bunch of folks joshing their friends or strangers on the street. But as society shifted from individual experiences to more mediated ones, the nature of the pranks shifted too. Beginning in the early 1900s, newspapers started publishing fake stories on April 1. Then radio started doing it, telling listeners that wasps were about to attack them, or the world was going to end. In the 1950s, television got in the act; even the staid BBC pranked viewers with a fake story about the Swiss spaghetti harvest.

In the disinformation age, every day is April 1, and we're all constantly being taken for fools.

THE WALL

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

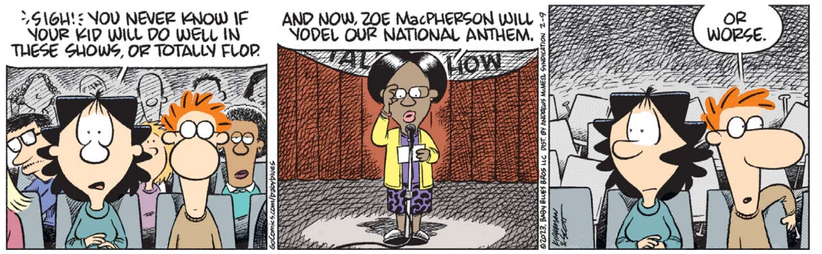

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

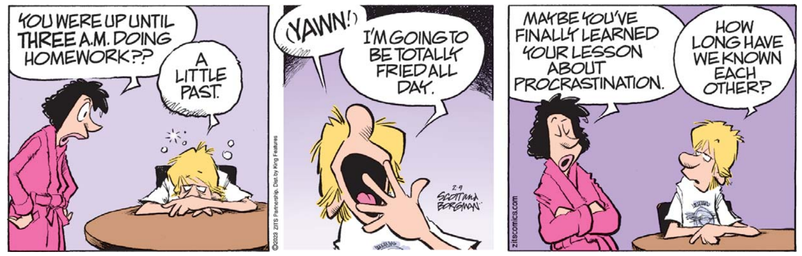

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 20 वर्ष का कठोर कारावास

पॉक्सो न्यायालय ने फैसला सुनाते हुए 42000 जुर्माने की सजा से भी दंडित किया

राजसमंद, (नि.सं.)। नाबालिग बालिका से दुष्कर्म के आरोपी को पॉक्सो न्यायालय के विशिष्ट न्यायाधीश सुनील कुमार पंचोली ने 20 वर्ष के कठोर कारावास तथा 42000 रुपये जुर्माने की सजा से दंडित किया है।

विशिष्ट लोक अभियोजक राहुल सनाढ्य ने बताया कि फरवरी 2019 को परिवादी ने पुलिस थाना चारभुजा में एक लिखित रिपोर्ट प्रस्तुत की, कि उसकी पुत्री रात्रि में उसके घर के पास स्थित बाडे में भैसों को चारा डालने की कहकर घर से निकली जो 15-20 मिनट तक घर पर वापस नहीं आई तो उसने व उसके परिवार वालों ने उसकी पुत्री की गांव में तक काफी तलाश की परंतु उसका कोई पता नहीं चला। उसकी पुत्री कक्षा दो तक पढी हुई होकर 14 वर्ष की है। जिसको कोई बहला-फुसलाकर ले गया।

अपहरण का अंदेशा भी जताया गया। चारभुजा थाना पुलिस ने प्रकरण पंजीबद्ध कर व आवश्यक अनुसंधान पूर्ण कर अभियुक्त गोवर्धन लाल के विरुद्ध उच्च न्यायालय राजसमंद में आरोप पत्र पेश किया। न्यायालय में पीडिता पर राज्य सरकार की ओर से पैरवी करते हुए विशिष्ट लोक अभियोजक राहुल सनाढ्य ने 26 गवाह न्यायालय में पेश किया तथा 26 दस्तावेज न्यायालय में परीक्षित कराए गए। न्यायालय ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के पश्चात अभियुक्त गोवर्धन लाल पुत्र मोहन लाल निवासी मोराणा पुलिस थाना चारभुजा को दोषी मानते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास तथा 42000 रुपये जुर्माने की सजा से दंडित दंडित किया

पुलिसकर्मी के साथ नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को बीस साल की सजा

जालोर, (कासं)। लैगिंक अपराधो से बालको का संरक्षण अधिनियम न्यायालय जालोर के विशिष्ट न्यायाधीश हुकमसिंह राजपुरोहित ने शुक्रवार को नाबालिग से दुष्कर्म करने के आरोपी को बीस साल की सजा सुनाई। विशिष्ट लोक अभियोजक सैयद मुमताज अली ने बताया कि 16 अप्रैल 2021 को बिशनगढ निवासी पीडिता के पिता ने पुलिस थाना जालोर में रिपोर्ट पेष कर बताया कि बिशनगढ में मोटरसाईकिल की दुकान है। तथा प्रथम तल पर दुकान तथा प्रथम फ्लोर पर आवास स्थित है।

15 अप्रैल 2021 की रात्रि को हम सभी परिवार वाले खाना खाकर रात को करीब 11 बजे सो गये थे। 16 अप्रैल सुबह 4 बजे उठकर देखा तो मेरी नाबालिग पुत्री गायब मिली। मेरी उक्त नाबालिग पुत्री को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसलाकर किसी अनहोनी संगीन वारदात करने की गरज से ले गया हैं। मेरी नाबालिग पुत्री को दस्तयाब कर सुपुर्द करवाये। पुलिस ने उक्त गुमशुदगी दर्ज कर कार्यवाही शुरू की। दौराने अनुसंधान संदिग्ध सदीक खान पुत्र चांद खान जाति मोयला मुसलमान, निवासी बिशनगढ के मोबाईल नम्बर की सीडीआर निकालने पर उसे महाराष्ट्र कल्याण से नाबालिग सहित सदीक खान को गिरफतार किया गया। तथा नाबालिग के पुलिस व न्यायालय में दिये गये बयानो के आधार पर सदीक खां द्वारा नाबालिग को जबरदस्ती बहला फुसलाकर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म करना पाया जाने पर आरोप पत्र न्यायालय में पेश किया गया।

अभियोजन पक्ष की ओर से बीस गवाहन परिलक्षित करवाये गये। पोक्सो न्यायालय के विशिष्ट न्यायाधीश हुकमसिंह राजपुरोहित ने दोनो पक्षो की बहस सुनने व पत्रावली का अवलोकन करने के बाद आरोपी सदीक खान द्वारा नाबालिग को बहला फुसलाकर अहमदाबाद के एक होटल में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म करने का दोशी पाया जाने पर बीस साल की सजा सुनाई। सरकार की ओर से पैरवी विषिश्ठ लोक अभियोजक सैयद मुमताज अली ने की।

नगर पालिका ने सिवाय चक भूमि से अवैध अतिक्रमण हटाये

60-70 बीघा भूमि पर हो रहे थे अवैध अतिक्रमण

नगर पालिका की सिवायचक भूमि से अतिक्रमण हटाती हुई जेसीबी मशीन।

तारानगर, (निसं)। तारानगर के उत्तरी दिशा में नगर पालिका की सिवायचक भूमी के खसरा नम्बर 933/306 व 334/306 में हुए अवैध अतिक्रमण को हटाने के लिये पालिका अधिशाषी अधिकारी अरूण सोनी पालिका कर्मचारीयों सहित पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंच कर अतिक्रमण हटाये। गौरतलब है कि उक्त भूमि विवादित भूमि भी है जिस पर रामपुरा बेरी के पूरणमल ब्राहमण ने अपना कब्जा बताकर अपने स्वामित्व की बताई है और इस सम्बन्ध में एक मामला तारानगर के न्यायालय में विचाराधीन भी है।

ईओ नगर पालिका अरूण सोनी ने बताया कि नगर पालिका की सिवायचक भूमी पर अतिक्रमण होने की शिकायते प्राप्त हो रही थी उस पर संज्ञान लेते हुए आज नगर पालिका की टीम मय प्रशासन खसरा नम्बर 933 व 934 में उपस्थित होकर जेसीबी मशीन व कर्मचारियों की सहायता से जो कच्चे अतिक्रमण लोगों द्वारा किये गये है उनको हटाने की कार्यवाही की जा रही है। इन अतिक्रमणों को हटाकर नगरपालिका की भूमि को संरक्षित किया जा रहा है। पालिका ईओ ने बताया कि अभी 60 से 70 बीघा भूमि से अतिक्रमण जो कच्चे है को हटाया है लेकिन जो पक्के अतिक्रमण है उन पर भी विचार किया जायेगा। इस अवसर पर हल्का पटवारी प्रताप डूडी, नगर पालिका स्वच्छता निरीक्षक त्रिशूल भाटी, लक्खूसिंह, मुमताज व जमादाद मुकेश बाल्मिकी सहित तारानगर का पुलिस प्रशासन भी उपस्थित था।

■ ईओ नगर पालिका अरूण सोनी पुलिस जाब्ते के साथ रहे मौके पर मौजूद

ट्रक ने बारातियों से भरी कार को टक्कर मारी

आठ बालिकाओं सहित ड्राइवर घायल

चूरू सड़क मार्ग पर अनियंत्रित ट्रक ने कार को टक्कर मार दी।

रतनगढ़, (निसं)। चूरू सड़क मार्ग पर अनियंत्रित ट्रक ने बारातियों से भरी एक कार को टक्कर मार दी। घटना में कार में सवार आठ बालिकाओं सहित कार ड्राइवर घायल हो गया, जिन्हें रतनगढ़ के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां पर उनका उपचार चल रहा है।

सूचना पर रतनगढ़ पुलिस जिला अस्पताल एवं मौके पर पहुंची तथा घटना की जानकारी ली। जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह बारात में शामिल बालिकाओं से भरी कार जैसे ही चूरू रोड पर आई, तो सामने से डीएपी से भरे अनियंत्रित ट्रक ने बारात की गाडी के टक्कर मार दी। घटना में गाडी में सवार आठ बालिकाओं सहित चालक घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई तथा घायलों को रतनगढ़ जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। सूचना पर रतनगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची तथा घटना की जानकारी ली। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। घायल बालिकाओं का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। जिनकी हालत चिकित्सकों ने खतरे के बाहर बताई है।

स्टेडियम की बाहरी दीवार गिरी

जोधपुर, (कासं)। शहर के बरकततुल्ला खां स्डेडियम की बाहरी दीवार आज सुबह भरभरा कर गिर गई। दीवार के बाहर कई सारे चौ पहिया वाहन खड़े थे। जिससे वे क्षतिग्रस्त हो गए। हालांकि इसमें कोई जनहानि नहीं हुई है। दीवार रेलिंग समेत गिरी और वाहनों पर चकनाचूर कर दिया। कई गाडिय़ों के शीशे फू टने के उनके बोनट का बुरी तरह नुकसान पहुंचा। बाद में नगर निगम दक्षिण की महापौर वनिता सेठ के अलावा कई अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौके का जायजा लेने पहुंचे।

■ हादसे में एक साथ दर्जन वाहन क्षतिग्रस्त

शुक्रवार की सुबह बरकततुल्ला खां स्टेडियम की बाहरी दीवार जोकि कल्पतरू सिनेमा वाली रोड पर है। वह भरभरा कर गिर गई। दीवार के पास में हालांकि कोई नहीं था, जिससे जनहानि होने से बच गई। मगर दीवार के पास में कई लोगों के चौपहिया वाहन खड़े थे जोकि बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। यह वाहन स्टेडियम के सामने चल रहे अस्पतालों और काबोरियों के थे जोकि पार्क रहते है। अचानक से दीवार के गिरने से धमाकों की आवाज हुई। दीवार गिरने से वाहनों के बोनट को नुकसान पहुंचने के साथ गाड़ियों के शीशे टूट कर बिखर गए। नगर निगम सहित जेडीए आदि के अफसर घटनास्थल पर जायजा लेने के आए।

ए.एस.पी. दिव्या मित्तल को हाईकोर्ट से जमानत

अजमेर, (कासं)। प्रतिबंधित दवाओं के मामले की जांच में दो करोड़ रुपए की रिश्वत मांगने के मामले में निलंबित एसओजी की एएसपी दिव्या मित्तल को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई। न्यायाधीश सीके सोनगरा ने मामले में आरोप पत्र पेश होने के बाद जमानत के आदेश दिए। राजस्थान हाईकोर्ट से 2 करोड़ की रिश्वत के मामले में निलंबित एएसपी दिव्या मित्तल को जमानत मिली है। जस्टिस सीके सोनगरा ने जमानत के आदेश दिए है। मामले में आरोप पत्र पेश होनेके बाद जमानत मिली है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता पंकज गुप्ता ने पैरवी की। एसीबी ने 16 जनवरी को दिव्या मित्तल को गिरफ्तार किया था। प्रतिबंधित दवाओं के मामले की जांच में दो करोड़ रुपए की रिश्वत मांगने का आरोप है।

■ दो करोड़ रुपये की घूस लेने का मामला

पर्सनल लाइफ भी कॉन्ट्रोवर्सी से जुड़ी:- मालूम हो कि दो करोड़ की रिश्वत मांगने के मामले में एसीबी की की गिरफ्त में आई एसओजी की एएसपी दिव्या मित्तल का विवादों से गहरा नाता रहा है। प्रोफेशनल ही नहीं दिव्या की पर्सनल लाइफ भी कॉन्ट्रोवर्सी से जुड़ी हुई है। उसने अपने लिव-इन पार्टनर से मंदिर में शादी की। कुछ समय बाद उससे तलाक हो गया। दिव्या के पिता ने दहेज का मुकदमा भी कराया था। इतना ही नहीं अपनी कारगुजारी से दिव्या एक बार एपीओ भी हो चुकी है। दिव्या से जुड़े लोगों ने बताया कि वह हमेशा से लग्जरी लाइफ स्टाइल का शौक रहा है। उदयपुर में एक रिसॉर्ट नेचर हिल पैलेस के बारे में तो ज्यादातर लोगों को पता है, लेकिन इसके अलावा भी कई प्रॉपर्टी है।

16 जनवरी को किया था एसीबी ने गिरफ्तार:- एसीबी ने 16 जनवरी को दिव्या मित्तल को गिरफ्तार किया था। प्रतिबंधित दवाओं के मामले की जांच में दो करोड़ रुपए की रिश्वत मांगने का आरोप है। 2 करोड़ की रिश्वत मांगने के मामले में एसीबी की गिरफ्त में आई एसओजी की एएसपी दिव्या मित्तल का विवादों से गहरा नाता रहा है। एसीबी ने एएसपी दिव्या कई ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन किया थ, झुंझुनूं के चिड़ावा कस्बे में भी उनके निवास पर करीब 8 घंटे तक सर्च की कर्रवाई चली थी। चिड़ावा में एएसपी दिव्या मित्तल का पैतृक मकान है, यहां पर दिव्या मित्तल के माता-पिता रहते है। गौरतलब है कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिव्या मित्तल का परिवार मूल रूप से हरियाणा निवासी है, मगर कई दशकों से उनका परिवार चिड़ावा में रह रहा है।

अवैध स्काई टावर बिल्डिंग निर्माण का मामला सी.एम.ओ. पहुंचा

अजमेर, (कासं)। अजमेर के प्रगति नगर कोटड़ा क्षेत्र में बनाई गई बहुमंजलिा स्काई टावर बिल्डिंग के अवैध निर्माण का मामला सीएमओ पहुंच गया है। भारतीय पब्लिक लेबर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूलाल साहू ने मुख्यमंत्री कार्यालय में शिकायत दर्ज कराते हुए मुख्यमंत्री से मामले में उच्च स्तरीय जांच व कार्रवाई की मांग की।

साहू ने बताया कि प्रगति नगर कोटडा स्थित अजमेर विकास प्राधिकरण की करोड़ों की भूमि पर नियम विरुद्ध लगभग 13 मंजिला बहु-आवासीय स्काई टावर बिल्डिंग बनाई गई। उक्त बहुमंजिला बिल्डिंग के निर्माण के दौरान सरकारी कार्मिकों की मिलीभगत के चलते राजस्थान बिल्डिंग बायलॉज कि कई प्रकार से अनियमितता भी बरती गई है। साहू ने शिकायत में बताया कि प्रगति नगर कोटड़ा क्षेत्र में बनाई गई 13 मंजिला बहुआवासीय स्काई टावर बिल्डिंग नियम विरुद्ध बनाई गई। उक्त बहुमंजिला बिल्डिंग के नियम विरुद्ध निर्माण की शिकायत पर पूर्व में जिला कलेक्टर अजमेर ने जांच कार्रवाई के आदेश अजमेर विकास प्राधिकरण के सचिव एवं नगर निगम अजमेर की उपायुक्त को दिए थे, लेकिन कलेक्टर के आदेश के बाद भी आज तक जांच कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। साहू ने बताया कि मामले को लेकर जिला कलेक्टर की ओर से नगर निगम अजमेर के उपायुक्त को 24 जनवरी व 22 फरवरी 2023 को पत्र प्रेषित कर आवश्यक एवं समुचित कार्रवाई के नोटिस जारी किए गए थे।

आर.टी.एच. बिल का विरोध

डूंगरपुर, (नि.सं.)। राजस्थान सरकार द्वारा राइट टू हेल्थ बिल पारित करने के विरोध में विगत 13 दिनों से हड़ताल पर उतरे निजी चिकित्सालयों के चिकित्सकों ने शुक्रवार को नया असपताल चौराहा पहुच केंडल जला कर विरोध प्रदर्शन किया तथा सरकार से उक्त बिल को निजी चिकित्सालयों एवं जनता के हित में नही बताया ओर से तत्काल वापस लेने की मांग की। डॉक्टर एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष डॉ दलजीत यादव के नेतृत्व में सरदार वल्लभभाई पटेल सर्कल पर पहुचकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी तथा केंडल जला कर विरोध दर्ज कराया।

सोलह लोगों के खिलाफ घर बदर करने का मामला दर्ज

जालोर, (कासं)। जालोर कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार को विवाहिता ने सास-ससूर सहित सोलह लोगों के खिलाफ घर बदर करने व दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज करवाया।

■ विवाहिता ने सास-ससुर पर आरोप लगाते हुए मामला दर्ज करवाया

पुलिस ने अनुसार अनिता (31) पत्नी जितेन्द्र कुमार पुत्री नारायण लाल, निवासी- न्यू रामदेव, कॉलोनी केशव भवन, जालोर, तहसील व जिला जालौर ने रिपोर्ट पेशकर बताया कि 25 जून 2011 को जितेन्द्र कुमार के साथ हिन्दू रिति रिवाज के साथ हुई थी। विवाह प्रार्थीया के परिवार वालों ने अपनी हैसियत से अधिक सोने-चान्दी के जेवरात व स्त्रीधन को सुपुर्द किये थे, जो सभी जेवरात व स्त्रीधन आरोपियो के कब्जे में ही है। 2017 से ही प्रार्थीया को आरोपियो ने दहेज की नाजायज मांग कर मारपीट कर घरबदर कर दिया। जिसके बाद प्रार्थीया ने पारिवारिक न्यायालय में हिन्दू विवाह दाम्पत्य सम्बन्धो की पून:स्थापना का प्रार्थना पत्र पेश किया था। जिस पर पारिवारिक न्यायालय जालोर में 30 जनवरी 2023 को प्रार्थया के पक्ष में मुलजिम के विरुद्ध लगातार पून: दाम्पत्य सम्बन्ध स्थापित करने का आदेश पारित किया था, जिस आदेश पर कोई स्थगन नहीं है। आज दिन तक किसी भी न्यायालय व सामाजिक रूप से तलाक नही हुआ है। जिस बात की जानकारी समस्त मुलजिमानो को होने के बावजूद भी सब मुलजिमानों ने एकराय होकर छलकपट से प्रार्थीया व दोनो मासुम बच्चों की जिन्दगी खराब करने एवम प्रार्थीया के सोने-चान्दी के जेवरात हडप कर 22 फरवरी को गैर कानूनी रूप से जितेन्द्र कूमार ने॰ अरूणा के साथ विवाह करवा दिया। जिस गैर कानूनी विवाह करवाने में सभी मुलजिमानों का सहयोग रहा है।

पुलिस ने बताया कि जितेन्द्र कुमार पुत्र दलाभाई राव (पति), दलाभाई पुत्र केशभाई (ससुर), जवरी पत्नी दलाभाई (सांस), प्रमोद पत्नी मुकेश कुमार (ननद), मंजू देवी पत्नी जयंतीलाल (काकीसास), रेखा देवी पत्नी धमेन्द्र (देवरानी), कान्तीलाल पत्नी मोरकी देवी (काका ससुर), विरमाराम पत्नी जमना देवी (बडा ससुर), जातियान राव, निवासीगण न्यू रामदेव कॉलोनी, जालोर,अरुणा पुत्री मग्नीराम गैर कानूनी जितेन्द्र राव (गैर कानूनी पत्नी), मग्नाराम पुत्र लालाराम (अरुणा का पिता), सीता पत्नी मग्नाराम (अरुणा की माता), प्रकाश पुत्र मग्नाराम (अरुणा का भाई), चन्द्रा पत्नी प्रकाश (अरुणा की भाभी), विनोद पुत्र मग्नाराम (अरुणा का भाई) ,कंचन पुत्र खेमराज (अरुणा कि भाभी) , विमला पुत्री भग्नाराम (अरुणा कि बहिन) जातियान राव, निवासीगण-चांचोडी, तहसील रानी, जिला पाली के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु की।

पेंथर ने चार मवेशियों का शिकार किया

उदयपुर, (कासं)। गोगुन्दा कस्बे के मोडी घाटा गांव में आए पेंथर ने मकान में घुस कर मवेशियों का शिकार किया। इस दौरान चार मवेशियों की मौत हो गई। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंच कर कार्यवाही की।

प्रापत जानकारी के अनुसार शुक्रवार दोपहर में गोगुन्दा कस्बे के मोडी घाटा गांव में आए पेंथर ने देवीसिंह व खेमसिंह के मकान की केलूपोश छत को फाड कर पेंथर ने अंदर घुर कर बकरियों का शिकार किया। जिससे छह बकरियों की मौत हो गई। हादसे को पता चलने पर ग्रामीणों में भय होने से वे पेंथर को पकडने के लिए पिजरा लगाने की मांग कर रहे है। इधर सूचना मिलने पर क्षैत्रिय वन अधिकारी रवि माथुर के निर्देश पर वन नाका गोगुन्दा से नरेन्द्र गोस्वामी, धमेन्द्र मीणा, रमेश गोस्वामी मय जाप्ता ने मौके पर पहुंच कर उच्चाधिकारियों को घटना हालात की जानकारी दी तथा पशु चिकित्सकों को बुलवा कर मृतक मवेशियों का पोस्टमार्टम करवाया।

क्षैत्रिय वन अधिकारी रवि माथूर ने बताया कि घटना के बाद से ही वन विभाग की टीम पेंथर की मुवमेंट पर नजर रखे हुए है। पेंथर का मुवमेंट बदले एवं उससे बचाव के लिए ग्रामीणों को अनावश्यक बाहर नही निकलने, मकानों के आस पास आग लगाने, पटाखे फोडने सहित अन्य आवश्यक जानकारी दी गई है। आवश्यकता होने पर पिंजरा लगाया जाएगा। मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट आते ही सरकार द्वारा दिए जाने वाले मुआवजें की कार्यवाही की जावेगी।

अजमेर में गहलोत के सभा स्थल पर तेज बारिश और ओले गिरे

कांग्रेस कार्यकर्ता कुर्सियां सर पर उठाकर बारिश से बचे

अजमेर, (कासं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आज संभाग स्तरीय कार्यकम को संबोधित करने अजमेर पहुंचे लेकिन अशोक गहलोत के कार्यकम स्थल पर पहुंचते ही तेज बारिश व ओले गिरने से कार्यक्रम में खलल पड़ गया। कांग्रेसी कार्यकर्ता जिन कुर्सियों पर बैठे थे, उन्हे ही पहले तो छाता बनाकर कर बरसात से बचाव किया और उसके बाद उन कुर्सियो को लेकर वहां से रवाना हो गए। यह पूरा वाक्या मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की मौजूदगी में ही चलता रहा। कार्यकर्ताओं को कुर्सियों लेकर भागता देख कांग्रेसी नेताओं के हाथपांव फूल गए और आनन फानन में कुछ नेता कार्यकम स्थल के गेट पर पहुंचे और कार्यकर्ताओं को रोकने का प्रयास किया लेकिन कार्यकर्ता नही रुके। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने सड़क पर लगे बैनर पोस्टर भी फाड दिए।

भारी बरसात के बीच की मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने संबोधन दिया और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की इस बात को लेकर तारीफ़ भी कि भारी बारिश के बीच भी उनका जो जज़्बा है वह क़ाबिले तारीफ़ है। कार्यकम को कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने भी कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश की राजस्थान सरकार ने ऐतिहासिक कार्य किए हैं । इस कार्यकर्ता सम्मेलन को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, आरटीडीसी चेयरमैन धर्मेंद्र सिंह राठौड़, कांग्रेस के गुजरात प्रभारी रघु शर्मा सहित अन्य नेताओं ने भी संबोधित किया।

कार्यकम के बाद मीडिया से बातचीत में गहलोत ने केंद्र की मोदी सरकार को जमकर आड़े हाथों लिया और आरोप ल गाया कि भाजपा के शासन काल में संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है और नतीजा देश का संविधान और ल ोकतंत्र अब खतरे में हैं। राहुल गांधी जिस तरह से अडाणी का मुद्दा उठाया उसका सरकार को जवाब देना चाहिए था। लोकतंत्र में पक्ष विपक्ष भी है। संसद में जवाब दिया नही उन्हें संसद की सदस्यता से ही बाहर कर दिया। इन सब से राहुल गांधी को फर्क नही पडता लेकिन इन बातों का मोदी सरकार पर फर्क पड़ता है। देश के हालात चिंताजनक है। भाजपा द्वारा हिंदू राष्ट्र बनाए जाने की बात कहीं जाने की वजह से ही पंजाब में अमृतपाल खालिस्तान की बात कर रहा है।

कार्यकर्ता ने लगाए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जिंदाबाद के नारे :- तेज बारिश के दौरान कांग्रेसी कार्यकर्ता एक ओर जहां बारिश से बचने के लिए कुर्सियों को उल्टाकर बारिश से बच रहे थे तो वही एक कार्यकर्ता ने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि जिस तरह से यह कुर्सियों उल्टी हुई है । उसी तरह यह सरकार भी उलट चुकी है। इसके बाद कार्यकर्ता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जिंदाबाद के नारे लगाना शुरू कर दिया।

कार्यकर्ताओं ने कुर्सियों को अपने ऊपर लगाकर बारिश से बचाव किया।

■ बैनर-पोस्टर फाड़कर बारिश से बचाव किया

एबीवीपी कार्यकर्ताओं को लिया हिरासत में :- मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के अजमेर दौरे के दौरान अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को राजस्थान की बदहाल चिकित्सा,कानून व शिक्षा व्यवस्था सहित पेपरलीक मुद्दों पर ज्ञापन देने की तैयारी में थे। लेकिन अजमेर पुलिस ने एबीवीपी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य आशुराम डूकिया को लॉ कॉलेज से गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद छात्रों में आकोश ओर बढ गया। छात्र सीएम को ज्ञापन देने के लिए पुलिस लाईन चौराहे पर पहुंचे जहां से पुलिस ने एमडीएस छात्रसंघ अध्यक्ष महिपाल गोदारा, महानगर सहमंत्री उदय सिंह शेखावत, छात्रसंघ महासचिव अंकित शर्मा, बंटी गुर्जर को हिरासत में लिया।

बीकानेर में गिरे ओले, श्रीडूंगरगढ़ में खेतों में सफेद चादर बिछी

पुनंदलसर गांव से चार किलोमीटर तक ओलों की चादर

बीकानेर, (कासं)। गुरुवार के बाद शुक्रवार को भी बीकानेर के कई हिस्सों में बारिश हुई है। वहीं, श्रीडूंगरगढ़ में शुक्रवार को जमकर ओलावृष्टि हुई। खेतों में ओलों की चादर बिछ गई। इससे फसलों को भारी नुकसान होने की आशंका है।

श्रीडूंगरगढ़ के पुदंलसर, सालासर, दुसारणा की रोही में ओले गिरे। कई इलाकों में चारों तरफ ओले ही ओवे नजर आई। बर्बाद फसलों को देखकर किसान मायूस हो गए। उन्हें अब उम्मीद और सहारा केवल राज से ही शेष रहा है। पुनंदलसर गांव से 4 किलोमीटर तक आथुनी रोही में खेतों में ओलों की चादर बिछ गई। किसानों ने बताया- फसल को भारी नुकसान हुआ है। सरसों और चने की फसल लगभग बर्बाद हो गई है। सालासर की रोही में भी ओलावृष्टि हुई है।

सिंचित किसानों को बड़ा नुकसान हुआ है। गांव दुसारणा में सरसों की फसल को काफी नुकसान हो रहा है। ओलावृष्टि के चलते बीकानेर जिले में कई जगह नुकसान हो चुका है। लूणकरनसर के दर्जनभर गांवों में पिछले एक महीने में तीन बार ओलावृष्टि हो चुकी है। लूणकरनसर के साथ महाजन, खाजूवाला, अरजनसर और अब श्रीडूंगरगढ़ में भी नुकसान हो चुका है।

ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान

नरैना, (निसं)। बेमौसम बरसात व ओलावृष्टि से खेतों में पड़ी कटी हुई फसलों को नुकसान पहुंचा है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को नरैना व भरतोलाव में बरसात के साथ हुई ओलावृष्टि ने किसानों की अच्छी फसल के मंसूबों पर पानी फेर दिया। किसान गौरीशंकर मालू,मामदीन खां सिलार, रामप्रसाद बागड़ा, सुल्तान अगवान, इस्लाम मिलावत,बद्री बावरिया ने बताया कि खलिहानों में पड़ी सरसों की फसल सहित खेतों में खड़ी व फसल कटाई के बाद खेतों में पड़ी फसल को बेमौसम बरसात व ओलावृष्टि से खासा नुकसान हुआ है।

आफत की बारिश, किसान त्रस्त

फागी क्षेत्र में कटी पड़ी गेहूं की फसल को भारी नुकसान हुआ है।

फागी, (निसं)। कस्बे एवं आसपास के सम्पूर्ण क्षेत्र में आफत की बारिश बरसी, जिससे अन्नदाताओं के चेहरे पर मायूसी छा गयी। दो दिन से क्षेत्र में हो रही बारिश से खेतों में खड़ी फसल को भारी नुकसान हुआ तो काटी गयी फसलें खेतों भरे पानी में तैरती नजर आयी।

फागी कस्बे से लगे ग्राम लसाडिया एवं आसपास ओलों की बारिश ने किसानों रूला दिया। तैयार फसल चौपट होने से किसान ठगा सा महसूस करने लगा। लसाडिया के किसान दुर्गासिंह ने कहा कि खेत में कटी पड़ी गेहूं की फसल को भारी नुकसान हुआ है, आखिर दोष भी दे तो किसे। वहीं दूसरी ओर किसान छोटू मानहाला का कहना है कि दो दिन से क्षेत्र में हो रही हल्की तो कहीं भारी बारिश से आमजन त्रस्त एवं ठगा सा महसूस करने लगा है।

कहीं झमाझम, कहीं रिमझिम

जोधपुर, (कासं)। प्रदेश में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ का असर 30 मार्च तक सक्रिय रहने के आसार थे, मगर उसका असर आज भी देखने को मिला। प्रदेश के कई स्थानों पर बारिश हुई। बूंदाबांदी बाद में कहीं कहीं मूलसाधार में तब्दील हो गई। सडक़ों पर पानी बहने के साथ घरों में भी परनालें शुरू हो गई। बेमौसम बारिश से किसानों की चिंता बढ़ गई है। कट चुके खाद्यानों को नुकसान होने की प्रबल संभावना है। होली पर फसलें कटी है जोकि खेतों में अब भी बिछी पड़ी है। शनिवार से विक्षोभ का असर खत्म होने पर फिर से तेज धूप खिलने के साथ गर्मी का असर बढ़ेगा।

मौसम विभाग ने प्रदेश पर 29 से 31 मार्च तक पश्चिमी विक्षोभ के असर से आंधी, बारिश एवं ओलावृष्टि की संभावना व्यक्त की थी। जोधपुर संभाग के जोधपुर, जैसलमेर में तेज बारिश के आसार जताए थे। पिछले दो दिनों से मारवाड़ पर बादलों की आवक बनी हुई थी। आज सुबह तक तो तेज धूप खिलीं रही। मगर दोपहर एक बजे के बाद अचानक से आसमां काली घटाओं में घिरने लगा। बूंदाबांदी से शहर में छितराई बारिश आरंभ हो गई।

लाम्बाहरिसिंह व लावा कस्बे बंद रहे, आमरण अनशन 11 दिन से जारी

मालपुरा को जिला बनाने की मांग

जनप्रतिनिधियों व प्रबुद्धजनों ने 11 दिन से अनशन पर बैठे युवाओं से समझाइश की।

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा को जिला बनाने की मांग को लेकर गैर राजनैतिक मंच कोर कमेटी के बैनर तले 13 दिन से चल रहे जनआंदोलन के समर्थन में शुक्रवार को लाम्बाहरिसिंह व लावा कस्बा पूर्ण रूप से बंद रहा। व्यापारी व ग्रामीणों ने ज्ञापन सौंप 5 हजार से अधिक हस्ताक्षर किये।

■ **अनशनकारी युवाओं से मिले पूर्व शिक्षा मंत्री सुरेन्द्र व्यास व विधायक कन्हैयालाल एवं पालिका अध्यक्ष सोनिया सोनी**

जिला बनाओ कोर कमेटी के प्रतिनिधि मंडल में शामिल पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामविलास चौधरी, बार एसोसिएशन अध्यक्ष व सहवृत्त पार्षद प्रेमप्रकाश सैनी, कन्हैयालाल सैनी, गोपाल गुर्जर व महिला कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष आशा नामा सहित ब्लॉक कांग्रेस कमेटी एवं नगरपालिका पार्षदों ने शुक्रवार को अजमेर पहुंच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को कोर कमेटी का मांग पत्र सौंप मालपुरा को जिला बनाने की मांग करते हुए जिला बनने के तथ्यात्मक दस्तावेजों की रिपोर्ट सौंपी।

खादी भंडार सभागार में डॉ. सुरेन्द्र व्यास ने प्रेस वार्ता करते हुए बताया कि सरदार वल्लभ भाई पटेल व भैरू सिंह शेखावत ने नवीन जिले बनाने से पहले भौगोलिक व राजस्व सहित सभी पहलुओं पर मंथन कर बिना राजनैतिक दबाव के जिले बनाये थे। लेकिन मुख्यमंत्री गहलोत ने नवीन जिलों के गठन के मापदण्डों को नजरअंदाज कर 19 जिलों की घोषणा कर राजस्थान में जनता को आंदोलन का रास्ता दिखाया है। साथ ही व्यास ने बताया कि वर्ष 1947 में आजादी के बाद जयपुर जिला बोर्ड एक्ट कानून लागू कर चार जिलों का गठन करते हुए सवाई जयपुर, झुंझनु, मालपुरा व सवाईमाधोपुर को जिला बनाया गया था। लेकिन इस दौरान रियासतों के चल रहे विलयकरण के चलते चारों जिलों को गठन पर पुनर्विचार के लिए 22 जुलाई 1950 को एक कमेटी का गठन किया गया। जिसमें अपनी रिपोर्ट तीन साल में पूरी कर सौंपने के बाद जिलों के पुर्नगठन में टोंक को जिला बना मालपुरा को कमिश्नरी बनाया गया।

कमेटी व सरकार की इस रिपोर्ट व जिलों के गठन में मालपुरा की हुई अनदेखी पर मदन सिंह वगैरह ने बनाम कलेक्टर सीकर के राजस्थान हाईकोर्ट में 16 अप्रेल 1953 को वाद दायर कर मालपुरा को ही जिला बनाने की मांग की थी। लेकिन 76 साल पूर्ण हो जाने के बाद भी जिला मुख्यालय की सभी सुविधा व मापदण्ड पूरे होने के बावजूद मालपुरा को जिला नहीं बनाया गया। इसी का परिणाम है कि आज मालपुरा में बच्चा-बच्चा शहर से गांव-ढाणी तक आंदोलन कर रहा है।

विधायक कन्हैयालाल चौधरी, पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ. सुरेन्द्र व्यास व पालिका अध्यक्ष सोनिया सोनी ने जनप्रतिनिधियों के साथ एसडीएम आवास के सामने तीन दिन से आमरण अनशन पर बैठे पूर्व विधायक रणवीर पहलवान व 11 दिन से आमरण अनशन एवं तीन दिन से मौन व्रत लिये धरना व अनशन पर बैठे स्वप्निल भडाणा, कमलेश सैनी, प्रधान जाट हिन्दु, के धरना स्थल पर पहुंच समझाईश का प्रयास करते हुए कहा कि जिला मुख्यालय बनने के सभी मापदण्ड पूर्ण रखते हुए 76 साल से मालपुरा को जिला बनाने की मांग उठ रही व क्षैत्रवासियों के अधिकारो की अनदेखी कर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विधानसभा चुनाव से 9 माह पूर्व चुनावी कार्ड खेलते हुए रामलुभाया कमेटी की तथ्यात्मक रिपोर्ट को नजर अंदाज कर अपने चहेतों को राजनैतिक लाभ पहुंचाने के लिए ग्राम पंचायत स्तर की दूदू को जिला बना दिया। इतना ही नही नवीन जिले बनाने के लिए रामलुभाया कमेटी की रिपोर्ट सरकार को सौंपी जाने के बाद डॉ. रघु शर्मा ने केकडी को जिला बनाने का प्रस्ताव रखने के बावजूद सीएम ने केकडी को भी जिला बना दिया, जो कि नैतिक व कानून तौर पर गलत है।

ऐसे मे मालपुरा को जिला बनाने के लिए शुरू किया गया यह आंदोलन लम्बा चलेगा। तीनों ही जनप्रतिनिधियों व शहर के प्रबुद्धजनों ने अनशनकारियों से अनशन समाप्त कर धरना प्रदर्शन सहित अन्य आंदोलन के जरिए अपने अधिकारों की लडाई लडने का प्रस्ताव रखा। जिसे तीनों अनशनकारी युवकों ने अस्वीकार कर राज्य सरकार अथवा रामलुभाया कमेटी की घोषणा अथवा आश्वासन के बाद ही अनशन तोड़ने का अपना निर्णय सुना मौन व्रत ले लिया। डॉ. व्यास ने आमजन से अपील करते हुए शनिवार को 11 बजे धरना स्थल पहुंच अनशनकारियों का अनशन समाप्त करने की कि अपील करें।

झुंझुनूं। जिलेभर में बदले मौसम के साथ बारिश और ओलावृष्टि भी हुई। बारिश के किसानों के चेहरे पर शिकन नजर आ रही है। गेहूं की फसल कटाई की जा रही हैं और कई जगह लगभग काट कर खेतों में रखी हुई हैं। जिसको बारिश और ओलावृष्टि ने प्रभावित किया है। बारिश की आशंका के चलते निकटवर्ती गांव सोती में एक खेत में कटी पड़ी गेहूं की फसल को बारिश से बचाने के लिए किसान अजय ने तिरपाल लगाकर कुछ इस तरह जतन किया।

तेज बरसात के साथ ओले गिरे

झुंझुनूं, (निसं)। पश्चिमी विक्षोभ के कारण अचल में बरसात का दौर लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को भी जारी रहा। कई स्थानों पर तेज बरसात के साथ ओले गिरे। बरसात व ओलावृष्टि से किसानों को नुकसान हुआ है। दोपहर में आसमान में बादलों की आवाजाही के कारण धूप-छांव का खेल शुरू हुआ। इसके बाद काले बादलों के आने से दिन में अंधेरा सा हो गया और बूंदाबांदी का दौर शुरू हुआ। जो चंद मिनटों में रिमझिम व तेज बरसात में तब्दील हो गया। शहर में करीब 20 मिनट बरसात का दौर चला। इसके बाद आसमान एक बार फिर साफ हो गया और धूप खिली। जिले के मंडावा कस्बे में भी तेज बरसात हुई। कस्बे में बरसात के साथ ओलावृष्टि हुई। इससे बाजार सहित लोगों के घरों की छत व गलियों में ओलों की चादर बिछ गई। बरसात के कारण खेतों में काटकर रखी फसल को नुकसान हुआ। किसान ओलों व बरसात के बीच ही फसल बचाने का जतन करते रहे।

मौसमी बीमारियों के मरीज बढ़े:- इधर, मौसम के बार-बार बदलने के कारण मौसमी बीमारियों के मरीज बढ़ गए है। निजी चिकित्सालयों के चिक्तिसकों की राइट टू हेल्थ बिल के विरोध में हडताल के कारण सरकारी अस्पतालों में मरीजों की कतार लग रही है। अस्पतालों में ज्यादातर सर्दी, खांसी व बुखार के मरीज पहुंच रहे है। सरकारी अस्पताल में आउटडोर पहले की तुलना में लगभग दोगुना हो गया है।

मासूम से दुष्कर्म मामले में मृत्युदंड की सजा

चित्तौड़गढ़, (निसं)। जिले के बस्सी थाना क्षेत्र में करीब एक वर्ष पूर्व ढाई साल की मासूम से दुष्कर्म के बाद हत्या करने और शव को कुएं में फेंकने के मामले में पोक्सो कोर्ट- चित्तौड़गढ क्रमांक प्रथम के न्यायाधीश ने शुक्रवार शाम को ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। अभियुक्त को दुष्कर्म और हत्या का दोषी माना है तथा उसे मृत्युदंड की सजा सुनाई है। वारदात के करीब 11 माह बाद कोर्ट ने इस मामले में फैसला सुनाया है।

विशेष लोक अभियोजक पोक्सो कोर्ट चित्तौड़गढ़ शोभालाल जाट ने बताया कि 21 अप्रैल 2022 को बस्सी थाना क्षेत्र में यह वारदात हुई थी। इसमें विवाह समारोह में अपनी मां के साथ आई एक ढाई साल की मासूम को अभियुक्त उठा कर ले गया और दुष्कर्म के बाद गला दबा कर उसकी हत्या कर दी तथा शव को कुएं में फेंक दिया था। इस मामले में पुलिस ने बस्सी थाने पर 68/2022 के तहत विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया और अनुसंधान शुरू किया। इस मामले में अभियुक्त भीलवाड़ा जिले के बिगोद थाना क्षेत्र में आने वाले किशनपुरा गांव निवासी रमेश पुत्र नानूराम धाकड़ को गिरफ्तार किया। पुलिस के उच्च अधिकारियों के आदेश पर तथा घटना की गंभीरता को देखते हुए इस प्रकरण को केस ऑफिसर स्कीम में लिया गया।

इस मामले में अनुसंधान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहना खानम की ओर से किया गया। पुलिस ने इस मामले में गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया। इस मामले में पोक्सो कोर्ट चित्तौड़गढ क्रमांक-एक के न्यायाधीश ने अभियुक्त को दोषी पाया और शुक्रवार को सजा सुनाई है।अभियुक्त को चार अलग-अलग धाराओं में सजा सुनाई, जिसमें मुख्य रुप से धारा 302 में मृत्युदंड की सजा सुनाई। प्रकरण की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से न्यायालय में 23 गवाह और 90 दस्तावेज के अलावा 14 आर्टिकल पेश किए। अभियुक्त को ढाई साल के बच्चे का लिंग काटने के मामले में भी दोषी पाया गया। अभियुक्त को सजा सुनाने के दौरान न्यायालय परिसर में हलचल भी देखने को मिली।

प्रहराधिकारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरों की टीम ने सलूम्बर आबकारी थाने के प्रहराधिकारी को छह हजार रूपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरों के अतिरिक्त महानिदेशक हेमन्त प्रियदर्शी ने बताया कि एसीबी की डूंगरपुर इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसकी लाइसेंसशुदा शराब की दुकान को निर्बाध चलने देने एवं परेशान नहीं करने के एवज में सलूम्बर आबकारी थाने के प्रहराधिकारी राजेन्द्र प्रसाद जाटव द्वारा तीन माह की बंधी के रूप में 6 हजार रुपये रिश्वत की मांग कर परेशान किया जा रहा है। इस पर एसीबी उदयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस राजेन्द्रप्रसाद गोयल के सुपरविजन में एसीबी की डूंगरपुर इकाई के उप अधीक्षक हेरम्ब जोशी क्षरा शिकायत का सत्यापन कर ट्रेप कार्यवाही करते हुए राजेन्द्रप्रसाद जाटव पुत्र भागचंद निवासी ग्राम सलेमपुर तहसील महुवा जिला दौसा हॉल प्रहराधिकारी आबकारी थाना सलूम्बर को 6 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। एसीबी के महानिरीक्षक पुलिस सवाई सिंह गोदारा के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

खेत बने दरिया, किसान हुए मायूस

पाटन, (निसं)। किसानों की फसल लगभग पक कर तैयार खड़ी है तथा चने, सरसों एवं कई जगहों पर गेहूं की कटाई भी शुरू हो चुकी है। ऐसे में बेमौसम की बारिश ने किसानों को रुला दिया है वहीं खेत भी पानी के दरिया बन चुके हैं। अधिकांश फसल पहले अत्यधिक ठंड में खराब हो चुकी थी। रही सही कसर चैत्र माह में लगातार बारिश कर खराब कर दी है।

चैत्र मास के समापन पर व वैशाख लगते लगते लगभग किसान अपनी फसल की कटाई कर लेते हैं परंतु इस वर्ष तो मानो कुदरत ने किसानों पर कहर ही ढा दिया है। किसानों के खेतों में कटी हुई सरसों पड़ी है तो कई खेतों में कटे हुए चने पड़े हैं, गेहूं की फसल पक कर खड़ी हुई है परंतु बारिश और ओलावृष्टि से अधिकांश फसल चौपट हो चुकी है। इस प्राकृतिक आपदा से किसानों को जो नुकसान हुआ है उसके आंसू पोछने वाला भी कोई नहीं है। सरकार ने अत्यधिक ठंड में खराब हुई सरसों की फसल का मुआवजा देने का वायदा तो किया है लेकिन क्या इस बारिश और ओलावृष्टि का मुआवजा सरकार दे पाएगी।

थानागाजी, मालाखेड़ा व बालेटा में ओले गिरे

अलवर, (निसं)। अलवर के थानागाजी, मालाखेड़ा व बालेटा के आसपास शुक्रवार दोपहर बाद 30 मिनट तक ओले गिरे। थानागाजी में सरिस्का के पास ओलों से दूर तक धरती सफेद हो गई। खेतों में खड़ी फसल चौपट हो गई है, किसानों को मोटा नुकसान हो गया। 7 दिन पहले अलवर टहला, राजगढ क्षेत्र में ओलों से पूरी फसल चौपट हो चुकी है। अब बालेटा-मालाखेडा के आसपास कई किलोमीटर में ओले बिछ गए। जिससे किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। बालेटा के किसानों ने बताया कि गेहूं की फसल चौपट हो गई। सरसों की कटाई हो चुकीथी, लेकिन सरसों पूरी तरह चौपट हो गई। यहां किसानों को मोटा नुकसान हुआ है। किसानों का कहना है कि सरकार को किसानों की मदद करनी चाहिए। तुरंत गिरदावर रिपोर्ट कराकर किसानों को मुआवजा देना चाहिए। ताकि उनको कुछ राहत मिल सके।

तेज हवाओं के साथ बारिश हुई

टोंक, (निसं)। जिला मुख्यालय सहित आसपास के इलाकों में बीती रात्रि से मौसम बदला रहा है और रात्रि को तेज हवाओं के साथ बैमौसम बारिश हुई तो शुक्रवार को दोपहर बाद बादल छाने के साथ ही हल्की बारिश हुई।

जिला मुख्यालय पर बीती रात्रि को अचानक हवाएं चलना शुरु हो गई और उसके साथ ही बारिश का दौर शुरु हो गया, अचानक बारिश का दौर शुरु होने से किसानों के सामने परेशानी खड़ी हो गई और बारिश के चलते खेतों में खड़ी व कटी हुई पड़ी गेंहू, चने की फसलों को नुकसान हुआ। वहीं बारिश के चलते रामनवमी के साथ शादी ब्याह का मजा किरकिरा हो गया। शादी ब्याह के आयोजकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं शुक्रवार को सुबह धूप निकलने के बाद दोपहर बाद मौसम बदल गया और बादल छाने के साथ गर्जना के साथ हल्की बारिश हुई। बैमौसम बारिश का दौर चलने से किसानों की पकी पकाई फसलों को नुकसान हुआ।

कटी फसलों को हुआ नुकसान

खिरोड़, (निसं)। क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर को तेज बरसात हुई। जिससे खेतों में कटी कटाई बड़ी फसल में नुकसान हुआ। फसल में नुकसान होने से किसान निराश नजर आने लगे हैं।

क्षेत्र के कुछ इलाके में चने के आकार के ओले भी गिरे। किसान सांवरमल गिला ने बताया कि क्षेत्र की कैमरी ढाणी एवं पास पडौस के इलाके में चने के आकार के ओले गिरने से गेहूं चने आदि की फसल में काफी नुकसान हुआ है।

ओले गिरने से खेतों में फसल को नुकसान होने से किसानों को परेशानी का सामना करना पड रहा है। किसानों ने प्रशासन से बरसात ओलों से नष्ट हुई फसल का मुआवजा दिए जाने की मांग की है।

संजीवनी सोसायटी: चार और प्रकरण दर्ज

मोटा मुनाफा और निवेश के नाम पर लोगों से सोसायटी ने की थी ठगी

जोधपुर, (कासं)। मोटा मुनाफा और निवेश के नाम पर लोगों से ठगी करने वाली सोसायटी संजीवनी के खिलाफ चार और प्रकरण सरदारपुरा थाने में दर्ज हुए है। इससे पहले इसी थाने में आधा दर्जन केस दर्ज किए जा चुके है।

सरदारपुरा पुलिस ने बताया कि चौथी बी रोड सरदारपुरा निवासी गोपाल शर्मा पुत्र नंदलाल शर्मा और कनोजिया भवन 11 वीं ई रोड निवासी ओमप्रकाश पुत्र श्यामलाल कनोजिया ने रिपोर्ट दी कि उन्होंने संजीवनी कॉ ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड के नसरानी सिनेमा के पास स्थित शाखा में निवेश किया। लेकिन सोसायटी ने उनका पैसा वापस नहीं लौटाया। इसी प्रकार बलदेव नगर शिव मंदिर के पास रहने वाली सावित्री सोनी पत्नी रूपाराम सोनी ने और आमली का बास बालाजी मंदिर के पास रहने वाली रेनू सोनी पत्नी तुलसीराम सोनी ने भी अलग अलग प्रकरण सरदारपुरा थाने में दर्ज करवाए है। इससे पहले कल एक साथ करीब एक दर्जन मामले दर्ज कराए गए थे।

क्या है संजीवनी घोटाला:- संजीवनी क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी को राजस्थान सोसाइटी एक्ट के तहत 2008 में रजिस्टर्ड कराया गया था. इसके बाद 2010 में ये सासाइटी मल्टी स्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटी के रूप में बदल गई।इस सोसाइटी के पहले मैनेजिंग डायरेक्टर विक्रम सिंह थे, जो घोटाले की जांच में प्रमुख नाम भी हैं। विक्रम सिंह को ही इस पूरे घोटाले का मास्टरमाइंड माना जाता है, जिनकी गिरफ्तारी भी हो चुकी है। संजीवनी पीड़ित संघ का दावा है कि कोऑपरेटिव सोसाइटी में लोगों ने भारी रकम निवेश की थी, लेकिन उन्हें पैसा वापस नहीं किया गया और उसका गलत तरीके से गबन कर लिया गया।

इधर यह मामला एक बार फिर सुर्खियों में तब आया जब पीड़ितों ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात कर अपना पैसा दिलाने की मांग की।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के जोधपुर दौरे के समय पीड़ितों के एक शिष्टमंडल से मुलाकात की तथा मदद की गुहार लगाई। राज्य के विभिन्न जिलों से आए पीड़ितों ने मुख्यमंत्री को करोड़ों रुपये की ठगी के साथ-साथ अपनी बिगड़ती आर्थिक स्थिति से अवगत कराया। पीड़ित इस मामले में केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत की भी भूमिका बता रहे हैं।मुख्यमंत्री गहलोत ने पीड़ितों को भरोसा दिलाया और कहा कि उनकी सरकार पीड़ितों की जमा राशि को वापस दिलाने का हर संभव प्रयास करेगी।

इसके बाद से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत लगातार पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर रहे हैं। इससे लोगों को आश जगी कि उनकी मेहनत की कमाई अब वापस मिल जाएगी। यही कारण है कि जो पीड़ित अब तक चुप बैठ थे, वे भी आगे आकर पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराने लगे हैं।

इधर मुख्यमंत्री ने शेखावत को लेकर बयान बाजी शुरू कर दी। इसका परिणाम यह हुआ कि सीएम अशोक गहलोत और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत आमने-सामने आ गए हैं। गहलोत जहां इस घोटाले में गजेंद्र सिंह शेखावत के शामिल होने की बात कर रहे हैं तो वहीं शेखावत सीएम के खिलाफ कोर्ट पहुंच गए। इसके बाद भी गहलोत इस मामले को लेकर जोधपुर से सांसद और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत पर घोटाले में शामिल होने का आरोप लगाते रहे हैं। गहलोत ने शेखावत को चेलैंज करते हुए खहा कि यदि आप बेकसूर हैं तो गरीबों का पैसा दिलाने के लिए आगे क्यों नहीं आते?

वहीं शेखावत, गहलोत को चेलैंज करते हुए कह रहे हैं कि अगर आरोप सहीं हैं तो साबित करिए। अपने खिलाफ लग रहे आरोपों के बाद गजेंद्र सिंह शेखावत ने गत शनिवार को दिल्ली की एक अदालत में एक शिकायत भी दर्ज कराई थी। अपनी शिकायत में उन्होंने मुख्यमंत्री गहलोत पर आरोप लगाया था कि संजीवनी घोटाले से नाम जोड़कर उन्हें बदनाम किया जा रहा है।

दूसरी तरफ राजस्थान हाई कोर्ट की जोधपुर खंडपीठ ने यूनियन ऑफ इंडिया समेत सभी 17 पक्षकारों को नोटिस जारी किया है। नोटिस पाने वालों में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और उनकी पत्नी नोनंद कंवर का नाम भी शामिल है। हाई कोर्ट ने ये नोटिस संजीवनी पीड़ित संघ की याचिका पर सुनवाई करते हुए जारी किए हैं।

राजस्थान हाई कोर्ट में दायर याचिका में बताया गया है कि संजीवनी क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी ने लोगों से भारी निवेश कराया,निवेशकों को फर्जी रिकॉर्ड पोस्टर दिखा कर धोखे में रखा गया। ये पूरा घोटाला करीब 900 करोड़ का बताया जा रहा है।

निजी चिकित्सकों ने सरकारी अस्पताल के सामने झाड़ू लगाई

नवलगढ़ कस्बे में निजी चिकित्सकों ने झाड़ू लगाकर आर.टी.एच. विधेयक का विरोध किया।

नवलगढ़, (निसं)। कस्बे के निजी चिकित्सालय के चिकित्सकों ने आरटीएच के विरोध में सरकारी अस्पताल के सामने झाड़ू लेकर सड़क पर सफाई कर रोष प्रकट किया। डॉ. मिनाक्षी जांगिड़ ने अपने उदबोधन मे कहा कि सरकार अपने दिलों दिमाग से कचरा साफ करें। नकारात्मक सोच को निकाले और ठंडे दिमाग से सोचकर कानून बनाऐ और इस काले कानून आरटीएच को हटाए।

सफाई अभियान में डॉ. मनीष जांगिड, डॉ. राजेश सैनी, डॉ. प्रदीप सिंगोदिया, डॉ. हेमंत गुप्ता, डॉ. आभा गुप्ता, डॉ. हरिओम शर्मा, डॉ. मिनाक्षी जांगिड, डॉ. विवेक, डॉ. नवल सैनी, डॉ. कैलाश सैनी, डॉ. जितेंद्र चौधरी, डॉ. अमित सैनी आदि चिकित्सक तथा अस्पताल के स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त

डॉ. मीनाक्षी को सम्मान मिलेगा

चाकसू, (निसं)। 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती पर सांवरिया हॉस्पिटल की निदेशक डॉ. मीनाक्षी

को विश्व रिकार्ड बाबासाहेब आंबेडकर सम्मान 2023 मिलेगा। डॉक्टर मीनाक्षी को चिकित्सा क्षेत्र में की गई विशिष्ट सेवाओं के लिए इस पुरस्कार के लिए चुना गया। इससे पूर्व अंतरराष्ट्रीय संस्था भारत सोक्का गक्काई ने डॉ मीनाक्षी को चेंज मेकर ह्यूमैनिटी अवार्ड से नवाजा था। डॉ मीनाक्षी नारी गौरव सम्मान एवं नारी शक्ति सम्मन से भी सम्मानित हो चुकी हैं।

स्थायी वारंटी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। शहर कोतवाली थाना क्षेत्र में फरार चल रहे स्थायी वारंटी को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक राजर्षि राज वर्मा के आदेशानुसार, अति. पुलिस अधीक्षक टोंक भवानी सिंह राठौड के निर्देशानुसार एवं वृत्ताधिकारी टोंक सलेह मोहम्मद के पर्यवेक्षण में चलाये जा रहे वांछित अपराध अपराधियों की गिरफ्तारी के अभियान की पालना में कोतवाली थानाधिकारी जितेन्द्र सिंह द्वारा टीम का गठन कर फरार स्थायी वारन्टी देवराज पुत्र श्रीराम गुर्जर साल निवासी जेबाडिया थाना बरोनी जिला टोंक को गिरफ्तार किया गया है।

एक दिवसीय कार्यशाला

दूदू, (निसं)। पंचायत समिति सभागार में महिला बाल विकास विभाग के तत्वावधन में मोटा अनाज सबकी ताकत पोषण कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ महिला बाल विकास अधिकारी पारूल शर्मा, जिला अध्यक्ष रेखा शर्मा, पर्यवेक्षक पूजा तिवारी, ममता बोबास, कृष्णा ने मां सरस्वती के छाया चित्र के समक्ष दीप प्रजिलत कर किया।

सात वर्षीय अर्श अली ने रोजा रखा

मनोहरपुर, (निसं)। 7 वर्षीय अर्श अली ने अपने जीवन में प्रथम बार

रोजा रखा। अली ने बताया कि मुझे बहुत अच्छा लग रहा हैं सभी ने मुझे गिफ्ट देकर मेरा मनोबल बढा रहे हैं। मेरे रोजा रखने की खुशी में लोगों को खाना खिलाकर खुशी मनाई। सभी लोग अपने सब्र का इम्तिहान देकर ख़ुदा को राजी कर रहे है ऐसे में हम क्यों पीछे रहे। इस अवसर पर हाजी रोशन खान, मुस्ताक अली,रुस्तम खान आदि उपस्तिथ थे।

276 यूनिट रक्त एकत्रित

दूदू, (निसं)। कस्बे में संचालित जनता केयर हॉस्पिटल में शुक्रवार को स्व. कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला की पुण्यतिथि पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। जिसमें 276 यूनिट रक्त एकत्रित किया। आयोजक मोजमाबाद पंचायत समिति सदस्य सुवालाल गुर्जर ने बताया कि रक्तदान में इस बार पुरूषों के साथ महिलाओं , बालिकाओं ने भी भागेदारी निभाई। इस दौरान पूर्व विधायक डॉ. प्रेम चन्द बैरवा, प्रकाश धाभाई, रामधन धाभाई, सुनील धाभाई, किशन धाभाई, सहदेव गुर्जर, लक्ष्मण गुर्जर सहित सर्व समाज के लोगाँ ने रक्तदान किया। सभी रक्तदान दाताओं को जीवन सुरक्षा के लिए हैलमेट वितरित किए गये।

कर्नल बैंसला को याद किया

फागी, (निसं)। गुर्जर समाज के युग पुरूष कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला को श्रद्धा से याद किया गया। कस्बे के जयपुर रोड स्थित गुर्जर छात्रावास में बैंसला की प्रथम पुण्यतिथि पर समाज के प्रबुद्धजनों एवं सरदार पटेल सेवा समिति की ओर से श्रद्धाजंली सभा का आयोजन किया गया। जिसमें बैंसला द्वारा समाज को दिये अमूल्य योगदान एवं उनकी जीवनी पर प्रकाश डाला। सभा में हनुमान छावडी छोटूमानहाला रामेश्वर प्रसाद गुर्जर अश्विनी कुमार अवधेश छावडी रंगलाल मानहाला सहित सैंकडों गुर्जर समाज के प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

562 कृषकों को भूमि के खातेदारी अधिकार पट्टे दिये

कोटपूतली, (निसं)। ग्राम पंचायत बसई कार्यालय पर शुक्रवार को महकमा कस्टोडियन भूमि, तहसील कोटपूतली द्वारा ग्राम बसई, पेजुका व जाहिदपुरा में कस्टोडियन भूमि के खातेदारी अधिकार कृषकों को प्रदान करने के लिए कैम्प का आयोजन किया गया।

इस मौके पर खातेदारी अधिकारों की सनद (पट्टा) देने के लिए स्वयं क्षेत्रीय विधायक, उच्च शिक्षा व गृह राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव ग्राम बसई पहुंचे। जहां उन्होंने आयोजित कार्यक्रम

- खातेदारी अधिकार पाकर कृषकों के चेहरे खिले
- राज्य सरकार किसानों व मजदूरों के हितों के लिए समर्पित : यादव

में ग्रामीणों व किसानों के हुजुम के बीच उक्त तीनों गांवों के 562 कृषकों को 88.2792 है. भूमि के खातेदारी अधिकार की सनद (पट्टों) का वितरण किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से ही अपने अधिकारों से वंचित रहे कस्टोडियन पीड़ित किसानों को उनका

गृह राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव ने किसानों को कस्टोडियन भूमि के अधिकार पत्र सौंपे।

हक मिल रहा है यह बेहद हर्ष का विषय है। यादव ने कोटपूतली को जिला बनाने पर मुख्यमंत्री गहलोत का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कोटपूतली के विकास में हरसम्भव प्रयास किये जाने की बात कही। राज्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में जनकल्याणकारी शासन की स्थापना ही सरकारों का लक्ष्य होना चाहिये। मुख्यमंत्री गहलोत के नेतृत्व में प्रदेश की कांग्रेस सरकार गांव, गरीब, किसान, मजदूर, दलित, शोषित, वंचित, पीडित, आदिवासी व वनवासी वर्गों के हितों को ध्यान में रखते हुए कार्य कर रही है। संचालन करते हुए किसान बचाओ आन्दोलन के संयोजक एड. मनोज चौधरी ने इसको लेकर किये गये संघर्ष व आन्दोलन की विस्तार से जानकारी दी। तहसीलदार अभिषेक सिंह ने आवंटन की लिस्ट पढकर सुनाते हुए आपत्तियों की सुनवाई की। वहीं एसडीएम ऋषभ मण्डल ने खातेदारी प्रक्रिया पर प्रकाश डालते हुए आगामी कैम्प के बारे में बताया। इस दौरान नायब तहसीलदार भोमसिंह मीणा, प्रधान प्रतिनिधि इन्द्राज रावत, सरपंच कविता देवी, विक्रम गुर्जर, एड. रामौतार सनवाल,ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष कन्हैया लाल सैनी, सत्यवीर मीणा, विक्रम सिंह लीडर, पूर्व सरपंच मेहरसिंह, सुरेश यादव, दाताराम जाट, बनवारी मीणा, सन्नी सेहरा, बाबूलाल सनवाल, कुलदीप गोठवाल समेत अन्य मौजूद थे। इस मौके पर ग्रामीणों ने कोटपूतली को जिला बनाये जाने पर राज्यमंत्री यादव का माला व साफा पहनाकर अभिनन्दन भी किया।

विधायक इंद्रराज गुर्जर के छोटे भाई पर हमला

पावटा, (निसं)। विराटनगर विधायक इंद्रराज गुर्जर के छोटे भाई राजेश गुर्जर व उसके साथी पर बीती रात अज्ञात बदमाशों ने हमला कर दिया। हालांकि हमले में विधायक का भाई राजेश व साथी बाल-बाल बच गये। लेकिन बदमाश विधायक के भाई की स्कार्पियो कार में तोड़फोड़ कर मौके से फरार हो गए।

घटना के बाद पीड़ित ने भाबरू पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। वहीं भाबरु थाना पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त बोलेरो कार जब्त की है तथा तीन बदमाशों कमलेश कुमार पुत्र गुलाराम, सुभाष चंद्र पुत्र मूलाराम, राकेश पुत्र जगदीश प्रसाद को पकड़ा है। जानकारी के मुताबिक विधायक इंद्रराज गुर्जर का छोटा भाई राजेश गुर्जर अपने साथी के साथ किसी शादी समारोह में स्कार्पियो कार से जाकर आ रहा था।

भाबरू थाना क्षेत्र के हाइवे स्थित होटल हाइवे किंग के पास उसकी स्कार्पियो कार को अज्ञात लोगों ने बोलेरो गाडी लगाकर रूकवा ली। वही बोलेरो में सवार आधा दर्जन बदमाशों ने कार पर लाठी, डंडो, हॉकी व धारदार हथियार से हमला कर दिया और तोडफोड कर दी।

इस हमले में स्कार्पियो कार के लॉक होने से राजेश गुर्जर व उसका साथी बाल-बाल बच गए। हमला करने के बाद बदमाश फरार हो गए। सूचना पर लोगो की भीड लग गई।

सार-समाचार

बाइक को बचाने के चक्कर में ट्रेलर पलटा

पावटा, (निसं)। उपखंड पावटा सीएचसी मोड के समीप बाइक सवार युवकों को बचाने के चक्कर में प्लास्टिक दानों से लदा ट्रेलर पलट गया जिससे ट्रेलर चालक को हल्की चोटें आई हैं। इस दौरान बाइक सवार युवक बाल-बाल बच गए। घटना के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर कुछ देर आवागमन बाधित रहा। घटना के बारे में बताया जाता है कि खोटा पट्टी तहसील पुहाना जिला नूह मेवात हरियाणा निवासी ट्रेलर चालक साइब पुत्र रसीद ट्रेलर से प्लास्टिक दाना लेकर गुजरात से दिल्ली जा रहा था। जैसे ही वह पावटा सीएचसी मोड के समीप पहुंचा कि कट पर रोड क्रॉस कर रहे बाइक सवारों को बचाने के चक्कर अनियंत्रित होकर कट से अंदर घुसते हुए दिल्ली जाने वाले रोड से जाकर विपरीत जयपुर रोड पर जाकर नाले में पलट गया।

आपसी झगड़े में एक की मौत

निवाई, (निसं)। सदर थाना अंतर्गत गांव सूरज का खेडा में बुधवार की रात आपसी कहासुनी के बाद हुए झगडे में एक जने की मौत हो गई। सदर थाना अधिकारी नरेश कंवर ने बताया कि मृतक के पुत्र बंटी बैरवा ने मामला दर्ज करवाया है कि बुधवार की रात को उसके पिता खेत पर गए हुए थे। वहां पर रामसहाय पुत्र कानाराम व बलवीर पुत्र रामसहाय से किसी बात को लेकर आपस में कहासुनी हो गई। इसके बाद दोनों ने उसके पिता के साथ मारपीट कर दी जिससे घायल हो गए। घायल अवस्था में उसे निवाई सीएचसी में उपचार के लिए भर्ती करवाया जहां से चिकित्सकों ने उसे टोंक रेफर कर दिया। गुरुवार को तबीयत अधिक बिगडने के कारण टोंक से जयपुर रेफर कर दिया गया। इसी दौरान जयपुर ले जाते समय बीच रास्ते में उसने दम तोड दिया। पुलिस ने बताया कि मौत होने के बाद उसे राजकीय सामुदायिक चिकित्सालय निवाई लेकर आए जहां चिकित्सकों ने नरेंद्र उर्फ पप्पू बैरवा को मृत घोषित कर दिया। बाद में पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक के पुत्र बंटी ने दोनों के विरुद्ध नामजद मुकदमा दर्ज करवाया है।

186 यूनिट रक्तदान किया

मालपुरा, (निसं)। गुर्जर समाज के मसीहा शिक्षा की अलख जगाने वाले स्व. कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला की प्रथम पुण्यतिथि पर बाबा कर्नल फाउण्डेशन मालपुरा के तत्वावधान में शहीद स्मारक पर रक्तदान शिविर व श्रद्धांजली सभा का आयोजन हुआ। गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के जिला संयोजक व देवरानारायण बोर्ड के जिला प्रतिनिधि बच्छराज गुर्जर ने बताया कि पूर्व न्यायाधीश वीएस सिराधना, विधायक कन्हैयालाल चौधरी, पालिका अध्यक्ष सोनिया मनीष सोनी, अम्बेडकर विचार मंच विकास समिति के लोकेश लोदी सहित बड़ी संख्या में पहुंचे सर्वसमाज के लोगों ने शहीद स्मारक पर लगी कर्नल बैंसला की फोटो के समक्ष पुष्पांजली अर्पित कर बाबा कर्नल को नमन किया। प्रथम पुण्यतिथि पर आयोजित रक्त दान शिविर में पहुंचे रक्तदाताओं ने 186 यूनिट रक्तदान कर कर्नल बैंसला को श्रद्धांजली दी।

कर्नल बैंसला की पुण्यतिथि मनाई

नारायणपुर, (निसं)। उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत विजयपुरा में स्थित तुर्कियावास वाले पीर बाबा मंदिर में कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला की प्रथम पुण्यतिथि मनाई गई। इस दौरान गुर्जर समाज के लोगों ने कर्नल बैंसला की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान बानसूर एसीबीओ इन्द्राज गिराटी, डॉ.तेजवीर पायला ने समाज के लोगों संबोधित करते हुए कर्नल बैंसला के जीवन पर प्रकाश डाला और समाज के लोगों ने उनके बताए मार्ग पर पर चलने का संकल्प लिया। इस मौके पर समाजसेवी हीरालाल धाबाई, डॉ.विक्रम गुर्जर, नेतराम रावत, विक्रम गोवल्या, शीशराम रावत, हवलदार लक्ष्मण पायला सहित बडी संख्या में गुर्जर समाज के लोग उपस्थित रहे।

खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

श्रीमाधोपुर, (निसं)। रींगस-श्रीमाधोपुर राजू भाई मार्ग पर स्थित जालपाली में राजस्थान सीनियर सेकेंडरी स्कूल में राजस्थान दिवस के उपलक्ष पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। संस्था निदेशक भजन लाल बिजारणिया ने फीता काटकर खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। कबड्डी खेल प्रतियोगिता रेफरी बाबूलाल सामोता व राजेश कुमार सामोता ने बताया विद्यालय में इंग्लिश मीडियम व हिंदी मीडियम के बीच जलेबी प्रतियोगिता एवं बालक बालिकाओं की कबड्डी खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें बालक वर्ग में 11 जीव विज्ञान व बालिका वर्ग में 11 जीव विज्ञान विजेता रही। इस दौरान विद्यालय प्रधानाचार्य तेजपाल सिंह, व्याख्याता अशोक कुमार, साधु राम, सांवरमल, राजेश कुमार, अजय कुमार, गजान्द कुमावत सहित समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

यूनानी औषधालय का विस्तार होगा

सांभरझील, (निसं)। राष्ट्रीय आयुष्मान भारत योजना अंतर्गत सांभर राजकीय यूनानी औषधालय में हर्बल गार्डन विकसित किए जाने के लिए इसका चयन हुआ है। यूनानी चिकित्सा विभाग के निदेशक डॉ फैयाज खान ने आयुष हैल्थ एंड वैलनेस सेंटर पर हर्बल गार्डन विकसित किए जाने के लिए प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति भी जारी कर दी है। औषधीय पादपों की खरीदारी के लिए प्रथम चरण में 20 हजार रुपए मंजूर किए गए हैं तथा इसके पश्चात गार्डन के रखरखाव, संरक्षण के लिए समय-समय पर अलग से वित्तीय व्यवस्था और की जाएगी। सांभर राजकीय यूनानी औषधालय की चिकित्सक आयशा सिद्दीका को सेंटर के प्रभारी अधिकारी पद की भी जिम्मेदारी दी गई है। योजना अंतर्गत आने वाले कुछ समय में चिकित्सा सुविधाओं का और विस्तार होगा।

बैंसला की पुण्यतिथि पर रक्तदान

सांभरझील, (निसं)। कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला की प्रथम पुण्यतिथि पर शुक्रवार को एक निजी विद्यालय में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 176 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ। विद्यालय के निदेशक श्रवण लाल नीमली ने रक्तदाताओं की हौसला अफजाई करते हुए कहा कि रक्तदान से बढकर कोई दान नहीं है। प्रधान सहदेव गुर्जर ने कहा कि महापुरुष की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर आयोजित करके श्रद्धांजलि दी गई है। इस अवसर पर गुर्जर समाज अध्यक्ष धीरू गुर्जर, लक्ष्मण सिंह रिणगी, सुरेश चौहान, बीरबल बारवाल, विष्णु रिणगी, हरदेव, गोगराज वर्मा, हजारी सिंगला, किशन तंवर, बीरम देव कोली, सीताराम कुराच, गणेश गुगल्या,जीतू गुर्जर सहित सैकडों युवाओं ने भाग लिया।

थानाप्रभारी का स्थानान्तरण

कोटपूतली, (निसं)। जयपुर ग्रामीण एसपी डॉ. राजीव पचार द्वारा जिले भर में पुलिस अधिकारियों का स्थानान्तरण किया गया है। इसी क्रम में कोटपूतली थाने के थाना प्रभारी सवाई सिंह को यहाँ से स्थानान्तरित कर प्रागपुरा लगाया गया है। जबकि पुलिस लाईन से मांगे लाल को कोटपूतली थाने पर नया थाना प्रभारी लगाया गया है। वहीं पुलिस लाईन से ही एसआई जयप्रकाश को कोटपूतली थाने में लगाया गया है। यहाँ तैनात एसआई लक्ष्मी का स्थानान्तरण एसपी कार्यालय में किया गया है। वहीं प्रागपुरा थाना प्रभारी किरण सिंह को पुलिस लाईन में भेजा गया है।

श्रीराम जन्मोत्सव मेला शुरू

निवाई, (निसं)। सिरस कस्बे में स्थित श्री केशव राय मंदिर में गुरुवार को रामनवमी के अवसर पर दोपहर 12 बजे महाआरती के साथ ही तीन दिवसीय श्री राम जन्मोत्सव मेला शुरू हुआ। रामनवमी के दिन सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं का ताता लगा रहा। दोपहर 12 राम जन्मोत्सव को लेकर महाआरती में सैकडों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। आरती के बाद मंदिर में माखन मिश्री का भोग लगाने के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया। शाम को पूजा अर्चना व आरती के बाद भगवान केशव रायकी शोभा यात्रा मंदिर से रवाना हुई। शोभायात्रा का कस्बे में जगह-जगह पुष्प वर्षा व आरती के साथ स्वागत किया। इस दौरान घरों के सामने भगवान की आरती उतारते समय ओम जय जगदीश हरे से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो गया।

अनिल कुमार शर्मा का अवार्ड के लिए चयन

कोटपूतली, (निसं)। अन्तर्राष्ट्रीय समरसता मंच एवं इण्डो-नेपाल समरसता ऑर्गेनाइजेशन के संयुक्त तत्वावधान में 7 अप्रैल को जयपुर के केशर बाग में राजस्थान स्थापना दिवस साप्ताहिक कार्यक्रम के समापन पर चयन समिति के संयोजक सुभाष स्वामी ने कोटपूतली निवासी अनिल कुमार शर्मा पत्रकार का सेवा कार्यो का अवलोकन कर भारत-नेपाल सांस्कृतिक सम्मेलन में राजस्थान समरसता रत्न अवार्ड के लिये मनोनयन किया गया है। प्रेस सचिव योगेश शर्मा ने बताया कि अन्तर्राष्ट्रीय समरसता मंच 7300 दिवसीय कार्ययोजना के अन्तर्गत राजस्थान स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में किया जा रहा है। भारतीय राजदूतावास काठमाण्डो (नेपाल) में रजिस्टर्ड 4699/2018 भारतीय नागरिक एवं संयोजक अन्तर्राष्ट्रीय समरसता मंच के नेतृत्व में एक सांस्कृतिक शिष्टमण्डल इण्डो

अनिल कुमार शर्मा।

नेपाल समरसता सोशल मिशन यात्रा के अन्तर्गत सम्मेलन में सम्मिलित होंगे। सम्मेलन में इण्डो-नेपाल समरसता ऑर्गेनाइजेशन द्वारा शिक्षा, चिकित्सा, न्याय, समाज सेवा आदि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को न्यायमूर्ति परमानन्द झा प्रथम उपराष्ट्रपति नेपाल सरकार का आशीर्वाद पत्र प्रतिभाओं को भेंट किया जायेगा।

बैंसला की पुण्यतिथि प्रेरणा दिवस के रूप में मनाई

टोंक, (निसं)। राजस्थान गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के जिलाध्यक्ष रामलाल गुर्जर संडीला के नेतृत्व में कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला की प्रथम पुण्यतिथि प्रेरणा दिवस के रूप में श्रीदेवनारायण गुर्जर छात्रावास टोंक में समाज के पंच पटेलों, गणमान्य व्यक्तियों एवं कार्यकारिणी के समस्त सदस्यों की उपस्थिति में मनाई गई।

इस अवसर पर सभी वक्ताओं ने कर्नल के विचारों पर प्रकाश डालते हुए प्रेरणा ली कि समाज को आगे बढ़ाने के लिए कर्नल ने जो मंत्र दिए हैं, उनको आगे बढ़ाया जाएगा। आज कर्नल की वजह से ही गुर्जर समाज को एमबीसी के अंदर 5 प्रतिशत आरक्षण मिला जिसकी वजह से ही हजारों बच्चे प्रशासनिक मेडिकल, इंजीनियर व शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। इस

श्रीदेवनारायण गुर्जर छात्रावास टोंक में कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला की प्रथम पुण्यतिथि प्रेरणा दिवस के रूप में मनाई।

अवसर पर प्रधान प्रतिनिधि हंसराज फागणा ने बालिका छात्रावास के लिए अपनी ओर से पांच लाख रूपये देने की घोषणा की एवं बाबा के पद चिन्हों पर चलने की प्रेरणा ली गई।

इस मौके पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहनलाल गुर्जर, महामंत्री हरिराम गुर्जर, भगवान चाड, फतेहलाल गुर्जर, दारा सिंह फागण, केसर लाल गुर्जर, सरपंच कपिला गुर्जर, ओम प्रकाश गुर्जर, राजेन्द्र गुर्जर, रमेश गुर्जर, देवराज गुर्जर, एवं अजय गुर्जर आदि ने दो मिनट का मौन रखकर बाबा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

बूथ शक्तिकरण को लेकर बैठक का आयोजन

किशनगढ़ बास, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी विधानसभा किशनगढ़ बास की कार्यसमिति बूथ सशक्तिकरण अभियान को लेकर बैठक का आयोजन किशनगढ़ बास के पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव के अनाज मंडी किशनगढ़ बास स्थित निवास पर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अलवर उत्तर के जिलाध्यक्ष उम्मेद भाया ने की।

बैठक को सम्बोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष उम्मेद भाया ने कहा कि 1 अप्रैल से 10 अप्रैल तक शक्ति केंद्र पर बूथ के समस्त कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन होगा वह मतदाता सूची व पन्ना प्रमुखों की समीक्षा की जाएगी। भैया ने कहा कि बूथ पर नव मतदाता अभियान चलाकर उन्हें पार्टी की रीति नीतियों से अवगत कराया जाएगा और पार्टी से जोड़ा जाएगा। इस अवसर पर पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी ने राजस्थान में आने से पहले जनता से झूठे वादे किए थे, कांग्रेस के युवराज राहुल गांधी ने चुनाव के समय चुटकी बजाकर कहा था कि कांग्रेस की सरकार आते ही किसानों का 10 दिन में कर्जा माफ कर देगी लेकिन आज तक कोई कर्जा माफ नहीं हुआ। इस अवसर पर किशनगढ़ बास चेयरमैन प्रतिनिधि सतीश सिंघल, किशनगढ़ बास भाजपा मंडल अध्यक्ष उमेश कांत वशिष्ठ, रामनिवास यादव, प्रमिल जसोरिया, पूर्ण झबुला, राजेश बटवाडा, सहित पार्टी के पांचों मंडलों के महामंत्री शक्ति केंद्र संयोजक एवं प्रभारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कर्नल बैंसला को नमन किया

बहरोड़/नीमराना, (निसं)। राजकीय धर्म चंद गांधी महाविद्यालय बहरोड़ में स्व. कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला की प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग के बस्तीराम यादव सहित छात्र संघ महासचिव चेतन यादव, रमेश पटेल, मोनू, जीतू, नीरज, सचिन, रमेश पहलवान, मोहित सेन, जितेंद्र रोहतास गुर्जर, विक्रम यादव सहित सुरेंद्र सिंह यादव एडवोकेट एवं महाविद्यालय के छात्रों द्वारा श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि सभा में स्वर्गीय कर्नल किरोडी सिंह बैंसला तथा समाज की सैकडों शहादतों के बाद प्राप्त आरक्षण के योगदान को भुलाए नहीं जाने की बात कही गई।

शोभायात्रा में गूंजे बजरंगी व श्रीराम के जयकारे

लालसोट, (निसं)। उपखंड मुख्यालय पर रामनवमी को लेकर धर्मावलंबियों द्वारा बजरंगी, हर-हर महादेव जय श्रीराम का जयकारा गुंजायमान कर माहौल को धर्म मय कर दिया गया।

इस बार रामनवमी के त्यौहार को विशेष रूप से मनाया गया एवं लोगों द्वारा सामूहिक रूप से राम भगवान की शोभायात्रा एवं भव्य भगवा रैली भी निकाली गई। इस कार्यक्रम के दौरान शाही लवाजमे में के साथ विभिन्न अखाड़े बाजों द्वारा हैरतअंगेज करतब दिखाए गए। उपखंड मुख्यालय स्थित नगर पालिका क्षेत्र के विभिन्न प्रमुख मार्गों पर सतरंगी रंगोलियां सजाई गई एवं रामनवमी को लेकर कई स्थानों पर रामनवमी के मौके पर निकाली गई भव्य शोभायात्रा का स्वागत सत्कार भी देखने को मिला। रामनवमी के दौरान लोग हिंदुत्व के भगवा रंग को धारण कर विश्व शांति का संदेश भी देते नजर आए। उपखंड मुख्यालय पर रामनवमी को लेकर किए जाने वाले इस भव्य आयोजन को लेकर युवाओं की टीम पिछले एक हफ्ते से पीले चावल बांटकर कार्यक्रम में लोगों को आमंत्रित कर रही थी। रामनवमी के मौके पर युवाओं द्वारा सर्व समाज को साथ लेकर इस कार्यक्रम को संपन्न करने का लक्ष्य रखा गया था। जिसे युवाओं द्वारा शांति पूर्वक निकाली गई शोभायात्रा एवं विभिन्न आयोजनों के साथ संपन्न कर दिखाया गया। शोभायात्रा का व्यापारियों एवं आम शहर वासियों द्वारा फूल वर्षा कर स्वागत किया।

नि:शुल्क ई-लाइब्रेरी का शुभारंभ

लालसोट, (निसं)। उपखंड मुख्यालय पर विप्र फाउंडेशन की ओर से शुरू की गई की निशुल्क आदि शंकर ई लाइब्रेरी के शुभारंभ, विप्र जन स्नेह मिलन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर पालिका के चेयरमैन रक्षा मिश्र ने कहा कि मौजूदा समय में विप्र जनों को आगे बढ़ने के लिए आपसी सहयोग एवं तालमेल की अहम जरूरत है।

चेयरमैन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि, हमारी समाज को हर मोर्चे पर संगठित होने की जरूरत है

- विप्र जनों को आपसी सहयोग एवं तालमेल की जरूरत : रक्षा मिश्र

तभी जाकर समाज को हर क्षेत्र में पूर्ण प्रतिनिधित्व मिल पाएगा। विप्र फाउंडेशन की इस पहल से समाज के छात्र छात्राओं को ऑनलाइन पढ़ाई का अवसर मिलेगा इसके कारण प्रतिभावान छात्र छात्राओं को आगे बढने की भी संपूर्ण अवसर प्राप्त हो सकेंगे। इससे पहले ही लाइब्रेरी का विप्र कल्याण बोर्ड के चेयरमैन में शर्मा द्वारा फीता काटकर शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान ईलाइब्रेरी के लिए वर्ष भर भवन निशुल्क उपलब्ध कराने सहित ई

लालसोट उपखंड मुख्यालय पर विप्र फाउंडेशन द्वारा शुरू की गई निशुल्क ई-लाइब्रेरी कार्यक्रम को पालिका चेयरमैन रक्षा मिश्र ने संबोधित किया।

लाइब्रेरी संचालन के लिए नगद राशि सहयोगार्थ उपलब्ध कराने वाले ब्रह्म जनों का भी सार्वजनिक मंच पर अतिथियों द्वारा सम्मान किया गया। विप्र फाउंडेशन के संस्थापक संयोजक सुशील ओझा शैक्षिक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष परमानंद शर्मा महामंत्री बृजेश तिवारी जिला प्रवक्ता लोकेश आर्यन कैलाश तिवारी संयोजक व प्रदेश उपाध्यक्ष सियाराम शर्मा द्वारा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विप्र फाउंडेशन से जुड़े पदाधिकारियों ने बताया कि लालसोट में विप्र फाउंडेशन की पहल पर शुरू की गई प्रदेश की यह पहली की लाइब्रेरी है एवं इसी तर्ज पर अब लगातार विप्र समाज के छात्र छात्राओं को ई लाइब्रेरी के माध्यम से निशुल्क कोचिंग उपलब्ध कराने के लिए अन्य जगहों पर भी लाइब्रेरी की स्थापना की जाएगी। जयपुर में साठ हजार वर्ग फीट के क्षेत्र में परशुराम शक्तिपीठ की स्थापना की जा रही है जिसका सात मंजिला भवन आने वाले चार माह में पूर्ण करवा कर समाज को समर्पित कर दी जाएगी व उदयपुर में परशुराम महाविद्यालय तैयार है। आने वाले समय में इस तरह के कई प्रकल्प प्रारंभ किए जाएंगे जो समाज के लिए तथा राष्ट्र के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित होंगे। यह ई-लाइब्रेरी समाज के युवाओं के लिए निशुल्क उपलब्ध रहेगी फिलहाल 30 सीटों के साथ अध्ययन की सुविधा उपलब्ध होगी जहाँ पर अत्याधुनिक सुविधायुक्त सकारात्मक व सुरक्षित वातावरण मिलेगा। इस दौरान कार्यक्रम में पूर्व चेयरमैन दिनेश मिश्र अंजना त्यागी श्रीकांत शर्मा ओमप्रकाश त्रिवेदी संजय उपाध्याय दीपक सुकार राजेश सेडुलाई राजेंद्र डॉग एलएन भारद्वाज अमित उपाध्याय शिवकुमार बंधु रमेश ढन्ढ वेद प्रकाश शर्मा शंभूलाल रिवाली आदि ब्रह्म समाज के कई अन्य लोग मोजूद रहे।

विधायक से शिष्टाचार भेंट की

फुलेरा, (निसं)। कस्बे के निकटवर्ती प्रजापति समाज शिव मन्दिर भैसलाना के अध्यक्ष बजरंग लाल बगरानिया के नेतृत्व में प्रजापति समाज के एक शिष्ट मण्डल ने स्थानीय विधायक निर्मल कुमावत से शिष्टाचार भेंट कर अपनी बात रखी। जानकारी के अनुसार इस दौरान समाज हितों को लेकर कई मुद्दे रखे, जिसमें मुख्य रूप से प्रजापति समाज भैसलाना में एक भवन निर्माण की मांग रखी। जिस पर विधायक कुमावत ने उक्त भवन निर्माण के लिए 15 लाख रुपए का सहयोग करने का आश्वासन दिया है। जिस पर मन्दिर विकास समिति के पदाधिकारियों ने विधायक का आभार व्यक्त करते हुए माला और साफा पहनाकर अभिनंदन किया। इस अवसर पर बजरंग लाल बगरानिया, समिति के पूर्व अध्यक्ष सुरेन्द्र प्रजापति, कालूराम मारवाल, गोविन्दराम, पूर्व वाइस चेयरमैन विजय प्रजापत, सोहन लाल, राधेश्याम, गोपाल लाल, कानाराम, तुलसीराम, प्रकाश, मालीराम, रामाकिशन प्रजापति, बनवारी लाल मारवाल, उकारमल राजोरा, जयनारायण, पप्पू लाल प्रजापति, नन्दा राम, गोपाल लाल प्रजापात, घनश्याम, कानाराम प्रजापति, प्रभु दयाल, राजेन्द्र प्रजापति, नन्दकिशोर प्रजापति, नवरतन प्रजापति, रामस्वरूप प्रजापति सहित समाज के अनेक लोग उपस्थित रहे।

यह पहल इस देश में नवोदित हॉकी खिलाड़ियों को बेहतर बनने में मदद करेगी।
– दिलीप टिर्की

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष पद्मश्री, डॉ. दिलीप टिर्की हॉकी इंडिया ने भारत भर में खेल के विकास को बढ़ावा देने के लिये बताते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

रोमारियो शेपर्ड

आतिशी बल्लेबाजी और अल्ज़ारी जोसेफ़ (40/5) की घातक गेंदबाज़ी की बदौलत वेस्ट इंडीज़ ने तीसरे टी20 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराकर तीन मैचों की शृंखला 2-1 से जीत ली है। वेस्ट इंडीज़ ने निर्णायक मैच में पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर 220 रन का स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में मेज़बान टीम 20 ओवर में छह विकेट गंवाकर 213 रन ही बना सकी। विंडीज़ की इस रोमांचक जीत में शेपर्ड ने 22 गेंद पर दो चौकों और तीन छक्कों की बदौलत नाबाद 44 रन बनाये।

क्या आप जानते हैं ?... टैस्ट मैच में लगातार पबाधा आउट होने का रिकार्ड न्यूजीलैंड के डब्लू वाटसन के नाम है। वाटसन सात पारियों में लगातार पगबाधा आउट हुए है।

आईपीएल का पहला मैच : गुजरात टाइटंस ने चेन्नई को 5 विकेट से हराया

अहमदाबाद, 31 मार्च। 2023 का पहला मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन गुजरात टाइटंस और 4 बार की विजेता चेन्नई सुपर किंग्स के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया। 179 रनों के टारगेट का पीछा करते हुए गुजरात टाइटंस ने 4 गेंद शेष रहते मुकाबला जीत लिया।

इससे पहले शुभमन गिल 63 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें चेन्नई के इम्पैक्ट प्लेयर तुषार देशपांडे ने ऋतुराज गायकवाड के हाथों कैच कराया। इससे पहले, रवींद्र जडेजा ने कप्तान हार्दिक पंड्या (8 रन) को बोल्ड कर दिया। डेब्यू कर रहे उन्हें डेब्यू कर रहे राजवर्धन हंगरगेकर ने दो विकेट लिए। उन्होंने इम्पैक्ट प्लेयर साई सुदर्शन (22 रन), रिद्धिमान साहा (25 रन) को आउट किया। ओपनर शुभमन गिल और इम्पैक्ट प्लेयर साई सुदर्शन ने 35 बॉल पर 53 रन की साझेदारी की। यहां सुदर्शन 22 रन बनाकर आउट हुए।

179 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी गुजरात को शुभमन गिल और रिद्धिमान साहा ने तेज शुरुआत दिलाई। दोनों ने 37 रन की पार्टनरशिप की, साहा 25 रन बनाकर राजवर्धन हंगरगेकर का शिकार हुए। गिल ने साई सुदरशन के साथ पारी आगे बढ़ाई और पावरप्ले के 6 ओवर में टीम का स्कोर 65 तक ले गए। टॉस हारकर बैटिंग करने उतरे चेन्नई के बल्लेबाजों ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 178 रन बनाए। ओपनर ऋतुराज गायकवाड ने सबसे ज्यादा 92 रन बनाए। मोइन अली ने 23 रन बनाए। मध्य क्रम पर शिवम दुबे ने 19 और कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने 14 रन बनाए। के लिए मोहम्मद शमी, राशिद खान और अल्जारी जोसेफ ने 2-2 विकेट लिए। चेन्नई सुपर

किंग्स को ओपनिंग बैटर ऋतुराज गायकवाड ने विस्फोटक शुरुआत दिलाई। उन्होंने पहले 23 बॉल में हाफ सेंचुरी पूरी की और फिर अपनी टीम का स्कोर 150 के पार ले गए। वह अंत में 50 बॉल पर 92 रन बनाकर अल्जारी जोसेफ का शिकार हुए। इस पारी में उन्होंने 4 चौके और 9 छक्के लगाए। टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत खराब रही। डेवोन कॉन्वे तीसरे ही ओवर में मोहम्मद शमी की बॉल पर बोल्ड हो गए। उनके बाद उतरे मोईन अली ने टीम को तेज शुरुआत दिलाई। उन्होंने 17 बॉल में 4 चौकों और एक छक्के की मदद से 23 रन बनाए। पावर प्ले के आखिरी ही ओवर में मोईन राशिद खान की गेंद पर आउट हो गए। जिसके बाद टीम ने 6 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 51 रन बनाकर अपना पावरप्ले खत्म किया।

आईपीएल के रंग में रंगी लखनऊ मेट्रो

पहली बार इंडियन प्रीमियर लीग की मेजबानी कर रही नवाब नगरी लखनऊ में क्रिकेट प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। मैचों के दौरान क्रिकेट प्रेमियों की सुविधा के लिये लखनऊ मेट्रो ने मैच वाले दिन रात 1230 बजे तक संचालन जारी रखने की घोषणा की है। इसी क्रम में गुरूवार को लखनऊ सुपर जायंट्स थीम पर मेट्रो ट्रेनों का संचालन शुरू हुआ।

आईपीएल के 9 कप्तान पहुंचे अहमदाबाद

ट्रॉफी के साथ खिंचवाई फोटो, डु प्लेसिस को गले लगाते नजर आए हार्दिक पांड्या

अहमदाबाद, 31 मार्च। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 16वां सीजन कल से शुरू हो रहा है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइट्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच पहला मैच खेला जाएगा। उससे पहले 9 टीमों के कप्तान अहमदाबाद पहुंचे। सभी ने ट्रॉफी के साथ फोटो खिंचवाई।

मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा इस दौरान मौजूद नहीं रहे। ने अपने ऑफिशियिल सोशल मीडिया अकाउंट पर खिलाड़ियों के फोटो और वीडियो शेयर किए। वीडियो में हार्दिक पंड्या के कप्तान फाफ डु प्लेसिस को गले लगाते नजर आए।

खिलाड़ियों ने की मस्ती ने जो वीडियो शेयर किया है, उसमें सभी कप्तान एक-दूसरे के साथ मस्ती करते नजर आए। गुजरात के

कप्तान हार्दिक के कप्तान फाफ डु प्लेसिस को गले लगाते नजर आए। दिल्ली के डेविड वॉर्नर, चेन्नई के महेंद्र सिंह धोनी और राजस्थान के संजू सैमसन एक-दूसरे से चर्चा करते दिखे। कोलकाता के कप्तान नितीश राणा, सनराइजर्स के भुवनेश्वर कुमार, पंजाब के शिखर धवन और लखनऊ के केएल राहुल भी इस वीडियो में ट्रॉफी के साथ खड़े नजर आए। रोहित शर्मा बीमार होने के कारण ट्रॉफी के साथ फोटो शूट कराने नहीं पहुंचे। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद से कप्तान ऐडन मार्करम नहीं पहुंचे। वह साउथ अफ्रीका में ही हैं और नीदरलैंड के खिलाफ 2 वनडे की सीरीज में टीम का हिस्सा होंगे। उनकी जगह से भुवनेश्वर कुमार फोटो शूट कराने पहुंचे। हैदराबाद का पहला मैच 2 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ घरेलू ग्राउंड पर होगा।

विवेक के शानदार गोलों से वायुसेना को पूरे अंक

नई दिल्ली, 31 मार्च। प्लेयर आफ द मैच विवेक कुमार के मैच विजेता प्रदर्शन और दो शानदार गोलों की मदद से भारतीय वायुसेना पालम ने शुक्रवार को अजमल फुटबाल क्लब को 3-1 से हरा कर डीएसए ए डिवीजन सुपर सिक्स में दूसरी जीत दर्ज की। पहले हाफ में वायुसेना ने हल्का प्रदर्शन किया और कीमत चुकाई। आदित्य साहा ने रक्षापंक्ति की चूक का फायदा उठाते हुए बॉक्स के बाहर से नपेतुले शाट से गोली दिनेश को हैरान किया। पिछड़ने के बाद वायुसेना ने खेल पर पकड़ बनाई और अपने सदाबहार स्ट्राइकर विवेक कुमार के दर्शनीय गोल से 1-1 की बराबरी की। दूसरे हाफ के खेल में वायुसेना ने खेल पर नियंत्रण बनाया और दस खिलाड़ियों से खेलते हुए दर्शनीय जीत पाई।

ओपनिंग सेरेमनी : रश्मिका मंदाना ने किया नाटू-नाटू पर डांस, अरिजीत के गानों पर झूमे सवा लाख दर्शक

अहमदाबाद, 31 मार्च। इंडियन प्रीमियर लीग का 16वां सीजन आज से शुरू हो रहा है। मुकाबले से पहले की ओपनिंग सेरेमनी अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हुई। सेरेमनी देखने के लिए सवा लाख दर्शक स्टेडियम पहुंचे। मंदिरा बेदी ने करीब 55 मिनट चली ओपनिंग सेरेमनी को होस्ट किया। बॉलीवुड सिंगर अरिजीत सिंह, एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया और रश्मिका मंदाना ने सेरेमनी ने धमाकेदार परफॉर्मेंस दी।

बॉलीवुड सिंगर अरिजीत सिंह की परफॉर्मेंस के साथ ओपनिंग सेरेमनी शुरू हुई। उन्होंने केसरिया, लहरा दो, अपना बना ले, झूमे जो पठान, राबता, शिवाय, जीतेगा-जीतेगा, चढ़ेया डांस का भूत, राबता और शुभानल्लाह जैसे गानों पर परफॉर्मेंस दी। उन्होंने करीब आधे घंटे तक अपने गानों से दर्शकों को बांधे रखा। साउथ इंडियन एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने

श्रीवल्ली, नाटू-नाटू और ढोलिडा जैसे गानों पर डांस परफॉर्मेंस दी। उनसे पहले एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया ने 5 मिनट तक तूने मारी एंट्रियां और चौगाड़ा तारा जैसे गानों पर डांस किया। ओपनिंग सेरेमनी शुरू होने से पहले ही स्टेडियम के बाहर दर्शक अपनी टीमों को सपोर्ट करने के लिए पोस्टर्स लेकर पहुंचे।

श्रीकांत, सिंधु क्वार्टरफाइनल में, ध्रुव-अर्जुन बाहर

मैड्रिड, 30 मार्च। शीर्ष भारतीय शटलर पीवी सिंधु और किदांबी श्रीकांत ने गुरुवार को स्पेन मास्टर्स के दूसरे चरण में अपने-अपने मुकाबले जीतकर सुपर 300 आयोजन के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली।

पांचवीं सीड किदांबी ने 36 मिनट चले पुरुष एकल मुकाबले में अपने हमवतन साई प्रणीत को 21-15, 21-12 से हराकर शीर्ष-आठ में कदम रखा। दोनों खिलाड़ी 10वीं बार आमने-सामने थे और यह प्रणीत के खिलाफ किदांबी की पांचवीं जीत है। किदांबी को क्वार्टरफाइनल में शीर्ष वरीय जापान के केंटा निशिमोतो की कठिन चुनौती का सामना करना होगा। फ्रांस के अरनौद मर्कले के बाहर होने के बाद निशिमोतो को दूसरे दौर में वाकओवर मिला था।

दूसरी ओर, सिंधु ने 36 मिनट चले एकतरफा प्री-क्वार्टरफाइनल में इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमा वरदानी को 21-14, 21-16 से परास्त किया। वरदानी के खिलाफ यह सिंधु की दो मैचों में पहली जीत है। क्वार्टरफाइनल में दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट सिंधु का सामना डेनमार्क की मिया ब्लिकवेल्ट से होगा।

उल्लेखनीय है कि बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में शीर्ष 10 से बाहर होने के बाद यह सिंधु का दूसरा मुकाबला था। उन्होंने स्पैनिश मास्टर्स के पहले चरण में स्विट्ज़रलैंड की जेंजीरा स्टैडलमैन को शिकस्त दी थी। सिंधू ने टखने की चोट से उभरने के बाद 2023 में स्पेन मास्टर्स समेत पांच टूर्नामेंट खेले हैं जिसमें वह सिर्फ दो बार ही शीर्ष-16 में पहुंच सकी हैं।

सिंधु और किदांबी के अलावा भारत के सभी शटलरों को दूसरे दौर में हार का सामना करना पड़ा। किरण जॉर्ज, प्रियांशु राजावत और समीर वर्मा पुरुष एकल के दूसरे दौर में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए, जबकि ध्रुव कपिला और अर्जुन एमआर को पुरुष युगल के प्री-क्वार्टरफाइनल में हार का सामना करना पड़ा।

जॉर्ज डेनमार्क के मैग्नस जोहानसन से 31 मिनट में 17-21, 12-21 से हार गए, वहीं प्रियांशु को फ्रांस के आठवीं वरीयता प्राप्त टोमा जूनियर पोपोव ने 14-21, 15-21 से मात दी। समीर को जापान के दूसरी सीड कांता सुनेयामा से 15-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा।

जापान के शुंतारू मेज़ाकी और हरुया मिशिदा ने ध्रुव-अर्जुन को 36 मिनट में 21-16, 22-20 से हराकर पुरुष युगल प्रतियोगिता में भारतीय चुनौती समाप्त कर दी। जापान की रुई हिरोकामी और केटो युना ने सिक्की रेड्डी और आरती सारा सुनील को 21-12, 21-13 से हराकर महिला युगल में भारत का सफर खत्म किया। महिला एकल में अश्मिता चालिहा सिंगापुर की येओ जिया मिन से 15-21, 15-21 से हार गईं, जबकि मालविका बंसोड़ ने शीर्ष वरीयता प्राप्त कैरोलिना मारिन को वाकओवर दिया।

आईपीएल में पंत और बुमराह के रिप्लेसमेंट घोषित

दिल्ली कैपिटल्स ने अभिषेक पोरेल, मुंबई इंडियंस ने संदीप वॉरियर को किया शामिल

नई दिल्ली, 31 मार्च। दिल्ली कैपिटल्स ने चोटिल ऋषभ पंत की जगह पर अभिषेक पोरेल और मुंबई इंडियंस ने जसप्रीत बुमराह की जगह संदीप वारियर को टीम में शामिल किया है। दिल्ली ने 20 साल के विकेटकीपर पोरेल को शामिल किया है। पोरेल ने हाल ही में अपना घरेलू करियर शुरू किया है। पोरेल 20 लाख रुपये में दिल्ली कैपिटल्स में शामिल हो गए हैं। वहीं मुंबई ने संदीप वारियर को 50 लाख रुपये में टीम में जगह दी है।

ऋषभ पंत पिछले साल कार दुर्घटना का शिकार हो गए थे जिसकी वजह से उन्हें के इस सीजन से बाहर होना पड़ा था। वहीं

जसप्रीत बुमराह भी 2023 में अपनी टीम का हिस्सा नहीं हैं। उन्हें बैक इंजरी है।

पोरेल को असली पहचान पिछले रणजी ट्रॉफी में मिली। रणजी ट्रॉफी में उन्होंने कुछ अर्धशतक लगाए है। हालांकि विकेटकीपिंग में उन्होंने खासा प्रभावित किया। पोरेल ने अभी तक सिर्फ 3 टी20 मैच खेले हैं, जिसमें 22 गेंदों में कुल 22 रन बनाए हैं। वहीं 16 फर्स्ट क्लास मैचों में 6 अर्धशतक समेत 695 रन बनाए हैं। पोरेल ने 58 कैच और 8 स्टंपिंग की हैं।

भारत के लिए खेल चुके संदीप वारियर ने अब तक 68 टी20 खेले हैं और 62 विकेट लिए हैं। वह पहले कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर का हिस्सा थे, जिन्होंने 5 आईपीएल मैच खेले थे। जिसमें दो विकेट वे निकाल चुके हैं। आईपीएल 2021 में उन्होंने दिल्ली के खिलाफ शारजाह में अपना आखिरी मैच दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेला था।

राहुल के नेतृत्व में खेलना पसंद करेगी सुपर जायंट्स : फ्लावर

लखनऊ, 31 मार्च। लखनऊ सुपर जायंट्स के कोच एंडी फ्लावर ने कहा कि आईपीएल के मौजूदा सत्र में उनकी टीम केएल राहुल के नेतृत्व में खेलना पसंद करेगी और एक सधी हुयी रणनीति के साथ मैदान पर उतरेगी। मैच की पूर्व संध्या पर एक प्रेस कांफ्रेंस में फ्लावर ने कहा कि केएल राहुल एक बेहतरीन खिलाड़ी और कप्तान है। टीम उनके नेतृत्व में पूरा टूर्नामेंट खेलना पसंद करेगी और अंतिम एकादश में भी फेरबदल से बचने का प्रयास करेगी। चोट से ग्रसित तेज गेंदबाज मोहसिन खान के मौजूदा सत्र में भविष्य को लेकर पूछे गये सवाल पर उन्होने कहा कि पिछले सत्र में उनका प्रदर्शन शानदार रहा था। हम चाहेंगे कि वह जल्द स्वस्थ हों। हम उनके सत्र के दौरान जुड़ने को लेकर आशान्वित हैं। शनिवार को सुपर जायंट्स दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगा। इस बारे में पूछे गये एक सवाल पर उन्होने कहा कि दिल्ली कैपिटल्स की टीम संतुलित है और उसमें कई बेहतरीन खिलाडी है। हम अपना बेहतर खेल खेलने के लिये मैदान पर उतरेंगे। हमारा काम सिर्फ अच्छा खेल मैदान पर खेलना है। आईपीएल का हिस्सा होने को लेकर अपना अनुभव साझा करते हुये उन्होने कहा कि यह एक सुखद अहसास है। लीग के कारण पूरे देश में घूमने का मौका मिलता है। महिला आईपीएल के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुये उन्होने कहा कि महिला क्रिकेट तरक्की कर रहा है। खिलाड़ियों को अपना हुनर दिखाने का इससे बेहतर प्लेटफार्म कोई नहीं हो सकता।

मार्करम की अनुपस्थिति में भुवनेश्वर करेंगे सनराइजर्स की कप्तानी

हैदराबाद, 30 मार्च। नामित कप्तान एडेन मार्करम की अनुपस्थिति में दो अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद की कमान भुवनेश्वर कुमार के हाथों में होगी। फ्रेंचाइजी ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की। मार्करम नीदरलैंड के खिलाफ दो मैचों की एकदिवसीय शृंखला के लिये दक्षिण अफ्रीका में हैं और तीन अप्रैल को भारत पहुंचेंगे। इस साल के अंत में भारत में खेले जाने वाले एकदिवसीय विश्व कप में क्वालीफाई करने के लिये दक्षिण अफ्रीका को नीदरलैंड के विरुद्ध सीरीज जीतना जरूरी है।

सनराइजर्स ने उन सात मैचों में से दो में जीत हासिल की थी। पिछले साल आईपीएल तालिका में आठवें स्थान पर रहने के बाद सनराइजर्स ने इस सीज़न से पहले महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए टीम की बागडोर तत्कालीन कप्तान केन विलियम्सन से लेकर मार्करम को सौंपने फैसला लिया। मार्करम ने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका की लीग एसए20 में सनराइजर्स ईस्टर्न केप को खिताब दिलाया, जहां वह टूर्नामेंट के तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी रहे।

खिलाड़ियों का फैशन कई बार बदला, हेयर स्टाइल-टेटू ने चर्चाएं बटोरी

क्रिकेटर्स का बीयर्ड लुक फॉलो करते हैं फैंस

नई दिल्ली, 31 मार्च। क्रिकेट खिलाड़ियों की स्टाइल और लुक पर युवाओं की हमेशा से नजर रहती है। इसीलिए ये खिलाड़ी समय-समय पर अपने लुक और स्टाइल को चेंज करते रहते हैं। पिछले दो दशकों से खासकर आने के बाद क्रिकेट में लुक और स्टाइल काफी बदला है। लीग में कई क्रिकेटर अपने फैशन के लिए चर्चा में रहे। आगे स्टोरी में हम ऐसे ही कुछ प्लेयर्स के बारे में जानेंगे, जिन्होंने में फैशन की वजह से पहचान बनाई। साथ ही टूर्नामेंट इतिहास में अब तक खिलाड़ियों के फैशन में कितना बदलाव आया, इसे भी जानेंगे।

मैदान पर सभी खिलाड़ी अपने आप को दिलचस्प बनाने की कोशिश हमेशा करते हैं। पहले खिलाड़ी सिर्फ अपना खेल अच्छा रखते थे, अब के खिलाड़ी अपने खेल के साथ-साथ लुक पर भी ध्यान देते हैं। बात जब क्रिकेटर्स के लुक की आती है तो सबसे पहले उनके लुक में बीयर्ड शामिल होती है। अगर बात करें पूर्व क्रिकेटरों की तो वो क्लीन शेव लुक में ज्यादा रहते थे।

चाहे टीम इंडिया या विदेशी क्रिकेटर की बात करें, सभी को क्लीन शेव लुक में देखा जा सकता है। अगर 1983 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया की बात करें तो उसमें ज्यादातर खिलाड़ी क्लीन शेव वाले ही थे। लेकिन आजकल बीयर्ड लुक का क्रेज है। टीम इंडिया या बाहर के देशों की बात करें तो मौजूदा खिलाड़ी बड़ी-बड़ी बीयर्ड के साथ मैदान पर खेलते नजर आते हैं। जिनमें विराट कोहली का बीयर्ड लुक हमेशा चर्चा में रहता है। भारतीय क्रिकेटर ऋषभ पंत और श्रेयस अय्यर भी अब बीयर्ड रखने लगे हैं। वहीं बीयर्ड के साथ रवींद्र जडेजा भी हैंडसम दिखते हैं। विदेशी क्रिकेटर्स में केन विलियमसन, बेन स्टोक्स और जो रूट भी बीयर्ड लुक में नजर आते हैं। पहले की तुलना में अब क्रिकेटर्स हेयर स्टाइल पर ज्यादा ध्यान देते हैं। एमएस धोनी जो हेमशा अपने लंबे बालों के लिए याद किए जाएंगे। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को दुनिया के सबसे हैंडसम क्रिकेटर्स में से एक माना जाता है। विराट अपने हेयर स्टाइल के लिए हमेशा चर्चाओं में रहते हैं।

टीम इंडिया के हरफनमौला खिलाड़ी हार्दिक पंड्या खेल से ज्यादा अपने स्टाइल के लिए भी चर्चाओं में रहते हैं। हार्दिक अपने बालों को ज्यादातर छोटा रखना पसंद करते हैं। रवींद्र जडेजा के लंबे और घूंघराले बाल काफी समय से फैंस द्वारा फॉलो किए जाते रहे हैं। श्रेयस अय्यर अपने हेयर स्टाइल के साथ कई बार एक्सपेरिमेंट कर चुके हैं। कुछ समय पहले उन्होंने अपने बालों को ग्रे कलर किया था। कभी फ्रेकिंग हेयर स्टाइल तो कभी शॉर्ट हेयर भी उनके ऊपर खूब जंचते हैं।

शरीर पर टैटू बनवाने की परंपरा काफी पुरानी है, जिसने आज फैशन का रूप ले लिया है। फुटबॉलर इसके शौकीन माने जाते रहे हैं और अब यह प्रचलन क्रिकेटरों में भी दिखने लगा है। क्रिकेट में टैटू को लेकर सबसे पहला नाम ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल जॉनसन का आता है। जिन्होंने अपने पूरे दाएं हाथ पर टैटू बनवा रखा है। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने अपने बाएं हाथ के ऊपरी हिस्से में टैटू बनवा रखा है।

टैटू को लेकर स्टाइलिश सलामी बल्लेबाज शिखर धवन का प्यार किसी से छिपा नहीं है। 15 साल की उम्र में पहला टैटू बनवाने वाले धवन के शरीर पर 4 टैटू हैं। स्टाइल के मामले में यूनिवर्स बॉस क्रिस गेल किसी तरह का समझौता नहीं करते। गेल ने अपनी छाती पर शेर का टैटू गुदवाया है, जिस पर पंख भी लगे हुए हैं।

भारतीय क्रिकेटर केएल राहुल भी टैटू के मामले में पीछे नहीं हैं। राहुल के दोनों ही हाथों पर टैटू देखे जा सकता हैं। वहीं गुजरात टाइंट्स के कप्तान हार्दिक पंड्या ने अपने गले में पीस (शांति) सिम्बल का टैटू बनवा रखा है। क्रिकेट के मैदान पर आज के समय में ज्वेलरी पहनने का भी फैशन बढ़ा है।

उत्तर पश्चिम रेलवे G20

ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे बीकानेर भारत के राष्ट्रपति की ओर से इच्छुक ठेकेदारों से निम्न लिखित कार्य के लिए दर्शायी गयी तिथि में सील की गई खुली निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा संख्या : एस.एण्ड.टी-बी.के.एन-ईटी- 254, कार्य का नाम व स्थान : अमृत भारत स्टेशन स्कीम के तहत बीकानेर मंडल के चूरु, रतनगढ़ और लालगढ स्टेशनों पर दिव्यांगजन और अन्य यात्री सुविधाओं की सुविधा के लिए न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं का प्रावधान एवं दूरसंचार सूचना प्रणाली के विस्तार के साथ सॉफ्ट अपग्रेडेशन और FOB का कार्य। अनुमानित लागत मूल्य रु. :** 32863638.76, **बिड सिक्यूरिटी राशि (रुपये में) :** 314300.00, **निविदा प्रस्तुत करने की तिथि व समय :** 20.04.2023 को 15.00 बजे तक, **वेबसाइट जहाँ निविदा का पूरा विवरण देखा व डाउनलोड किया जा सकता है। : www.ireps.gov.in** 321-SN/23

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे G20

खुली ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक/सं.एवंदू.सं., उ.प. रेलवे जयपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा का ऑनलाइन ई-टेण्डर आमंत्रित किया जाता है। **ई-टेण्डर नोटिस नं. एसएनटी-जेपी-20R-2022-23,** दिनांक 29.03.2023, **कार्य का नाम व लोकेशन : "डेटालॉगर प्रबंधन केंन्द्र का विस्तार और जयपुर-सवाईमाधोपुर (9 स्टेशन) और फुलेरा-रेवाडी-लाडपुरा (32 स्टेशन) और बाँदीकुई-रेवाड़ी (1 स्टेशन) सेक्शन के डेटालॉगर प्रबंधन केंन्द्र कर अपर्याप्त क्षमता के प्रतिस्थापन के साथ प्वाइंट के रिवर्सल के संचालन के गैर संचालन के मामले में सुरक्षा अलार्म उत्पादन का प्रावधान।", अनुमानित लागत :** 2,19,83,864.34/-, **धरोहर राशि :** रुपये 259900.00/-, **वेबसाइट पर टेण्डर भरने की अंतिम तिथि और समय :** 21.04.2023 को 15.00 बजे तक, **वेबसाइट का विवरण और नोटिसबोर्ड की लोकेशन : www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। नोटिस बोर्ड लोकेशन मं.रे.प्र. कार्यालय पावर हाउस रोड़ जयपुर। **326-SN/23**

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे G20 **विज्ञापन सूचना**

वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 के लिये मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जयपुर द्वारा जयपुर मण्डल के रेलवे अस्पतालों के लिए खुदरा औषधि विक्रेताओं के निम्न कार्य के लिये सीलबन्द आवेदन निर्धारित शर्तों पर आमन्त्रित किये जाते है।

कार्य का विवरण एवं अवधि	उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मण्डल के रेलवे अस्पतालों के लिये प्रतिदिन औषधियों की खरीद हेतु खुदरा औषधि विक्रेताओ को निर्धारित शर्तों एवं नियमो के अनुसार वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 के लिए पंजीकृत करना।
कार्य की अवधि वर्षों में	02
अनुमानित कुल लागत	लगभग 70 लाख जो की पेनलों में आनुपातिक रुप से बांटी जाएगी।
आवेदन जमा करने की तिथि एवं समय	दिनांक 27.04.2023 को 13.00 बजे तक
निविदा खुलने की तिथि	दिनांक 02.05.2023 को मुख्य चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय जयपुर में

आवेदन प्रपत्र उत्तर पश्चिम रेलवे की वेबसाइट से डाउनलोड किये जा सकते हैं एवं संबंधित जयपुर मण्डल के रेलवे अस्पतालों के कार्यालयों से किसी भी कार्य दिवस को प्राप्त किये जा सकते है। **भरे गये निविदा फार्म निर्धारित अंतिम तिथी व समय तक संबंधित जयपुर मण्डल के रेलवे अस्पतालों के कार्यालयों के ड्रॉप बॉक्स मे डालने है।** 320-SN/23

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे G20 **सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा सूचना** मण्डार विभाग

ई-प्रोक्योरमेंट के द्वारा

निविदा सूचना संख्या एस/2023/11 दिनांक : 31.03.2023

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक, तृतीय तल, उ.प.रेलवे प्रधान कार्यालय, जवाहर सर्किल के पास, मालवीय नगर जयपुर-302017 निम्नलिखित मदों हेतु मोहरबंद खुली ई-निविदायें **www.ireps.gov.in** में सभी खुली ई-निविदायें 14.25 बजे बंद कर दी जायेगी।

क्र. सं.	निविदा सं.	अल्प विवरण	मात्रा	यूनिट	खुलने की तिथि
1	60225106	अर्थरोस्कोपी सिस्टम विद आल स्टैंडर्ड एसेसरीज विद 5 ईयर सी ए एम सी	01	सैट	17.04.2023
2	40221543ए	इलेक्ट्रॉनिक रेक्टिफिएर कम रेगुलेटर यूनिट (इ आर आर यू) ऑफ25 के डब्लू	31	नग	17.04.2023
3	50235042	सप्लाई ऑफ 1.4 एम एम डाया कॉपर कंडक्टर 6 कुआड़ केबल	165	कि.मी.	18.04.2023
4	40231274	लीड एसिड डीजल लोकोमोटिव स्टार्टर बैटरीज ऑफ 24वी/290	50	सेट	19.04.2023
5	50225554ए	रनिंग कॉन्ट्रैक्ट फॉर पी वी सी इंसुलेटेड अंडरग्राउंड-अन्सक्रीनेड अमैरिड रेलवे सिगनलिंग केबल कॉपर	2854	कि.मी.	20.04.2023
6	82233024	(1) सकबीटरिल 49एमजी. विद वाल्सर्टन 51 एमजी. टेबलेट/कैप्सूल (2) सकबीट-रिल 24एमजी+वाल्सर्टन 26एमजी टेबलेट (3) सकबीटरिल 97एमजी. विद वाल्सर्टन 103एमजी. टेबलेट/कैप्सूल	238360	नग	25.04.2023
7	37233044	यॅाक टू आरडीएसओ ड्रॉइंग नंबर एसके-62724 एएलटी-28, आइटम-3	1010	नग	25.04.2023
8	37233043	नकल टू आरडीएसओ ड्रॉइंग नंबर एसके-62724 एएलटी-28, आइटम-2	5606	नग	02.05.2023

संशोधन

	निविदा संख्या	निविदा सूचना संख्या	अल्प विवरण	एग्जिस्टिंग विवरण	रिवाइज्ड विवरण
1	81230011ए	एस/2023/09 दिनांक 13.03.2023	सिलिकॉन हार्ड कोटेड पोली-कार्बोनेटेड सीट 1250 एम एम * 2500 एम एम *6 एम एम फॉर विंडो गिलास	27.03.2023	10.04.2023
2	37231873	एस/2023/08 दिनांक 28.02.2023	साइड फ्रेम फ्रिक्शन लाइनर फॉर कसनूब 22 डब्लू कसनूब डब्लू (एम), नएल, नएलबी बोगी टू आरडीएसओ ड्राइंग नंबर एसके-69594 एएलटी-37, आइटम-7, मल्ट & स्पेस. एज पर ड्राइंग	21.03.2023	11.04.2023

(1)इच्छुक निविदाकर्ता हमारी बेवसाईट **ireps.gov.in** पर सामग्री का पूरा विवरण/ स्पेसिफिकेसन /बयाना राशि/निविदा फार्म का मूल्य और अन्य जानकारी देख सकते है। सभी निविदाकर्ताओं से निवेदन है कि अपने डिजिटल हस्ताक्षर प्राप्त करें तथा अपनी फर्म को उक्त साइट पर रजिस्ट्रर्ड करे। (2) 25 लाख से नीचे के विज्ञापित निविदा, सीमित निविदा, विशेष सीमित निविदा एवं कम मूल्य की निविदा में भाग लेने के लिए हमारी वेबसाईट **ireps.gov.in** पर जायें। 329-SN/23

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

जयपुर में लगातार दूसरे दिन भी तेज बारिश हुई। बेमौसम की यह बारिश किसानों के लिए किसी बड़े सितम से कम नहीं है। सीकर रोड पर स्थित कुकरखेड़ा अनाज मंडी की यह तस्वीर अपने आप यह हाल बयां कर रही है। जौ की फसल बेचने मंडी आये किसानों की मेहनत पर अंतिम क्षणों में बारिश ने पानी फेर दिया। मंडी में जगह नहीं मिलने के कारण किसानों को जौ की बोरियां खुले में ही रखनी पड़ीं। अपनी बारी आने और खरीददार मिलने का इंतजार कर रहे किसानों की जौ की बोरियां शुक्रवार को आई तेज बारिश में पूरी तरह से भीग गईं। फसल का सही भाव मिल सके इसके लिए कई किसानों ने सैम्पल के तौर पर काफी सारी जौ खुले में फैला रखी थी, लेकिन ऐन मौके पर आई बारिश ने उनकी महीनों की मेहनत को पूरा चौपट कर दिया। प्रदेश के किसानों के लिए 15 मार्च के बाद का समय बहुत विकट गुज़रा है, पहले ओलों व आंधी ने खड़ी फसलों को खेतों में ही नुकसान पहुँचा दिया और अब लगातार हो रही बारिश ने रही-सही कसर को भी पूरा कर दिया है।

नई विदेश व्यापार नीति घोषित, रूपये में ही कारोबार पर पूरा जोर रहेगा

भारतीय निर्यातकों को कोई सामान देश में लाए बगैर उसको तीसरे देश में निर्यात की छूट रहेगी, पूरे देश में डाक निर्यात केन्द्र खोले जायेंगे

नई दिल्ली, 31 मार्च (वार्ता) माल एवं सेवाओं का निर्यात 2030 तक दो लाख करोड़ डॉलर के स्तर पर पहुंचाने तथा रुपये में वैश्विक व्यापार को प्रोत्साहित करने जैसे महत्वाकांक्षी लक्ष्यों तथा वैश्विक बाजार की अनिश्चितताओं के दौर में नीतिगत निश्चितता, स्थिरता तथा लचीलेपन के रणनीतिक उद्देश्यों के साथ सरकार ने शुक्रवार को 'आज़ादी के अमृतकाल' की पहली 'विदेश व्यापार नीति' (एफटीपी) पेश की।परंपरा से हट कर नई एफटीपी-2023 में कोई 'सनसेट उपबंध'(पटाक्षेप की तिथि) नहीं रखी गयी है।

- **सरकार ने माल एवं सेवाओं का निर्यात 2030 तक दो लाख करोड़ डॉलर के स्तर पर पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है।**

विदेश व्यापार नीति के मुख्य बिंदु-

1-नई व्यापार नीति में सनसेट क्लाज (पटाक्षेप) तिथि नहीं है।

2-वाणिज्य मंत्रालय का भविष्य की उभरती अवश्यकताओं के अनुसार पुनर्गठन।

3-ई-कामर्स निर्यात को विदेश व्यापार नीति के भी लाभों का पात्र बनाया गया। वेयर-हाउसिंग सुविधा के साथ ई-कामर्श निर्यात केंद्रों को प्रोत्साहन। वहां लेबलिंग, प्रोसेसिंग जांच और पैकिंग भी होगी।

4- पूरे देश में 'डाक निर्यात केंद्र' खोले जाएंगे।

5- कोई सामान देश में लाए बगैर उसको तीसरे देश में निर्यात की छूट। इसके लिए भारतीय निर्यातकों को रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों का पालन करने और कुछ अन्य शर्तों के साथ दूसरे देश से खरीदे माल को बाहर ही बाहर तीसरे देश में निर्यात करने की छूट से भारतीय निर्यातकों को गेहूं जैसी इस समय प्रतिबंधित जिंसों के निर्यात का अपना बाजार बनाए रखने की सुविधा होगी।

6- वैश्विक व्यापार में रुपये के प्रयोग को प्रोत्साहन देकर रुपए को वैश्विक स्तर पर स्वीकार मुद्रा बनाने का लक्ष्य। विदेशी विनियम संकट में फंसे देशों के साथ रुपये में व्यापार को प्रोत्साहन दे कर भारत के निर्यात बाजार के संरक्षण और संकटग्रस्त देश की मुश्किल में मदद की पहल।

7-वाराणसी , मिर्जापुर , मुरादाबाद और फरीदाबाद को निर्यात उत्कृष्टता वाले कस्बों (टीईई) की सूची में जगह। टीईई में साझा सेवा प्रदाताओं (सीएसपी) को ईपीसीजी योजना का लाभ।

8-बाजारों में प्रवेश की पहल (एमएआई) योजना का विस्तार। 9-राज्यों और जिलों को निर्यात संवर्धन में भागीदार बनाने लिए जिलों को निर्यात का केंद्र बनाने, जागरूकता बढ़ाने राज्य एवं जिला स्तर पर निर्यात संवर्धन समितियां बनाने की नीति। जिला स्तर पर क्षमता विस्तार किया जाएगा।

स्मॉल सेविंग...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अप्रैल से 30 जून तक की तिमाही के लिए लघु बचत योजनाओं पर ब्याज की नई दरें जारी कर दी गयी है।

पिकअप-टैंकर की टक्कर में भाई-बहन समेत 5 की मौत

- **मृतकों में तीन बच्चे हैं तथा दो बालिकाएं गंभीर रूप से घायल हैं।**
- **पिकअप में एक ही परिवार के लोग थे और सभी खरीददारी खरीदने गए थे।**

जोधपुर, 31 मार्च (कासं)। जोधपुर-बीकानेर नेशनल हाईवे पर पिकअप-टैंकर की आमने-सामने की टक्कर में भाई-बहन समेत 5 लोगों की मौत हो गई। इसमें 2 बच्चियां भी घायल हुई हैं। हादसा फलौदी में दोपहर 3 बजे हुआ। पिकअप सवार एक ही परिवार के है और घर में आने वाली नई बहू के लिए कपड़े खरीदने गए थे।

पुलिस ने बताया कि बाप में जांबा गांव के लोग कपड़े खरीदने फलौदी गए थे। खरीदारी कर लौटते समय हादसा हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और टैंकर के आगे के टायर निकल कर बाहर आ गए। हादसे के बाद टैंकर ड्राइवर मौके से फरार हो गया।

हादसे में पिकअप ड्राइवर पर्वत पुत्र जियाराम, उर्मिला (38) पत्नी हरीराम, विकास (20) पुत्र सुभाष, प्रवीण (12) पुत्र ओमप्रकाश और रवीना (12) पुत्री ओमप्रकाश की मौके पर ही मौत हो गई।

घायल अर्पिता (15) पुत्री हरीराम विश्नोई और ईसानी (12) पुत्र श्याम लाल को फलौदी जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से अर्पिता को जोधपुर रैफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार सहीराम विश्नोई के बेटे रमेश का मुकलावा था। शुक्रवार सुबह परिवार मुकलावा करने के लिए बीकानेर चला गया था। रमेश की चाची उर्मिला ने नई बहू के स्वागत के लिए खरीदारी के लिए कहा। इस पर 4 लोग उर्मिला, ड्राइवर पर्वत और विकास और ईसानी फलौदी गए थे। वापसी में ओमप्रकाश के बेटे-बेटी और भांजे को पिकअप में बैठा लिया। हादसे में तीनों बच्चों की मौत हो गई।

हादसे में मरने वाले रवीना और प्रवीण भाई-बहन है। हादसे के बाद घर में कोहराम मच गया।

'बम ब्लास्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गहलोत के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि "कांग्रेस पार्टी ने हमेशा बांटने की राजनीति की है, वर्ष 1984 में सिख भाई-बहनों का नरसंहार कांग्रेस के शासन में हुआ, आतंकवादियों को प्रश्रय व सरंक्षण कांग्रेस सरकार के समय दिया गया। शांति प्रिय राजस्थान में साढ़े चार वर्ष से सौहार्द बिगाड़ने वाले लोगों को सरकार संरक्षण मिला हुआ है, कांग्रेस सरकार के खत्म होते जनाधार के कारण मुख्यमंत्री गहलोत कभी तुष्टिकरण की राजनीति करते है, तो कभी खालिस्तान की बात करते हैं।"

सी.पी. जोशी ने कहा कि मुख्यमंत्री गहलोत वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में 156 सीट जीतने की बात करते हैं, जबकि गहलोत के दो बार के कार्यकाल में कांग्रेस विधानसभा की 21 और 56 सीटें ही जीत पाई और प्रदेश के आज के हालात देखकर लगता है कि अबकी बार 21 सीट भी नहीं जीत पाएगी। वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने जनता से कई वादे किए थे, जिनमें किसानों से ऋण माफी, बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता, संविदाकर्मियों के नियमितिकरण, कानून व्यवस्था सहित अपराध को रोकने एवं महिला सुरक्षा के वादे शामिल थे, लेकिन राज्य की गहलोत सरकार ने ये वादे पूरे नहीं किए। राजस्थान की जनता कांग्रेस सरकार को वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में जवाब देगी, भाजपा को प्रचंड जनादेश मिलेगा।

कोलंबिया से भारत आयेंगे 60 हिप्पो

नामीबिया से आये चीतों के सफल पुनर्वास से उत्साहित होकर सरकार ने यह फैसला किया है

नई दिल्ली, 31 मार्च। मध्यप्रदेश के कूनो अभ्यारण्य में अफ्रीका से चीतों के आने के बाद अब कोलंबिया से 70 हिप्पो भारत लाए जाएंगे। इन हिप्पो की संख्या इतनी ज्यादा हो गई है कि इन्हें दूसरे देशों में भेजा जा रहा है। इसी के तहत एक बड़ी संख्या यानी 70 कोकीन हिप्पो को भारत लाया जाएगा और एक अभ्यारण्य में रखा जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार 70 'कोकीन हिप्पो' को स्थानांतरित करने की योजना है। इनमें से 60 भारत लाए जाएंगे। दरअसल, ये हिप्पो ड्रग स्मगलर पाब्लो एस्कोबार के प्राइवेट चिड़ियाघर में रहे जानवरों के वंशज हैं। इसी कारण से इन्हें कोकीन हिप्पो कहा जाता है। इन्हें स्थानांतरित करने में 35 लाख डॉलर का खर्च आएगा। यह योजना कोलंबियाई कृषि संस्थान, कोलंबिया वायु सेना और मैक्सिको में ओस्टोक अभ्यारण्य समेत विभिन्न संस्थान के साथ स्थानीय एंटीऑक्विया सरकार की ओर से किए गए समझौते का हिस्सा है। अभ्यारण्य 10 दरियाई घोड़ों को ले जाएगा। जबकि शेष 60 को भारत के एक अभ्यारण्य में लाया जाएगा।

पाब्लो एस्कोबार के इलाकों से होते हुए ये जानवर खेत में दूर तक फैल चुके हैं। अधिकारियों की ओर से इनकी आबादी कंट्रोल करने के लिए तरह.तरह के उपाय अपनाए गए, लेकिन इसके बावजूद भी इनकी संख्या 130 से 160 हो गई है। मूल हिप्पो विदेशी जानवरों के चिड़ियाघर का हिस्सा थे। जिसे पाब्लो एस्कोबार ने 1980 के दशक में बनाया था। 1993 में उसकी मौत के बाद ज्यादातर जानवरों को अधिकारियों ने स्थानांतरित कर दिया, लेकिन परिवहन की कठिनाई के कारण उन्होंने हिप्पो को नहीं हटाया।

तभी से इन हिप्पो ने तेजी से प्रजनन किया। स्थानीय मैग्डेलेना नदी के बेसिन के साथ उन्होंने अपना विस्तार किया। देखते ही देखते हिप्पो स्थानीय लोगों और अधिकारियों के लिए एक पर्यावरणीय चुनौती बन गए। 10 हिप्पो मैक्सिको में भेजे जाएंगे।

'प्र.मंत्री का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि क्या देश को यह जानने का अधिकार नहीं है कि उनके प्रधानमंत्री कितने शिक्षित हैं? कोर्ट में उनकी डिग्री दिखाए जाने का उन्होने जोरदार विरोध किया, क्यों? और डिग्री दिखाने को कहने वाले व्यक्ति पर जुर्माना लगाया? ये हो क्या रहा है। एक अनपढ़ या कम पढ़ा लिखा प्रधानमंत्री देश के लिए खतरनाक है!

वर्ष 2016 में आर.टी.आई. के तहत पूछे गए सवाल के लिए सैन्ट्रल इन्फॉर्मेशन ब्यूरो ने प्रधानमंत्री कार्यालय, गुजरात युनिवर्सिटी और दिल्ली युनिवर्सिटी को निर्देश दिया था कि प्रधानमंत्री मोदी की ग्रैजुएशन और पोस्ट ग्रैजुएशन डिग्री के बारे में जानकारी दें।

गुजरात युनिवर्सिटी ने इस आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। प्रधानमंत्री मोदी ने चुनाव दस्तावेजों में लिखा है कि उन्होने 1978 में गुजरात युनिवर्सिटी से ग्रैजुएशन किया था फिर 1983 दिल्ली युनिवर्सिटी से एम.ए. किया था। अगर कोई निर्वाचित प्रतिनिधि हलफनामे के जरिए कोई दावा करता है तो प्राकृतिक न्याय का सिद्धान्त मांग करता है कि ऐसे दावे को संस्थान, जहां से संबंधित दावा किया गया है, पारदर्शी प्रक्रिया से सत्यापित करे।

इस बार फिर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस पर हमला हुआ।

ममता बनर्जी ने सुभेन्दु अधिकारी का नाम लिए बिना आरोप लगाया कि बंगाल के कई जगहों पर हुई हिंसा में अधिकारी का हाथ है। उन्होने कहा कि रामनवमी से ठीक पहले अधिकारी ने अमित शाह से मुलाकात की थी। सुभेन्दु अधिकारी तृणमूल के खिलाफ भाजपा के सब से सशक्त नेता हैं।

इसी बीच केन्द्रीय गृह मंत्री ने राज्य के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस से बात की और राज्य की कानून व्यवस्था पर जानकार मांगी। राज्यपाल एक-दो दिन में दंगाग्रस्त क्षेत्रों का दौरा कर सकते है। इसी बीच सोशल मीडिया में भी हरेक रामनवमी पर हिंसा होने को लेकर बहस छिड़ी हुई है।

ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल के साथ केन्द्र के भेदभाव को लेकर धरना दे रही हैं। यह ऐसा मुद्दा है जिसे बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टियों आधी सदी से भुना रही है पर अब यह मुद्दा बेअसर हो चुका है।

वाम मोर्चा सरकारें आए दिन इस मुद्दे पर धरना देती थीं और जब भी राज्य सरकार के खराब प्रदर्शन की बात उठती तब यह मुद्दा जोर शोर से उठाया जाता था।

वर्तमान में ममता बनर्जी की नीतियां व व्यवहार के कारण राज्य में कोई निवेश नहीं आ रहा है। युवा बेरोजगारी व अन्य राज्यों की ओर पलायन बहुत ज्यादा बढ़ गया है। अधिकांश घरों में सिर्फ बुजुर्ग बचे है क्योंकि युवा काम की तलाश में बाहर चले गए हैं।

राज्य के सरकारी कर्मचारी भी केन्द्र के समान डी.ए. मांग रहे हैं। राज्य में डी.ए. मात्र 4 प्रतिशत है जबकि केन्द्र में 42 प्रतिशत, इससे कर्मचारी नाराज है। उन्होने कहा कि ममता बनर्जी कलाकारों और खिलाड़ियों को मनमाने तरीके से पैसा बांटती है जबकि डी.ए. बढ़ाने के नाम पर पैसा नहीं होने की बात करती हैं।

गुरुवार को राज्य सरकार के कर्मचारियों ने कलकत्ता में धरना दिया जिन्हें ममता नें "भौंकने वाले कुत्ते" करार दिया जिस पर भारी बवाल मचा।

देखा जाना है कि राज्य की वित्तीय स्थिति बेहत दयनीय है बजट घाटा बहुत ज्यादा है ओवर ड्राफ्ट पहले ही सीमा पार कर चुका है।

अमेरिका में ट्रम्प व भारत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शुमर ने एक बयान में कहा कि ट्रम्प के अभियोजन में किसी प्रकार का प्रभावी राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए। उन्होंने ट्रम्प के समर्थकों और आलोचकों को इस बात के लिए प्रेरित किया कि प्रक्रिया को शांतिपूर्ण एवं कानून के अनुसार चलने देना चाहिए। सदन की पूर्व स्पीकर नैंसी पेलोसी ने ट्वीट कर कहा कि ट्रम्प के अभियोजन में ग्रैण्ड जूरी ने तथ्य एवं विधि सम्मत कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि "कानून से ऊपर कोई नहीं है तथा स्वयं को निर्दोष साबित करने के लिए हर किसी के पास कानूनी सुनवाई का अधिकार है और उम्मीद है कि पूर्व राष्ट्रपति उस सिस्टम का शांतिपूर्ण ढंग से आदर करेंगे, जो उन्हें यह अधिकार प्रदान करता है।"

लूज़ियाना के हाउस रिपब्लिकन मैजोरिटी लीडर स्टीव स्कलाइज़ ने भी इस अभियोजन को अपमानजनक बताया। हाउस में सैकिण्ड रैंक के इस रिपब्लिकन ने गुरूवार को ट्वीट किया कि "पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के विरूद्ध न्यूयॉर्क में अभियोजन इसका स्पष्ट उदाहरण है कि चरमपंथी डैमोक्रेट्स अपने राजनीतिक विरोधियों पर प्रहार करने के लिए सरकार को हथियार बना रहे हैं।"

ट्रम्प के सहयोगियों ने यह कहते हुए अभियोजन की भर्त्सना की कि यह पूर्व राष्ट्रपति को पुन: निर्वाचित होने से रोकने का एक प्रयास है। राष्ट्रपतियों का इतिहास लिखने वाले मैट डालैक ने कहा कि यह अभियोजन अमेरिका में लोकतंत्र का एक संक्रमण कालहै और इसमें समान न्याय के सिद्धांत का परीक्षण होगा और हाल ही के इतिहास में शायद ऐसा कोई केस नहीं है, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि "यह अभियोजन लोकतंत्र के लिए एक अच्छी खबर है और उथल-पुथल को भी परिलक्षित है, जो ट्रम्प ने हमारे सुशासन के सिस्टम के समक्ष प्रस्तुत की है। अत: बातें इसके पक्ष और विपक्ष दोनों को लेकर हैं।"

उन्होंने कहा कि "यह महत्वपूर्ण है क्योंकि वे शायद पहले अथवा पूर्व राष्ट्रपति हैं, जिन पर अभियोग चलाया जाएगा, लेकिन इससे यह एक मूल प्रश्न भी उठता है कि क्या उनकी सुनवाई निष्पक्ष की जाएगी? और क्या वह सुनवाई किसी प्रकार की हिंसा भड़कने के बिना आगे चलेगी? पर अमेरिका के द्विदलीय राजनीतिक सिस्टम के स्थायित्व और यहां कानून के शासन का एक टैस्ट भी होगा।"

भाजपा व कांग्रेस में स्पर्धा है कौन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होड़ मची है। कुमारास्वामी ने कहा कि पर वे स्वयं के बलबूते पर बहुमत लाने और सरकार बनाने के प्रयास में है। अगर त्रिशंकु जनादेश मिला और किसी पार्टी को बहुमत नहीं मिला, जैसा वर्ष 2018 में हुआ था, उन हालात को देखते हुए कुमारास्वामी का बयान महत्वपूर्ण है। जनता दल (एस) भाजपा व कांग्रेस दोनों के साथ सरकार बना चुकी है। जनवरी 2006 से पार्टी ने भाजपा के साथ सरकार बनाई थी, जो 20 माह चली थी फिर मई 2018 में कांग्रेस के साथ सरकार बनाई थी जो 14 माह चली थी जिसमें कुमारास्वामी मुख्यमंत्री थे।

कुमारा स्वामी ने कहा कि दोनों राष्ट्रीय पार्टियों के लोकल नेता मीडिया के सामने कहा, "मेरी पार्टी को कमतर बताते हैं और बाद में आकर मेरा दरवाजा खटखटाते हैं। सिद्धारमैया कहते हैं कि जद (एस) का भाजपा से समझौता है वही मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई कहते हैं कि जद (एस) का कांग्रेस से समझौता है अगर उन्होने जद (एस) से सम्पर्क साधने का प्रयास नहीं किया होता तो क्या वे ये सब कहते? वे मेरी पार्टी इस बार खत्म नहीं कर सकते। उन्होने कहा 15 साल फंसे रहने के बाद इस बार मैं जनता के सामने आया हूँ। जद (एस) का लक्ष्य 224 में से 123 सीटें जीतने और अपने दम पर सरकार बनाने का है।"

स्वास्थ्य का अधिकार विधेयक राजस्थान

विश्लेषण और आपत्तियां As Given to CM

1. महत्वपूर्ण अर्थ वाले सभी संज्ञाओं और शब्दों की उचित परिभाषाएं जो संदर्भित और अर्थ करती हैं, जैसे दुर्घटना, आपात स्थिति, आपातकालीन देखभाल, परिवहन और प्राथमिक उपचार इसमें शामिल होनी चाहिए।
2. इस बिल में प्रस्तावित अधिकार केवल राजस्थान राज्य के निवासियों के लिए होने चाहिए।
3. वित्तीय प्रावधानों के बिना निजी स्वास्थ्य संस्थानों में मुफ्त इलाज की बाध्यता हैं, निजी अस्पतालों पर मुफ्त स्वास्थ्य सेवाओं का बोझ नहीं डाला जा सकता है जो पहले से ही संकट में हैं और अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इसे सार्वजनिक और नामित अस्पतालों के लिए ही निर्दिष्ट किया जाना चाहिए।
4. सभी निजी स्वास्थ्य संस्थानों में कर्मचारियों और उपलब्ध सुविधाओं के बिना व भुगतान के बिना सभी आपात स्थितियों का इलाज करने की बाध्यता नहीं होनी चाहिए।
5. दुर्घटना पीड़ितों के लिए मुफ्त रेफरल परिवहन सुविधा की व्यवस्था सरकार द्वारा ही की जानी चाहिए।
6. दुर्घटना पीड़ितों के लिए मुफ्त इलाज के लिए सरकार द्वारा उचित शुल्क पुनर्भुगतान प्रक्रिया होनी चाहिए।
7. जिला स्वास्थ्य समिति में ग्राम प्रधान और अन्य स्थानीय प्रतिनिधि होंगे, जो डॉक्टरों के खिलाफ पूर्वाग्रही और पक्षपाती हो सकते हैं, जो अंततः स्वास्थ्य सेवाओं को परेशान और बाधित कर सकते हैं। उन्हें प्राधिकरण में शामिल नहीं होना चाहिए।
8. डॉक्टरों और अस्पतालों के खिलाफ केवल एक ही शिकायत निवारण प्रणाली होनी चाहिए, सभी रोगियों को केवल इसका उपयोग करने के लिए बाध्य किया जाना चाहिए। राज्य एवं जिला स्वास्थ्य प्राधिकरण में डॉक्टर ही सदस्य हों, शिकायतों की जांच के लिए केवल विषय विशेषज्ञों को ही निर्दिष्ट किया जाना चाहिए।
9. सभी प्राधिकरणों में निजी, सरकारी डॉक्टरों और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के पदाधिकारी या उनके प्रतिनिधि शामिल किए जाने चाहिए।
10. शिकायत निवारण में प्राधिकरण द्वारा अधिकृत किसी भी अधिकारी को किसी भवन या स्थान में प्रवेश करने, तलाशी लेने और जब्त करने का अधिकार नहीं होने चाहिए।
11. द्वेषपूर्ण और झूठी शिकायतों के लिए उचित संज्ञान और दंड के प्रावधानों को शामिल किया जाना चाहिए।
12. राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण या जिला स्वास्थ्य प्राधिकरण के फैसले के खिलाफ दीवानी अदालतों के अधिकार क्षेत्र को पूरी तरह से वर्जित करना असंवैधानिक प्रावधान, इसे हटाया जाना चाहिए।
13. मुफ्त दुर्घटना आपातकालीन उपचार और अन्य मुफ्त उपचार केवल सरकारी अस्पतालों और नामित अस्पतालों में ही निर्दिष्ट किए जाने चाहिए।
14. रोगियों के कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को निर्दिष्ट किया जाना चाहिए।
15. डॉक्टरों और स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के अधिकार स्पष्ट रूप से सूचीबद्ध और आरक्षित होने चाहिए।
16. डॉक्टरों को सुरक्षा और उनके खिलाफ हिंसा की रोकथाम प्रदान की जानी चाहिए।
17. निजी अस्पतालों पर राज्य सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं से जुड़ने की प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष बाध्यता नहीं होनी चाहिए।
18. इस अधिनियम के लिए किसी भी प्रकार के नियम बनाते समय हितधारक डॉक्टरों से परामर्श किया जाना चाहिए और मसौदा तैयार करने में उनकी भागीदारी शामिल होनी चाहिए।
19. राज्य सरकार की सार्वजनिक स्वास्थ्य योजनाओं में तर्कहीन और अनुचित पैकेज दरें हैं इसलिए ठीक से गुणवत्तापूर्ण उपचार करना असंभव है, इनके सुधार के लिए प्रावधान और सुझावों के लिए हितधारक डॉक्टरों और अस्पतालों को कमेटी में शामिल और विनिर्दिष्ट किया जाना चाहिए।
20. राज्य में मजबूत गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य देखभाल और चिकित्सा पर्यटन के लिए निजी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और प्रतिष्ठानों को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन योजनाओं को शुरू करने और उचित उपाय करने के लिए सरकार द्वारा प्रावधान होने चाहिए।
21. प्रदेश की 70 प्रतिशत आबादी की सेवा करने वाले निजी स्वास्थ्य सुविधाओं को उद्योग का दर्जा दिया जाना चाहिए और इनके सुचारू संचालन के लिए कम लागत की बिजली आपूर्ति, 5 वर्ष में फायर एनओसी का नवीनीकरण, पुराने चल रहे अस्पताल भवनों को नियमित करने जैसी सुविधाएं दी जानी चाहिए।

हाई कोर्ट ने डॉक्टरों की हड़ताल को गैर कानूनी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरकारी अस्पताल आज भी कार्यरत हैं।

वहीं महाधिवक्ता, जो वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत से जुड़े थे, ने अदालत को कहा कि कुछ ही डॉक्टर और संस्थाएं इस पूरी हड़ताल को भड़का रहे हैं और यह लोग सरकारी डॉक्टरों को भड़काने में भी कामयाब हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि राइट टू हैल्थ बिल डॉक्टरों की पूरी सहमति के बाद ही विधानसभा में पेश किया गया था। उन्होंने कहा कि कुछ लोग जिनके निहित स्वार्थ शामिल हैं, वह इन डॉक्टरों को भड़का रहे हैं, जबकि राज्य सरकार ने ही इन अस्पतालों को औने-पौने दामों पर या मुफ्त जमीन मुहैया कराई है और कई प्राइवेट अस्पताल तो सरकारी स्कीमों की वजह से ही चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर डॉक्टरों को बिल के किसी प्रावधान से परेशानी है तो वह उसे अदालत में चुनौती दे सकते हैं पर ऐसे हड़ताल करना गैर कानूनी है।

अदालत ने याचिकाकर्ताओं से पूछा कि उन्होंने किसी भी डॉक्टर या डॉक्टरों की संस्था से बातचीत की है कि वह हड़ताल पर क्यों उतरे हैं क्योंकि याचिका में डॉक्टरा हड़ताल क्यों कर रहे है, इस बारे में नहीं बताया गया है। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता ने अखबारों की खबरों को आधार बनाकर याचिका दायर की है। अदालत इस बात से संतुष्ट नही थी कि प्राइवेट डॉक्टरों की हड़ताल को गैर कानूनी करार दिया जाये, बिना उनका पक्ष सुने। इसलिये अदालत ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के पैनल वकील अंगद मिर्धा को इस मामले में डॉक्टरों का पक्ष रखने के लिये नोटिस तलब किये हैं और महाधिवक्ता को आदेश दिये हैं कि वह डॉक्टरों और सरकार के बीच हुई बातचीत का पूरा ब्यौरा अदालत के समक्ष पेश करें।

बहस के दौरान यह भी कहा गया कि राइट टू हैल्थ बिल को स्थगित कर दिया जाये जब तक डॉक्टरों और सरकार के बीच समझौता नहीं हो जाता। यहां उल्लेखनीय है कि राइट टू हैल्थ बिल को विधानसभा में पारित कर दिया गया है परंतु इस पर राज्यपाल के हस्ताक्षर नहीं हुए हैं। इसलिये ये बिल अभी तक क्रियान्वित नहीं हुआ है।

उल्लेखनीय है कि 19 मार्च को, बिल के पारित होने से दो दिन पूर्व, आईएमए की जॉइन्ट एक्शन कमेटी के पांच सदस्य जिनमें डॉ.सुनील चुघ और डॉ.विजय कपूर शामिल थे, ने मुख्यमंत्री के निर्देश पर सरकारी अधिकारियों से बातचीत की थी। सूत्रों के अनुसार राज्य सरकार ने 21 बिन्दुओं पर सहमति जताई थी और आश्वासन दिया था कि वह इन बिन्दुओं को बिल में जोड़ेगी परंतु जब बिल का अंतिम प्रारूप विधानसभा के समक्ष पेश किया गया तब इनमें से कई बिन्दुओं पर सरकार ने ना तो जोड़ा था बल्कि कई बिन्दुओं पर तो विपरीत कार्य भी किया था।

उदाहरण के तौर पर (1) आइएमए की इस टीम को आश्वासन दिया गया था कि छोटी एवं निजी अस्पतालों पर मुफ्त इलाज का भार नहीं डाला जायेगा और केवल उन्हीं अस्पतालों पर यह भार डाला जायेगा जो इसका आर्थिक भार झेल सकेंगे। (2) दुर्घटना पीड़ितों को रैफरल अस्पताल पहुंचाने के लिये परिवहन सुविधा का भार सरकार को उठाना होगा। (3) दुर्घटना पीड़ितों के लिये मुफ्त इलाज के लिये उचित शुल्क पुनर्भरण व्यवस्था होनी चाहिये। (4) स्टेट लेवल और डिस्ट्रिक्ट लैवल समितियों में ग्राम प्रधान और अन्य स्थानीय प्रतिनिधि नहीं होने चाहिये जो डॉक्टरों के खिलाफ पक्षपात कर सकें। (5) राज्य सरकार के पैकेज में बढ़ावा किया जाये और इन्हें व्यवाहारिक बनाया जाये। (6) प्रदेश की 70 फीसदी जनता की सेवा करेन वाले निजी स्वास्थ्य सुविधाओं को उद्योग का दर्जा दिया जाना चाहिये और इनके सुचारू संचालन के लिये कम लागत की बिजली और पांच वर्ष में फायर एनओसी का नवीनीकरण, पुराने चल रहे अस्पताल भवनों को नियमित करने की सुविधा देनी चाहिये।

सूत्रों का कहना है कि इनमें से किसी भी बिन्दु पर सरकार ने प्रावधान नहीं किये हैं बल्कि विपरीत काम किया है। सूत्रों का यह भी कहना है कि 19 मार्च को हुई मीटिंग में डॉक्टरों को आश्वासन दिया गया था कि उनकी सारी मांगें स्वीकार की जाएंगी। परंतु उन्हें मीटिंग समाप्त होने के बाद मीटिंग का हस्ताक्षरित ब्यौरा नहीं दिया गया और ना ही मांगों पर अमल किया गया।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि आईएमए ने राज्यपाल को 25 मार्च यानी बिल के पारित होने के तीन दिन बाद पत्र लिखकर कहा था कि वह राइट टू हैल्थ बिल को विशेष तरह से नियुक्त की गई समिति को भेजें ताकि इस पर पुनर्विचार किया जा सके।

इस पत्र में भी आईएमए ने बिल में कई तरह की कानूनी त्रुटियां गिनाई हैं। परंतु सवाल यह है कि क्या यह पत्र भी अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा क्योंकि यह भी डॉक्टरों की संस्था द्वारा दिया गया प्रतिनिधित्व है।

19 मार्च को आई.एम.ए. की कमेटी ने डॉ. सुनील चुघ के नेतृत्व में सरकारी अधिकारियों के साथ मीटिंग की थी, जिसमें अधिकारियों ने 21 बिंदुओं पर पूर्ण सहमति जताई थी, परंतु बिल के अंतिम स्वरुप में "हाइलाइटेड" बिंदुओं को ना केवल अस्वीकार कर दिया, बल्कि इसके विपरीत कार्य किया गया।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908